Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

E-Mail : mantrabharatmumbai@gmail.com, Mo. 7007837917

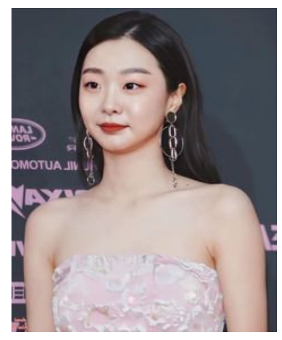

मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

संस्करण : मुंबई
वर्ष : 10
अंक : 350
पृष्ठ : 8
मूल्य : 2.00
गुरूवार, 25 दिसम्बर, 2025

मुंबई, लखनऊ, प्रयागराज एवं ग्वालियर से एक साथ प्रकाशित एवं ठाणे, नवी मुम्बई, पालघर, नासिक एवं पुणे से प्रसारित

3 'ऐसे दिखा रहे हैं जैसे पुतिन-जेलेंस्की साथ ...
4 देश को समर्पित हिमालयी व्यक्तित्व अटल....
7 उधार की किट से लेकर सबसे महंगा ...

संक्षिप्त न्यूज

राउत का दावा, ठाकरे भाइयों का पुनर्मिलन महाराष्ट्र के लिए एक ऐतिहासिक क्षण

मुम्बई **(एजेंसी)**। शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने कहा कि महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे और एमएनएस प्रमुख राज ठाकरे बुधवार को औपचारिक रूप से गठबंधन की घोषणा करने के लिए एक साथ आएंगे। इसे भावनात्मक और राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण क्षण बताते हुए राउत ने कहा कि ठाकरे बंधुओं का यह पुनर्मिलन लंबे समय से प्रतीक्षित था। राउत ने कहा कि आज उद्धव जी और राज ठाकरे एक साथ आकर चुनावी गठबंधन की घोषणा करेंगे। यह महाराष्ट्र और सभी मराठी लोगों के लिए बहुत खुशी का क्षण है।

संजय राउत ने कहा कि बालासाहेब ठाकरे ने यहीं के सपूतों के लिए शिवसेना की स्थापना की थी। 20 वर्षों तक ठाकरे बंधुओं का साथ नहीं रहा और महाराष्ट्र को बहुत कुछ सहना पड़ा। अब भाजपा को सबक सिखाने और मुंबई में चल रही लूट को रोकने के लिए उद्धव और राज ठाकरे एक साथ आए हैं। हम मुंबई के 10 नगर निगमों में एक साथ चुनाव लड़ेंगे। बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) चुनावों से पहले एक महत्वपूर्ण राजनीतिक घटनाक्रम में, शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) चुनावी गठबंधन की घोषणा करने जा रही हैं।शिवसेना (यूबीटी) विधायक सचिन अहीर ने भी इसी तरह की भावना व्यक्त करते हुए इस घटनाक्रम को राज्य के राजनीतिक परिदृश्य में एक महत्वपूर्ण मोड़ बताया। उन्होंने कहा कि ठाकरे परिवारों का एक साथ आना महाराष्ट्र के लिए आवश्यक था और इससे भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विरोधियों को उम्मीद मिलेगी। अहीर ने एएनआई को बताया, 'महाराष्ट्र की राजनीति में आज का दिन ऐतिहासिक है।

मोदी सरकार ने लिया बड़ा फैसला, राजधानी Delhi को धुएं और प्रदूषण से मुक्ति दिलाने वाली योजना को दी मंजूरी

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में जो निर्णय लिया गया, वह दिल्ली की दमघोंटू हवा के खिलाफ सीधी जंग का ऐलान है। हम आपको बता दें कि मोदी मंत्रिमंडल ने दिल्ली मेट्रो रेल परियोजना के चरण पांच ए को स्वीकृति देकर यह साफ कर दिया है कि अब राजधानी को यूं ही धुएं और जाम के हवाले नहीं छोड़ा जाएगा। बारह हजार पंद्रह करोड़ रुपये की लागत से बनने वाली सोलह किलोमीटर लंबी इस नई मेट्रो विस्तार योजना में तेरह नए स्टेशन होंगे, जिनमें दस भूमिगत और तीन एलिवेटेड होंगे। इसके साथ ही दिल्ली मेट्रो नेटवर्क चार सौ किलोमीटर की ऐतिहासिक सीमा पार कर लेगा। यह वही दिल्ली है जहां रोजाना औसतन पैंसठ लाख लोग मेट्रो से सफर करते हैं और सड़कों पर गाड़ियों का दबाव लगातार बढ़ता जा रहा है।

इस परियोजना के तहत तीन नए गलियारे विकसित किए जाएंगे। पहला गलियारा रामकृष्ण आश्रम मार्ग से इंद्रप्रस्थ तक बनेगा, जो कर्तव्य भवन जैसे अहम प्रशासनिक क्षेत्र को सीधी मेट्रो कनेक्टिविटी देगा। दूसरा गलियारा एरोसिटी से एयरपोर्ट टर्मिनल एक को

जोड़ेगा, जिससे दिल्ली हवाई अड्डे के टर्मिनल एक और तीन के बीच मेट्रो से सीधा संपर्क संभव होगा। तीसरा और सबसे रणनीतिक गलियारा तुगलकाबाद से कालिंदी कुंज तक जाएगा, जो नोएडा और गुरुग्राम के बीच एक वैकल्पिक रास्ता देगा। इन तीनों गलियारों का साझा असर यह होगा कि सड़कों पर ट्रैफिक घटेगा, निजी वाहनों पर निर्भरता कम होगी और प्रदूषण के सबसे बड़े स्रोतों में से एक पर सीधा प्रहार होगा।

अब जरा इस निर्णय को उस हकीकत के संदर्भ में देखिए, जहां हर सर्दी में दिल्ली गैस चेंबर बन जाती है। स्कूल बंद होते हैं, बुजुर्ग और बच्चे घरों में कैद हो जाते हैं और सरकारें बयानबाजी में उलझी रहती हैं। ऐसे में मेट्रो विस्तार का यह कदम किसी तात्कालिक उपाय जैसा नहीं, बल्कि दीर्घकालिक समाधान की बुनियाद है। मेट्रो का मतलब है हजारों कारें और दोपहिया वाहन सड़कों से गायब। मेट्रो का मतलब है ईंधन की बचत, धुएं में कमी और समय की बचत भी। जब तुगलकाबाद से कालिंदी कुंज तक मेट्रो पहुंचेगी तो नोएडा से गुरुग्राम जाने वाला ट्रैफिक दिल्ली की सड़कों की बजाय पटरियों पर दौड़ेगा।

यह भी याद रखना होगा कि भारत का मेट्रो नेटवर्क अब दुनिया में तीसरे स्थान पर है। 2014 में जहां केवल पांच शहरों में मेट्रो थी, आज छब्बीस शहर इससे जुड़ चुके हैं। औसत दैनिक यात्रियों की संख्या अट्ठाइस लाख से बढ़कर एक करोड़ पंद्रह लाख से अधिक हो चुकी है। यह आंकड़े सिर्फ विकास का बखान नहीं करते, बल्कि यह बताते हैं कि देश का आम नागरिक मेट्रो को अपना रहा है, उस पर भरोसा कर रहा है। दिल्ली में यह भरोसा और मजबूत होने जा रहा है।

देखा जाये तो दिल्ली का वायु प्रदूषण कोई प्राकृतिक आपदा नहीं, बल्कि वर्षों की नीतिगत शिथिलता और शहरी अव्यवस्था का नतीजा है। हर साल पराली, मौसम और पड़ोसी राज्यों पर दोष मढ़कर हाथ खड़े कर देना आसान रहा है। लेकिन सड़कों पर बढ़ती गाड़ियों, कमजोर सार्वजनिक परिवहन और बेतरतीब शहरी फैलाव पर चोट करने की हिम्मत कम ही दिखाई गई।

गणतंत्र दिवस के लिए दिल्ली को पूरी तरह से किया जा रहा तैयार

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। 26 जनवरी, 2026 को 77वें गणतंत्र दिवस समारोह से पहले, गृह मंत्रालय ने बढ़ी हुई सुरक्षा चिंताओं को देखते हुए राष्ट्रीय राजधानी में केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) की 53 अतिरिक्त कंपनियों की तैनाती को मंजूरी दे दी है।

5, 800 से अधिक सशस्त्र कर्मियों वाली ये अतिरिक्त बल मौजूदा सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए तैनात की जाएंगी, जबकि दिल्ली पुलिस कानून और व्यवस्था बनाए रखने के लिए नोडल एजेंसी बनी रहेगी। अतिरिक्त सीएपीएफ कर्मियों को कर्तव्य पथ के दो किलोमीटर के दायरे में सभी महत्वपूर्ण स्थानों पर तैनात किया जाएगा - यह लगभग 3 किलोमीटर लंबा औपचारिक मार्ग है जो रायसीना हिल पर स्थित राष्ट्रपति भवन (राष्ट्रपति का निवास) से इंडिया गेट तक जाता है, जहां हर साल 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस परेड का मुख्य आयोजन होता है। यह तैनाती वार्षिक परेड की तैयारी और समापन के दौरान पूरे क्षेत्र पर व्यापक नियंत्रण सुनिश्चित करेगी। ये बल गणतंत्र दिवस समारोह से जुड़े प्रमुख क्षेत्रों, मार्गों और स्थलों पर सुरक्षा बनाए रखने में दिल्ली पुलिस की सहायता करेंगे। इन बलों में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ), केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ), भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी), केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) और सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) के जवान शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, स्नाइपर इकाइयों सहित राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी) की टीमें शहर के रणनीतिक स्थानों, ऊंची इमारतों और अन्य संवेदनशील स्थलों पर तैनात की जाएंगी। सुरक्षा के ये कड़े उपाय भारत सरकार के उस निर्णय के बाद किए गए हैं जिसमें उसने गणतंत्र दिवस परेड में यूरोपीय संघ के शीर्ष नेतृत्व को संयुक्त रूप से मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया है। इस कदम को भारत की ओर से एक महत्वपूर्ण राजनयिक पहल के रूप में देखा जा रहा है। यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन और यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा गणतंत्र दिवस समारोह में मुख्य अतिथि होंगे।

कांग्रेस के प्रधानमंत्री पद के संभावित उम्मीदवार वाली अटकलों पर बोले शिवकुमार

प्रियंका का एकमात्र मकसद राहुल को पीएम बनाना

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी को उनके भाई राहुल गांधी के मुकाबले पार्टी का प्रधानमंत्री पद का चेहरा बनाए जाने को लेकर चल रहे राजनीतिक विवाद के बीच, कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने बुधवार को इन अटकलों को खारिज करते हुए कहा कि राहुल गांधी ही उनके और उनके पार्टी कार्यकर्ताओं के नेता होंगे। उन्होंने प्रियंका की शिक्षा और उनके भाई को भारत का प्रधानमंत्री बनाने के प्रति उनके समर्पण से जुड़ी अटकलों को भी नकार दिया। दिल्ली में मीडियाकर्मियों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि मुझे इन मुद्दों की जानकारी नहीं है। मेरे नेता एआईसीसी अध्यक्ष हैं और विपक्ष के नेता राहुल गांधी हैं। प्रियंका गांधी का एकमात्र उद्देश्य राहुल गांधी को देश का प्रधानमंत्री बनाना है।

प्रियंका गांधी के पति रॉबर्ट वाड्रा द्वारा उनके नाम का समर्थन करने के बाद कांग्रेस की ओर से प्रधानमंत्री पद के संभावित उम्मीदवार के रूप में उनकी चर्चा शुरू हो गई। वाड्रा ने कहा कि मुझे लगता है कि प्रियंका ने अपनी दादी (इंदिरा गांधी), पिता (राजीव गांधी), सोनिया जी और अपने भाई (राहुल गांधी) से बहुत कुछ सीखा है। जब वह बोलती हैं, तो दिल से बोलती हैं। मुझे लगता है कि राजनीति में उनका उज्ज्वल भविष्य है और जमीनी स्तर पर जो बदलाव जरूरी हैं, उन्हें लाने में भी उनका भविष्य उज्ज्वल है...

सीएम स्टालिन ने फिर उठाया तमिल अस्मिता का मुद्दा

'तमिलनाडु के लोग अपना सिर नहीं झुकाएंगे'

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने एक बार फिर तमिल अस्मिता का मुद्दा उठाया है और कहा है कि तमिलनाडु के लोग दबाव के आगे सिर नहीं झुकाएंगे। पेरियार ईवी रामासामी की 52वीं पुण्यतिथि पर समाज सुधारक नेता को श्रद्धांजलि देते हुए सीएम स्टालिन ने कहा कि पेरियार ने लोगों में आत्म सम्मान, तर्कसंगत सोच और समानता को बढ़ावा दिया।

'दबाव के आगे नहीं झुकेंगे तमिलनाडु के लोग'

सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में एमके स्टालिन ने लिखा, 'तमिल दबाव के आगे नहीं झुकेंगे। तर्कसंगत सोच, इंसानों से प्यार और समानता, इस

सबसे महान नस्ल का गर्व है।' सीएम ने लोगों से एकजुट होने की अपील की। डीएमके सांसद के कनिमोझी ने भी पेरियार की पुण्यतिथि पर महान समाज सुधारक को याद किया।

बार-बार तमिल अस्मिता की बात कर लोगों को एकजुट करने की कोशिश

तमिलनाडु सीएम इन दिनों अपने बयानों में अक्सर तमिल अस्मिता का मुद्दा उठा रहे हैं। माना जा रहा है कि विधानसभा चुनाव को देखते हुए रणनीति के तहत वे ऐसा कर रहे हैं। बीते दिनों भी एक कार्यक्रम में एमके स्टालिन ने कहा 'सिर्फ तमिलनाडु और तमिल भाषा की रक्षा करना ही हमारा कर्तव्य नहीं है बल्कि हमारा कर्तव्य पूरे भारत और उसकी विविधता की रक्षा करना है। पूरे भारत में, डीएमके एकमात्र राज्य-स्तरीय पार्टी है जो वैचारिक रूप से भाजपा के खिलाफ लड़ रही है। वे (बीजेपी) सिर्फ हमारे तमिलनाडु में सफल नहीं हो पाए।' मुख्यमंत्री ने कहा, 'तमिलनाडु सिर्फ प्यार को अपनाता है और अहंकार के आगे नहीं झुकेगा, बल्कि राज्य इसका विरोध करेगा।'

अरावली में कोई माइनिंग लीज नहीं दी जाएगी, विवाद के बीच केंद्र का स्पष्टीकरण, संरक्षित क्षेत्र का किया जाएगा विस्तार

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने बुधवार को राज्यों को निर्देश दिया कि वे पूरी अरावली पर्वतमाला में किसी भी प्रकार के नए खनन पट्टे देने पर पूर्ण प्रतिबंध लगाएं। यह प्रतिबंध अरावली क्षेत्र में समान रूप से लागू होगा और इसका उद्देश्य पर्वतमाला को एक सतत भूवैज्ञानिक श्रृंखला के रूप में संरक्षित करना है, साथ ही उन अवैध और अनियमित खनन गतिविधियों को समाप्त करना है जिनसे वर्षों से व्यापक पर्यावरणीय क्षति हुई है।

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के अनुसार दिल्ली से गुजरात तक फैली संपूर्ण अरावली पर्वतमाला को अवैध खनन से बचाने और संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने राज्यों को अरावली में किसी भी प्रकार के नए खनन पट्टे देने पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने के निर्देश जारी किए हैं। यह प्रतिबंध संपूर्ण अरावली भूभाग पर समान रूप से लागू होता है और इसका उद्देश्य पर्वतमाला की अखंडता को संरक्षित करना है। इन निर्देशों का उद्देश्य गुजरात से राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र तक फैली एक सतत भूवैज्ञानिक श्रृंखला के रूप में अरावली की रक्षा करना और सभी अनियमित

खनन गतिविधियों को रोकना है।

इसके अलावा, मंत्रालय ने कहा कि पर्यावरण एवं पर्यावरण संरक्षण मंत्रालय ने भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद को निर्देश दिया है कि वह पूरे अरावली क्षेत्र में उन अतिरिक्त क्षेत्रों/जोनों की पहचान करे, जहां केंद्र द्वारा पहले से ही खनन प्रतिबंधित क्षेत्रों के अतिरिक्त खनन निषिद्ध किया जाना चाहिए। यह पहचान पारिस्थितिक, भूवैज्ञानिक और भूदृश्य स्तर के विचारों पर आधारित होनी चाहिए। ICFRE को निर्देश दिया गया है कि वह पूरे अरावली क्षेत्र के लिए एक व्यापक, विज्ञान-आधारित सतत खनन प्रबंधन योजना तैयार करते समय इस कार्य को करे। यह योजना, जिसे व्यापक हितधारकों के परामर्श के लिए सार्वजनिक डोमेन में रखा जाएगा, संचयी पर्यावरणीय प्रभाव और पारिस्थितिक वहन क्षमता का आकलन करेगी, पारिस्थितिक रूप से संवेदनशील और संरक्षण की दृष्टि से महत्वपूर्ण क्षेत्रों की पहचान करेगी और बहाली एवं पुनर्वास के उपाय निर्धारित करेगी।

मंत्रालय के मुताबिक केंद्र सरकार द्वारा उठाए गए इस कदम से स्थानीय स्थलाकृति, पारिस्थितिकी और जैव विविधता को ध्यान में रखते हुए, संपूर्ण अरावली क्षेत्र में खनन से संरक्षित और प्रतिबंधित क्षेत्रों का दायरा और भी बढ़ जाएगा। केंद्र ने यह भी निर्देश दिया है कि पहले से ही परिचालन में मौजूद खदानों के लिए, संबंधित राज्य सरकारें सर्वोच्च न्यायालय के आदेश के अनुरूप सभी पर्यावरणीय सुरक्षा उपायों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करें। पर्यावरण संरक्षण और सतत खनन पद्धतियों के पालन को सुनिश्चित करने के लिए, चल रही खनन गतिविधियों को अतिरिक्त प्रतिबंधों के साथ सख्ती से विनियमित किया जाना है। भारत सरकार अरावली पारिस्थितिकी तंत्र के दीर्घकालिक संरक्षण के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है, क्योंकि यह मरुस्थलीकरण को रोकने, जैव विविधता के संरक्षण, जलभंडारों के पुनर्भरण और क्षेत्र के लिए पर्यावरणीय सेवाओं में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका को पहचानती है।

कुलदीप सिंह सेंगर की बेल पर भड़के राहुल गांधी, कहा- हम एक 'मृत समाज' बनते जा रहे हैं

नई दिल्ली। 2017 के उन्नाव बलात्कार मामले में पूर्व विधायक कुलदीप सिंह सेंगर को जमानत मिलने के बाद, लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने इस फैसले की कड़ी आलोचना करते हुए इसे निराशाजनक और शर्मनाक बताया और पीड़िता के साथ हो रहे दुर्व्यवहार पर सवाल उठाए। उन्होंने आगे दावा किया कि भारत न केवल एक मृत अर्थव्यवस्था बनता जा रहा है, बल्कि ऐसी अमानवीय घटनाओं के कारण एक मृत समाज भी बनता जा रहा है।

एक्स पर एक पोस्ट में राहुल गांधी ने लिखा, 'क्या सामूहिक बलात्कार पीड़िता के साथ ऐसा व्यवहार उचित है? क्या न्याय के लिए आवाज उठाने का साहस दिखाना उसकी 'गलती' है? उसके अपराधी (पूर्व भाजपा विधायक) को जमानत मिलना बेहद निराशाजनक और शर्मनाक है, खासकर तब जब पीड़िता को बार-बार परेशान किया जा रहा है और वह डर के साये में जी रही है।' गांधी ने चेतावनी देते हुए कहा, 'बलात्कारियों को जमानत और पीड़ितों के साथ अपराधियों जैसा व्यवहार - यह किस तरह का न्याय है?' उन्होंने कहा कि ऐसे कृत्य न्याय व्यवस्था में

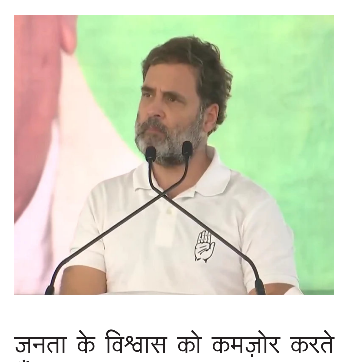

जनता के विश्वास को कमज़ोर करते हैं।

वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने आगे टिप्पणी की कि इस तरह की घटनाएं न केवल संस्थागत विफलता बल्कि गहरे नैतिक पतन का संकेत देती हैं। एक्स पर पोस्ट में लिखा था कि हम न केवल एक मृत अर्थव्यवस्था बनते जा रहे हैं, बल्कि ऐसी अमानवीय घटनाओं के कारण हम एक मृत समाज में भी तब्दील होते जा रहे हैं। लोकतंत्र में असहमति की आवाज उठाना एक अधिकार है और उसे दबाना एक अपराध है। पीड़िता को सम्मान, सुरक्षा और न्याय मिलना चाहिए - न कि बेबसी, भय और अन्याय।

पीड़िता की मां ने आरोप लगाया कि जब उन्हें और उनकी दो बेटियों को सीआरपीएफ के वाहन में ले जाया जा रहा था, तो उन्हें अचानक सड़क किनारे उतार दिया गया और सुरक्षा गार्ड उनकी बेटियों को अपने साथ ले गए। उन्होंने आगे आरोप लगाया, 'हमें न्याय नहीं मिला... वे मेरी बेटी को बंदी बनाकर ले जा रहे हैं... ये सुरक्षाकर्मी हम सबको मारना चाहते हैं। वे मेरी बेटियों को सीआरपीएफ के वाहन में ले गए... कुलदीप सेंगर की जमानत रद्द होनी चाहिए; अन्यथा हम अपनी जान दे देंगे... अन्यथा हमें मार दिया जाएगा, हम सुरक्षित नहीं हैं।'

कार्बी आंगलोंग और आंगलोंग में तनावपूर्ण स्थिति, गौरव गोगोई ने असम सरकार से किया ये आग्रह

गुवाहटी। कांग्रेस नेता गौरव गोगोई ने बुधवार को असम के कार्बी आंगलोंग और पश्चिम कार्बी आंगलोंग जिलों में तनावपूर्ण स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए राज्य सरकार से बल प्रयोग करने के बजाय संवेदनशीलता से मामले को संभालने का आग्रह किया। एक पोस्ट में उन्होंने बताया कि पुलिस की

गोलीबारी में एक प्रदर्शनकारी की मौत हो गई और प्रदर्शनकारियों और पुलिसकर्मियों समेत कई लोग घायल हो गए। गोगोई ने कहा कि स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है और पूर्वी और पश्चिमी कार्बी आंगलोंग में मोबाइल इंटरनेट सेवा बंद कर दी गई है। उन्होंने आगे कहा कि कांग्रेस पार्टी राज्य सरकार से इस मुद्दे को संवेदनशीलता से हल करने का आग्रह करती है। असम में कांग्रेस पार्टी विरोध के प्रतीक के रूप में हिंसा का विरोध करती है। हम शांति चाहते हैं और सभी से शांत रहने का आग्रह करते हैं।

उन्होंने आगे आरोप लगाया कि असम के स्वदेशी लोगों, जातीय समुदायों, जनजातियों और स्थानीय लोगों की चिंताओं को नजरअंदाज किया जा रहा है, और कहा कि 'यह स्पष्ट है कि जब तक हिमंता बिस्वा सरमा मुख्यमंत्री रहेंगे, असम के स्वदेशी लोगों, जातीय समुदायों, जनजातियों और स्थानीय लोगों की चिंताएं हमेशा गौण ही रहेंगी।

भारतीय आसमान में तीन नई एयरलाइंस की होगी एंट्री, शंख एयर, अल हिन्द एयर, फ्लाई एक्सप्रेस को मिली मंजूरी

नई दिल्ली। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने दो नई एयरलाइनों - अल हिंद एयर और फ्लाईएक्सप्रेस - को मंजूरी दे दी है, जो अगले साल उड़ान भरने के लिए तैयार हैं। दोनों एयरलाइनों को बुधवार को मंत्रालय से अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) प्राप्त हो गया। इन दो एयरलाइनों के अलावा, उत्तर प्रदेश स्थित शंख एयर भी 2026 में उड़ान संचालन शुरू करने की संभावना है। शंख एयर को पहले ही अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) मिल चुका है।

नागरिक उड्डयन मंत्री के. राममोहन नायडू ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि पिछले एक सप्ताह में, भारतीय आसमान में उड़ान भरने की इच्छुक नई एयरलाइनों - शंख एयर, अल हिंद एयर और फ्लाईएक्सप्रेस - की टीमों से मिलकर मुझे खुशी हुई। शंख एयर को मंत्रालय से पहले ही एनओसी मिल चुकी है, जबकि अल हिंद एयर और फ्लाईएक्सप्रेस को इस सप्ताह अपनी

एनओसी प्राप्त हुई हैं। यह कदम ऐसे समय उठाया गया है जब मंत्रालय देश में एयरलाइन ऑपरेटरों की संख्या बढ़ाने की कोशिश कर रहा है।

एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते घरेलू नागरिक उड्डयन बाजारों में से एक है। वर्तमान में, इंडिगो और एयर इंडिया समूह (जिसमें एयर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस एयरलाइन शामिल हैं) मिलकर घरेलू नागरिक उड्डयन बाजार के 90 प्रतिशत से अधिक हिस्से पर कब्जा रखते हैं। रिपोर्ट के अनुसार, भारत में फिलहाल नौ घरेलू एयरलाइनें कार्यरत हैं, जिनमें से क्षेत्रीय एयरलाइन फ्लाई बिग ने अक्टूबर में अपनी निर्धारित उड़ानें निलंबित कर दी थीं।

ये दोनों नई एयरलाइनें क्षेत्रीय संपर्क को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। अल हिंद एयर को केरल स्थित अल हिंद समूह द्वारा प्रमोट किया जा रहा है। एयरलाइन की वेबसाइट के अनुसार, अल हिंद एयर एक क्षेत्रीय यात्री एयरलाइन के रूप में अपनी शुरुआत करेगी।

अमित शाह का ऐलान, भारत टैक्सी शुरू करेगी सरकार

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने बुधवार को कहा कि सरकार जल्द ही 'भारत टैक्सी' सेवा शुरू करेगी, जिसके तहत लाभ का कुछ हिस्सा चालकों के साथ साझा किया जाएगा। पंचकुला में सहकारी सम्मेलन को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि इस पहल का उद्देश्य ग्राहकों की सुविधा में सुधार के साथ-साथ चालकों की आय में वृद्धि करना है। अमित शाह ने कहा कि सहकारिता मंत्रालय की पहल के माध्यम से, हम जल्द ही 'भारत टैक्सी' शुरू करेंगे, जिसका पूरा लाभ चालक भाइयों को मिलेगा। इससे ग्राहकों की सुविधा बढ़ेगी और चालकों का लाभ भी बढ़ेगा। केंद्रीय मंत्री ने हरियाणा के राष्ट्र-उन्मुख योगदान पर प्रकाश डालते हुए कहा कि राज्य ने खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने, दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा देने और खेल जगत में उत्कृष्टता हासिल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि हरियाणा ने देश की खाद्य सुरक्षा और खेल उपलब्धियों में निरंतर योगदान दिया है, और राज्य के किसानों ने कई मोर्चों पर देश को गौरवान्वित किया है। शाह ने कहा कि हरियाणा ने हमेशा देश की खाद्य सुरक्षा और दुग्ध उत्पादन में योगदान दिया है और खेल के क्षेत्र में देश को कई पदक दिलाए हैं। चाहे कोई भी मोर्चा हो, हर मोर्चे पर हरियाणा के किसानों ने गर्व से भारत का तिरंगा फहराया है।

शाह ने खाद्यान्न उत्पादन में भारत को आत्मनिर्भर बनाने और वैश्विक पहचान हासिल करने के लिए हरियाणा और पंजाब दोनों की सराहना की। राष्ट्रीय सुरक्षा में हरियाणा की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए शाह ने कहा कि छोटा राज्य होने के बावजूद, यह केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों और तीनों सशस्त्र बलों में प्रति व्यक्ति सैनिकों की सबसे अधिक संख्या का योगदान देता है।

शिवसेना ने की बीएमसी 2026 चुनाव के लिए 40 स्टार प्रचारकों की सूची जारी, गोविंदा का भी नाम शामिल

दिव्यांश
मुंबई(संवाददाता)

बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) चुनावों से पहले राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं, पार्टियां तैयारियों और प्रचार

रणनीतियों को गति दे रही हैं। इसी बीच, महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना ने नगर निगम चुनावों के लिए अपने 40 प्रमुख प्रचारकों की सूची जारी की है। इस सूची में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं और जाने-माने चेहरों का मिश्रण है, जिससे प्रचार में ग्लैमर का तड़का लग गया है। बॉलीवुड अभिनेता और पूर्व सांसद गोविंदा आहूजा को भी पार्टी के प्रमुख प्रचारकों में शामिल किया गया है।

बीएमसी चुनाव

बीएमसी समेत 29 नगर निगमों के लिए महत्वपूर्ण चुनावों के लिए मतदान 15 जनवरी को होगा। वोटों की गिनती 16 जनवरी को होगी। यह दो चरणों में हुए नगर परिषद और नगर पंचायत चुनावों के बाद आया है, जिनके परिणाम रविवार को घोषित किए गए। इन चुनावों में सत्तारूढ़ महायुति पार्टी ने शानदार जीत हासिल की, जिसमें भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), एकनाथ शिंदे की शिवसेना और अजीत पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) शामिल हैं।

प्रमुख प्रचारकों की सूची

एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री
श्रीकांत एकनाथ शिंदे, सांसद और शिवसेना संसदीय दल के नेता
रामदास कदम, नेता
गजानन कीर्तिकर, नेता
आनंदराव अडसुल, नेता
प्रतापराव जाधव, केंद्रीय मंत्री
नीलमताई गोरे, नेता
मीनाताई कुंबले, नेता
गुलाबराव पाटिल, नेता और मंत्री
दादा भूसे, उपनेता और मंत्री
उदय सामंत, उपनेता और मंत्री
शंभूराज देसाई, उपनेता और मंत्री
संजय शिरसात, प्रवक्ता और मंत्री
भरत गोगावले, उपनेता और मंत्री
प्रकाश अबितकर, मंत्री
प्रताप सरनाइक, मंत्री
आशीष जायसवाल, राज्य मंत्री
योगेश कदम, राज्य मंत्री
दीपक केसकर, प्रवक्ता और विधायक
श्रृंग बराने, उपनेता और सांसद
पेशेंस मीन्स, सांसद
संदीपन भूमरे, सांसद
नरेश मस्के, सांसद
रवींद्र वायकर, सांसद
मिलिंद देवरा, सांसद
डॉ. दीपक सावंत, उपनेता और पूर्व मंत्री
शाहजी बापू पाटिल, उपनेता और पूर्व विधायक
राहुल शेवाले, उपनेता और पूर्व सांसद
डॉ. मनीषा कायंदे, सचिव और विधायक
मिलिंद राणे, विधायक
संजय निरुपम, प्रवक्ता
राजू वाघमारे, प्रवक्ता
डॉ. ज्योति वाघमारे, प्रवक्ता
पुरेश सरनाइक, युवा सेना के कार्यकारी अध्यक्ष
राहुल लोंढे, युवा सेना के सचिव
अक्षय महाराज भोसले, शिवसेना प्रवक्ता और धर्मवीर आध्यात्मिक सेना के अध्यक्ष
समीर काजी, अल्पसंख्यक विभाग के कार्यकारी प्रमुख
शायना एनसी, राष्ट्रीय प्रवक्ता
गोविंदा आहूजा, पूर्व सांसद

जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी नारायणानन्द तीर्थ जी के दिव्य सान्निध्य में कांदिवली (पूर्व) में श्रीमद् भागवत ज्ञानयज्ञ का अलौकिक शुभारंभ

मुंबई। सनातन धर्म की अक्षुण्ण परंपरा, भक्ति, ज्ञान और वैराग्य के दिव्य संगम का साक्षी बना कांदिवली (पूर्व), जहाँ नारायण सेवा समिति के तत्वावधान में आयोजित श्रीमद् भागवत ज्ञानयज्ञ सप्ताह का आज अत्यंत पावन, दिव्य एवं भक्तिमय वातावरण में शुभारंभ हुआ। अनन्त श्री विभूषित काशी धर्म पीठाधीश्वर, जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी नारायणानन्द तीर्थ जी महाराज के कर-कमलों से यह पुण्य आयोजन प्रारंभ होकर सम्पूर्ण क्षेत्र को आध्यात्मिक चेतना से आलोकित कर गया।

प्रथम दिवस के पावन अवसर पर कांदिवली स्थित श्री विश्वकर्मा मंदिर से कथा स्थल डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मैदान, लोखंडवाला कॉम्प्लेक्स तक एक भव्य एवं दिव्य कलश शोभायात्रा निकाली गई। इस शोभायात्रा में श्रद्धा और आस्था का अनुपम दृश्य देखने को मिला। सैकड़ों मातृशक्तियाँ पीत वस्त्र धारण कर, सिर पर पवित्र कलश लेकर, भक्ति भाव से परिपूर्ण होकर लगभग चार किलोमीटर की पदयात्रा करती हुई यज्ञ स्थल तक पहुँचीं।

पूरे मार्ग में 'हरि-हरि', 'जय श्रीकृष्ण' और 'नारायण-नारायण' के गगनभेदी उद्घोष, संकीर्तन और भजनों से वातावरण पूर्णतः वैकुण्ठमय प्रतीत हुआ। ऐसा प्रतीत हो रहा था मानो स्वयं देवगण इस शोभायात्रा के साक्षी बनकर पृथ्वी पर अवतरित हो गए हों।

यज्ञ स्थल पर पहुँचकर श्रद्धालुओं ने जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी नारायणानन्द तीर्थ जी महाराज के दिव्य एवं अमृतमय प्रवचनों का श्रवण किया। प्रथम दिवस के अपने आध्यात्मिक उद्बोधन में स्वामी जी ने कहा– 'सनातन धर्म केवल एक पंथ नहीं, अपितु सम्पूर्ण सृष्टि का शाश्वत विधान है। सनातन धर्म के बिना मानव जीवन दिशाहीन है। यही धर्म सत्य, करुणा, सेवा और आत्मकल्याण का मूल स्रोत है।'

स्वामी जी ने कहा कि श्रीमद् भागवत महापुराण केवल एक ग्रंथ नहीं, बल्कि जीव को ईश्वर से जोड़ने वाली दिव्य सेतु है। भागवत कथा मनुष्य को मोह, माया और अहंकार से मुक्त कर भक्ति, ज्ञान और मोक्ष के पथ पर अग्रसर करती है।

प्रथम दिवस के आयोजन में क्षेत्र के असंख्य धर्मप्रेमी नागरिक, संतगण, समाजसेवी, मातृशक्ति एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे। संपूर्ण कथा पंडाल में अनुशासन, शांति, भक्ति और आध्यात्मिक ऊर्जा का अद्भुत अनुभव हुआ।

आयोजकों ने समस्त श्रद्धालुओं से विनम्र अनुरोध किया है कि वे 24 दिसंबर 2025 से 01 जनवरी 2026 तक प्रतिदिन सायं 3.00 बजे से 6.00 बजे तक आयोजित होने वाली श्रीमद् भागवत कथा में सपरिवार सहभागिता कर अपने जीवन को धर्म, भक्ति और ज्ञान से आलोकित करें।

उक्त जानकारी काशी धर्म पीठ के प्रवक्ता प्रो. दयानंद तिवारी ने प्रेस को प्रदान की।

प्रो. दयानंद तिवारी
प्रवक्ता, काशी धर्म पीठ
मोबाइल : 9987123330

आम आदमी के लिए लड़ने वाली सेंसिटिव लीडरशिप चली गई - डिप्टी चीफ मिनिस्टर अजीत पवार

डिप्टी चीफ मिनिस्टर अजीत पवार की पूर्व मिनिस्टर सुरूपासिंह नाइक को इमोशनल श्रद्धांजलि

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई।पूर्व मिनिस्टर और सीनियर लीडर सुरूपासिंह नाइक के निधन से महाराष्ट्र के पॉलिटिकल सेक्टर में एक अनुभवी, लोगों को ध्यान में रखने वाली, सेंसिटिव और गाइड करने वाली लीडरशिप के जाने पर दुख जताते हुए, डिप्टी चीफ मिनिस्टर अजीत पवार ने उन्हें इमोशनल श्रद्धांजलि दी।

अपने शोक संदेश में, डिप्टी चीफ मिनिस्टर अजीत पवार ने कहा कि पूर्व मिनिस्टर सुरूपासिंह नाइक एक जुझारू लीडर थे जो लगातार ट्राइबल कम्युनिटी के हक के लिए लड़ते रहे। उन्होंने अपने लंबे पॉलिटिकल करियर में अलग-अलग डिपार्टमेंट का चार्ज बहुत अच्छे से संभाला। उन्होंने ट्राइबल डेवलपमेंट, रूरल इंफ्रास्ट्रक्चर, एजुकेशन और एग्रीकल्चर के फील्ड में अहम योगदान दिया। उन्होंने किसानों, मजदूरों और पिछड़े लोगों की भलाई के लिए बिना थके काम किया। नंदुरबार जिले समेत नॉर्थ महाराष्ट्र में ट्राइबल कम्युनिटी के ओवरऑल डेवलपमेंट में उनका योगदान बहुत कीमती रहा है। अपनी सिंपल लाइफस्टाइल और लोगों से करीबी

जुड़ाव की वजह से उन्हें 'पीपल्स MLA' के नाम से जाना जाता था। महाराष्ट्र के राजनीतिक क्षेत्र में एक अनुभवी, लोगों से जुड़े और संवेदनशील नेता के जाने से एक युग का अंत हो गया है। आदिवासी, ग्रामीण और वंचित वर्गों के उत्थान के लिए उनके काम को हमेशा याद रखा जाएगा, उपमुख्यमंत्री अजीत पवार ने भी प्रार्थना की कि नाइक परिवार और कार्यकर्ताओं को इस दुख से उबरने की शक्ति मिले।

वडोदरा स्टेशन पर इंजीनियरिंग कार्य हेतु ब्लॉक के कारण कुछ ट्रेनें प्रभावित रहेगी

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

पश्चिम रेलवे के वडोदरा स्टेशन पर लाइन नं 3 पर इंजीनियरिंग कार्य हेतु 24 दिसंबर 2025 से 17 जनवरी 2025 तक ब्लॉक लिया गया है। जिसके कारण कुछ ट्रेनें प्रभावित होगी। प्रभावित ट्रेनों का विवरण निम्नानुसार हैः-

शॉर्ट टर्मिनेट होने वाली ट्रेनें

1.ट्रेन संख्या 69108 अहमदाबाद-वडोदरा मेमू दिनांक 24.12.2025 से 17.01.2026 तक बाजवा स्टेशन पर शॉर्ट टर्मिनेट होगी तथा यह ट्रेन बाजवा-वडोदरा के बीच आंशिक निरस्त रहेगी।

2.ट्रेन संख्या 69102 अहमदाबाद-वडोदरा मेमू दिनांक 24.12.2025 से 17.01.2026 तक बाजवा स्टेशन पर शॉर्ट टर्मिनेट होगी तथा यह ट्रेन बाजवा-वडोदरा के बीच आंशिक निरस्त रहेगी।

3.ट्रेन संख्या 19036 अहमदाबाद-वडोदरा इंटरसिटी एक्सप्रेस दिनांक 24.12.2025 से 17.01.2026 तक बाजवा स्टेशन पर शॉर्ट टर्मिनेट होगी तथा यह ट्रेन बाजवा-वडोदरा के बीच आंशिक निरस्त रहेगी। 4. ट्रेन संख्या 12929 वलसाड -वडोदरा इंटरसिटी दिनांक 24.12.2025 से 17.01.2026 तक विश्वामित्री स्टेशन पर शॉर्ट टर्मिनेट होगी तथा यह ट्रेन विश्वामित्री -वडोदरा के बीच आंशिक निरस्त रहेगी। 5. ट्रेन

संख्या 69120 दाहोद -वडोदरा मेमू दिनांक 24.12.2025 से 17.01.2026 तक छायापुरी स्टेशन पर शॉर्ट टर्मिनेट होगी तथा यह ट्रेन छायापुरी-वडोदरा के बीच आंशिक निरस्त रहेगी।

6. ट्रेन संख्या 69118 गोधरा -वडोदरा मेमू दिनांक 24.12.2025 से 17.01.2026 तक छायापुरी स्टेशन पर शॉर्ट टर्मिनेट होगी तथा यह ट्रेन छायापुरी-वडोदरा के बीच आंशिक निरस्त रहेगी।

शॉर्ट ओरिजिनेट (प्रारम्भ) होने वाली ट्रेनें

1. ट्रेन संख्या 69107 वडोदरा-अहमदाबाद मेमू दिनांक 24.12.2025 से 17.01.2026 तक बाजवा स्टेशन से शॉर्ट ओरिजिनेट होगी तथा वडोदरा-बाजवा के बीच आंशिक निरस्त रहेगी। 2. ट्रेन संख्या 19035 वडोदरा-अहमदाबाद इंटरसिटी एक्सप्रेस दिनांक 24.12.2025 से 17.01.2026 तक बाजवा स्टेशन से शॉर्ट ओरिजिनेट होगी तथा वडोदरा-बाजवा के बीच आंशिक निरस्त रहेगी।

3. ट्रेन संख्या 69119 वडोदरा -दाहोद मेमू दिनांक 24.12.2025 से 17.01.2026 तक छायापुरी स्टेशन से शॉर्ट ओरिजिनेट होगी तथा वडोदरा-छायापुरी के बीच आंशिक निरस्त रहेगी। यात्रियों से अनुरोध है कि उपरोक्त बदलाव को ध्यान में रखकर यात्रा करे।ट्रेनों के ठहराव, समय और संरचना के संबंध में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

राजनीति नहीं, क्रांति! वार्ड 39 में मुक्ता पंकज शुक्ला की एंट्री से हिले सियासी समीकरण

मुंबई । कांदिवली पूर्व मुंबई बीएमसी नगरसेवक चुनाव में कांदिवली पूर्व का वार्ड नंबर 39 अब सिर्फ एक चुनावी सीट नहीं, बल्कि जनआक्रोश और बदलाव की क्रांति का केंद्र बन चुका है। इस क्रांति की अगुवाई कर रही हैं नगरसेवक प्रत्याशी एडवोकेट मुक्ता पंकज शुक्ला, जिनकी एंट्री ने इलाके के सियासी समीकरण पूरी तरह हिला दिए हैं। डोर-टू-डोर जनसंपर्क, बेबाक सवाल और ज़मीनी मुद्दों पर सीधा वार करते हुए मुक्ता पंकज शुक्ला ने वर्षों से जमी राजनीतिक जड़ता को चुनौती दे दी है। गंदगी, टूटी सड़कें, पानी की समस्या, महिला सुरक्षा और प्रशासनिक अनदेखी जैसे मुद्दों पर उन्होंने खुलकर मोर्चा खोल दिया है।

स्थानीय नागरिकों का साफ कहना है – 'अब भाषण नहीं, समाधान चाहिए।' और इसी सोच के साथ वार्ड 39 की जनता तेजी से मुक्ता पंकज शुक्ला के साथ खड़ी होती दिख रही है। मुक्ता पंकज शुक्ला ने दो टूक शब्दों में कहा, 'यह चुनाव कुर्सी का नहीं, अधिकारों का है। वार्ड 39 को अब उसका हक मिलेगा।' राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि मुक्ता पंकज शुक्ला की बढ़ती लोकप्रियता ने पुराने दिग्गजों की रणनीति बिगाड़ दी है, और

यह सीट अब हाई-वोल्टेज मुकाबले से निकलकर एकतरफा बदलाव की ओर बढ़ रही है। वार्ड 39 का संदेश साफ – अब राजनीति नहीं, क्रांति चाहिए! बीएमसी चुनाव की इस सबसे चर्चित सीट पर एक बात तय मानी जा रही है –मुक्ता पंकज शुक्ला अब सिर्फ प्रत्याशी नहीं, बदलाव का नाम बन चुकी हैं।

नांदेड़ में एनसीपी नेता का दिनदहाड़े अपहरण, विधायक प्रतापराव पर लगा साजिश का आरोप

नांदेड़। महाराष्ट्र के नांदेड़ जिले में एक वरिष्ठ एनसीपी नेता के अपहरण और उनके साथ मारपीट का गंभीर मामला सामने आया है। इस घटना का मुख्य कारण 2 करोड़ रुपये का वित्तीय विवाद बताया जा रहा है। पुलिस ने इस मामले में कार्रवाई करते हुए अब तक सात आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

दिनदहाड़े एनसीपी नेता हमला

मामले में पीड़ित की पहचान जीवन घोगरे के रूप में हुई है। वो नांदेड़ नगर निगम में विपक्ष के पूर्व नेता रह चुके हैं। पुलिस के अनुसार, घटना सोमवार दोपहर की है जब घोगरे अपनी इनोवा कार से ज्ञानेश्वर नगर इलाके से गुजर रहे थे। तभी एक स्कॉर्पियो में सवार हमलावरों ने उन्हें रोका, उनकी गाड़ी पर पथराव किया और उन्हें जबरन अपनी एसयूवी में खींचकर ले गए।

बंदूक की नोक पर बोलवाया झूठ

घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने तलाशी अभियान शुरू किया। हालांकि, घोगरे ने पुलिस से संपर्क किया और दावा किया कि उनका अपहरण नहीं हुआ था, बल्कि वह स्वेच्छा से व्यापार के सिलसिले में गए थे। गड़बड़ी

की आशंका होने पर पुलिस ने तलाशी जारी रखी। बाद में घोगरे घायल अवस्था में मिले। उन्होंने पुलिस को बताया कि अपहरणकर्ताओं ने बंदूक की नोक पर उनसे यह झूठा दावा करवाया था कि वह सुरक्षित हैं।

पीड़ित नेता ने विधायक पर लगाया आरोप

जीवन घोगरे ने इस पूरे हमले की साजिश का आरोप लोहा विधानसभा सीट से अजीत पवार के नेतृत्व वाली (एनसीपी) के विधायक प्रतापराव चिखलीकर पर लगाया है। घोगरे का दावा है कि लंबे समय से चले आ रहे वित्तीय लेन-देन और राजनीतिक रंजिश के कारण उन पर हमला कराया गया है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि उन्हें और उनके परिवार को इन नेता से जान से मारने की धमकियां मिल रही थीं।

विधायक चिखलीकर की सफाई

मामले में इन आरोपों को खारिज करते हुए विधायक प्रतापराव चिखलीकर ने इसे एक 'राजनीतिक साजिश' करार दिया है। उन्होंने कहा 'मेरा इस घटना से कोई लेना-देना नहीं है। मैं पिछले तीन दिनों से चुनाव ड्यूटी और मतगणना कार्यों में व्यस्त था और फिलहाल मालेगांव मेले में हूं। मुझे इस बारे में मीडिया के जरिए पता चला। मुझे पूरा भरोसा है कि पुलिस जांच से सच्चाई सामने आएगी।'

सात आरोपी गिरफ्तार

एक अधिकारी ने बताया कि घोगरे के अपहरण और मारपीट के सिलसिले में सात लोगों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान शुभम सुनेवाड़, राहुल दासरवाड़, कौस्तुभ रणवीर, विवेक सूर्यवंशी, माधव वाघमारे, मोहम्मद अफरोज और देवानंद भोले के रूप में हुई है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है और यह भी पता लगाने का प्रयास कर रही है कि गिरफ्तार आरोपियों का विधायक से कोई संबंध है या नहीं।

कैंपेन खत्म होने के बाद सभी मीडिया में चुनावी विज्ञापन बैन- स्टेट इलेक्शन कमिश्नर

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई।स्टेट इलेक्शन कमिश्नर दिनेश वाघमारे ने बताया कि म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के आम चुनावों के लिए कैंपेन का समय 13 जनवरी, 2026 को शाम 5.30 बजे खत्म हो जाएगा, इसलिए इलेक्ट्रॉनिक और प्रिंट मीडिया समेत किसी भी दूसरे मीडिया में कोई भी चुनावी विज्ञापन पब्लिश या ब्रॉडकास्ट नहीं किया जाएगा।

म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन चुनावों को लेकर स्टेट इलेक्शन कमीशन द्वारा रजिस्टर्ड और मान्यता प्राप्त पॉलिटिकल पार्टियों के प्रतिनिधियों की एक मीटिंग हुई। वे उस समय बोल रहे थे। इस मौके पर कमीशन के सेक्रेटरी सुरेश काकानी, अलग-अलग पॉलिटिकल पार्टियों के प्रतिनिधि और अधिकारी मौजूद थे। श्री वाघमारे ने कहा कि म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन चुनावों के लिए वोटिंग 15 जनवरी, 2026 को सुबह 7.30 बजे से शाम 5.30 बजे तक होगी। संबंधित एक्ट के प्रोविज़न के अनुसार, पब्लिक कैंपेन का समय पोलिंग खत्म होने से 48 घंटे पहले यानी 13 जनवरी 2026 को शाम 5.30 बजे खत्म हो जाएगा। उसके बाद, मीडिया के ज़रिए कोई भी ऐड पब्लिश या ब्रॉडकास्ट नहीं किया जा सकता है। इसलिए, पब्लिक कैंपेन खत्म होने के बाद प्रिंट मीडिया ऐड के लिए पहले से सर्टिफ़िकेशन या परमिशन का सवाल ही नहीं उठता। इस बारे में डिटेल्स स्टेट इलेक्शन कमीशन के 'मीडिया कंट्रोल एंड एडवरटाइज़मेंट सर्टिफ़िकेशन ऑर्डर फ़ॉर द पर्पस ऑफ़ इलेक्शन, 2025' में 9 अक्टूबर 2025 को मेंशन हैं।

श्री काकानी ने इस मौके पर एक डिटेल्ड प्रेज़ेंटेशन दी। उन्होंने कहा कि जो कैंडिडेट चुनाव लड़ना चाहता है, उसका नाम संबंधित म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के इलेक्टोरल रोल में होना चाहिए; लेकिन नॉमिनेटर और एंडोर्सर का नाम उसी वार्ड में होना चाहिए जहाँ से कैंडिडेट चुनाव लड़ रहा है। एक पार्टी कैंडिडेट और एक इंडिपेंडेंट कैंडिडेट को भी एक-एक नॉमिनेटर और एक एंडोर्सर की ज़रूरत होती है। एक कैंडिडेट एक से ज़्यादा वार्ड में नॉमिनेशन पेपर फ़ाइल कर सकता है; हालाँकि, एक कैंडिडेट एक वार्ड में सिर्फ़ एक सीट के लिए चुनाव लड़ सकता है और एक सीट के लिए ज़्यादा से ज़्यादा चार नॉमिनेशन पेपर फ़ाइल किए जा सकते हैं।

राज्य में पैदा होने वाले अनार और दूसरे फल इंटरनेशनल मार्केट में जगह बनाने की कोशिश कर रहे हैं - जयकुमार रावल

दिव्यांश
मुंबई(संवाददाता)

मुंबई।राज्य के किसान एक्सपोर्ट करने लायक फल और सब्जियां उगाते हैं। मार्केटिंग मंत्री जयकुमार रावल ने कहा कि सरकार इन प्रोडक्ट्स के लिए इंटरनेशनल मार्केट दिलाने की कोशिश कर रही है ताकि उन्हें अच्छे दाम मिल सकें।

हाल ही में, राज्य में पैदा हुए अनार के तीन कंटेनर वाशी की फैसिलिटी से KB एक्सपोर्ट्स के चेयरमैन प्रकाश खाखर ने ब्रिस्बेन (ऑस्ट्रेलिया), न्यूयॉर्क, लॉस एंजिल्स को एक्सपोर्ट किए। इस मौके पर मार्केटिंग मंत्री रावल ने प्रकाश खाखर को बधाई दी। वे उस समय बोल रहे थे।

ग्लोबल मार्केट में भारतीय अनार की डिमांड लगातार बढ़ रही है। राज्य में पैदा होने वाले अनार अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया समेत दूसरे देशों में एक्सपोर्ट

किए जा रहे हैं। मार्केटिंग डिपार्टमेंट दूसरे फलों को भी धीरे-धीरे एक्सपोर्ट करने की कोशिश कर रहा है। इससे फल और सब्जी किसानों की मेहनत को ग्लोबल मार्केट में अच्छा दाम मिलेगा। अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और दूसरे देशों में कंटेनरों का जाना राज्य के एग्रीकल्चर एक्सपोर्ट और किसानों की इनकम बढ़ाने के लिए एक बहुत ही महत्वपूर्ण कदम है। मार्केटिंग मंत्री जयकुमार रावल ने कहा कि आने वाले दिनों में एक्सपोर्ट फैसिलिटेशन सेंटर से बड़ी मात्रा में अनार एक्सपोर्ट किए जाएंगे।

दो दिनों में 1608 नामांकन पत्र बांटे गए - एक भी आवेदन दाखिल नहीं हुआ

नवी मुंबई नगर निगम आम चुनाव 2025-26 के लिए उम्मीदवारों को नामांकन पत्र जारी करने और स्वीकार करने की प्रक्रिया 23 दिसंबर, 2025 से शुरू हो गई है। यह प्रक्रिया गुरुवार, 25 दिसंबर और रविवार, 28 दिसंबर की सार्वजनिक छुट्टियों को छोड़कर, 29 दिसंबर को दोपहर 3 बजे तक और 30 दिसंबर को दोपहर 2 बजे तक जारी रहेगी। चुनावों को देखते हुए, उम्मीदवारों के लिए ज़रूरी नामांकन पत्रों और हलफनामों के अपडेटेड सैंपल उपलब्ध करा दिए गए हैं। उम्मीदवारों को चुनाव प्रक्रिया के बारे में पूरी जानकारी देने के लिए, उम्मीदवारों के लिए एक खास जानकारी पुस्तिका तैयार की गई है और इसे सभी चुनाव निर्णय अधिकारियों को उपलब्ध कराया गया है। इस जानकारी पुस्तिका में नामांकन पत्र और हलफनामे जैसे विभिन्न जानकारी और सैंपल और उम्मीदवारी वापस लेने के आवेदन, चुनाव प्रतिनिधियों और मतदान प्रतिनिधियों की नियुक्ति के सैंपल, मतपत्र पर नाम छापने का सैंपल, पार्टी उम्मीदवार द्वारा जमा किए जाने वाले एनेक्सर 1 और एनेक्सर 2 के सैंपल जैसी अन्य जानकारी शामिल हैं।इसी तरह, इस पुस्तिका में आचार संहिता के संबंध में समेकित आदेश, पात्रता-अयोग्यता पर निर्देश, वार्ड-वार आरक्षण, रिटर्निंग ऑफिसर का कार्यालय पता और आवंटित वार्ड, मीडिया नियंत्रण और विज्ञापन प्रमाणन आदेश जैसे विभिन्न आदेश शामिल हैं। उम्मीदवारों के लिए यह जानकारी पुस्तिका रिटर्निंग ऑफिसर के कार्यालय से 100/- रुपये में उपलब्ध है।

23 दिसंबर को, आठ रिटर्निंग अधिकारियों के कार्यालयों से 1005 नामांकन पत्र बांटे गए और आज, 24 दिसंबर, 2025 को 603 नामांकन पत्र प्राप्त हुए हैं।

पश्चिम रेलवे

निर्माण कार्य

डिप्टी चीफ इंजीनियर (कंस्ट्रक्शन), वेस्टर्न रेलवे, मुंबई-400 020, ई-टेंडर नोटिस नंबरः Dy.CE(C)CCG/353 आमंत्रित करते हैं।
काम का नामः वसई रोड स्टेशनों पर, प्लेटफॉर्म रिटर्न ट्रेनों के नए कोचिंग टर्मिनस के वसई रोड डेवलपमेंट के संबंध में कवरशेड के साथ आइलैंड प्लेटफॉर्म का निर्माण, नई सर्विस बिल्डिंग, ट्रैक वर्क के साथ CC एप्रन, सामान्य इलेक्ट्रिकल काम और अन्य विविध काम। NIT वैल्यूः 93,60,19,612.84.**EMD:** 48,30,100/-. **ई-बिड बंद होने की तारीखः** 14.01.2026 तक, 15:00 बजे। **ई-बिड खुलने की तारीखः** 14.01.2026 को 15:30 बजे। अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर जाएं। **0924**

हमें फॉलो करें facebook.com/WesternRly

मध्य रेल
सोलापुर मंडल
इंजिनिअरिंग कार्य

मध्य रेल कार्यालय मंडल रेल प्रबंधक (कार्य) सोलापुर भारत के राष्ट्रपति के लिये और उनकी और से दिनांक को बजे तक निम्नलिखित कार्यों के लिये ई निविदा आमंत्रित करते है। **कार्य का नाम:** CTR(P)/ TSR(P)-47.0 Km by contractual PQRS machine and TBR-64.8 Km in KWV-Wadi section in Solapur division. **अनुमानित लागत रु.** 222306541.13/-, **बयाना रक्कम: रु.** 261500.00/-, **समापन की अवधी:** 12 (Twelve) months, **अनुरक्षण की अवधी:** NIL, **ई निविदा फार्म की किमत:** NIL, **वेबसाइट पर ई निविदा फार्म जमा करने की अंतिम तरिख और समय:** 09/01/2025 15:00 hrs., **वेबसाइट पर ई निविदा खोलने की तारिख और समय:** 09/01/2025 after 15.30 hrs., **वेबसाइट विवरण www.ireps.gov.in. Note:** संभावित निविदाकारों को सलाह दी जाती है कि वे इस निविदा वेबसाइट के लिए जारी किए गए किसी भी बदलाव/शुद्धिपत्र को नोट करने के लिए निविदा बंद होने की तारीख से पहले वेबसाइट पर बार–बार जाएं। **www.ireps.gov.in**

म.रे.प्र. (का), सोलापुर 73

अपने जानवरों को रेल लाइन से दूर रखे

ठाकरे बंधुओं के गठबंधन पर सीएम फडणवीस का तंज

'ऐसे दिखा रहे हैं जैसे पुतिन-जेलेंस्की साथ आ गए'

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई। ठाकरे बंधु बीएमसी चुनाव के लिए साथ आए हैं। बुधवार को संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस कर उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे ने शिवसेना यूबीटी और मनसे के गठबंधन का एलान किया। हालांकि सीएम फडणवीस के एक बयान से लग रहा है कि भाजपा ने ठाकरे बंधुओं के इस गठबंधन को कोई तवज्जो नहीं दी है। सीएम फडणवीस ने कहा, 'शिवसेना यूबीटी और मनसे के गठबंधन को ऐसे प्रचारित किया जा रहा है, जैसे रूस और यूक्रेन साथ आ गए हों और जेलेंस्की और पुतिन बातचीत कर रहे हों।'

'दोनों भाईयों की कोई विचारधारा नहीं बची'

मुख्यमंत्री ने शिवसेना यूबीटी और मनसे पर निशाना साधते हुए कहा, 'दोनों पार्टियां अस्तित्व के संकट से जूझ रही हैं, इन पार्टियों ने बार-बार अपनी भूमिकाएं बदलकर लोगों के बीच अविश्वास पैदा किया है, इन्होंने तुष्टिकरण की राजनीति कर अपना वोटबैंक खो दिया है। इनके साथ आने से कौन सा फर्क पड़ने वाला है। अगर ये अपना अस्तित्व बचाने के लिए साथ आ रही हैं तो ये चुनाव नहीं जीत सकते। दोनों भाईयों की अब कोई विचारधारा नहीं बची है, ये सिर्फ अवसरवादिता

की राजनीति कर रहे हैं।'

महाराष्ट्र सरकार के मंत्री और भाजपा नेता चंद्रशेखर बावनकुले ने ठाकरे बंधुओं के गठबंधन पर कहा, 'वे अपनी जमीन खो चुके हैं। उद्धव ठाकरे की पार्टी निकाय चुनाव में 228 सीटों से आठ सीटों पर सिमट गई है। ऐसा ही मुंबई में होगा। यही वजह है कि वे साथ आ रहे हैं। हम उन्हें साथ आने के लिए शुभकामनाएं देते हैं। मुंबई के लोग विकास के लिए वोट करेंगे। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने विकसित मुंबई का संकल्प लिया है मुंबई को अंतरराष्ट्रीय शहर की तर्ज पर विकसित किया जाएगा। हमारा घोषणा पत्र हमें जीत दिलाएगा। दोनों भाई साथ आ रहे हैं, सिर्फ इसलिए उन्हें सहानुभूति वोट नहीं मिलेंगे। उनके पास सभी सीटों पर उम्मीदवार भी नहीं हैं और न ही कार्यकर्ता हैं।'

एकनाथ शिंदे ने ठाकरे चचेरे भाइयों पर साधा निशाना

वहीं महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने बुधवार को आरोप लगाया कि उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे केवल सत्ता पाने के लिए एक साथ आए हैं और मुंबई के विकास के लिए उनका कोई एजेंडा नहीं है। उन्होंने कहा कि चचेरे भाइयों की प्रेस कॉन्फ्रेंस में विकास का कोई जिक्र नहीं था। शिंदे ने कहा कि जो लोग बालासाहेब ठाकरे के विचारों से भटक गए, उन्हें विधानसभा चुनाव और हालिया नगर पालिका चुनावों में सबक मिला। इनका एकमात्र लक्ष्य सत्ता है।

उन्होंने आगे कहा कि ये लोग मराठी भाषियों को मुंबई से बाहर करने में लगे रहे। विधानसभा और स्थानीय चुनावों ने दिखा दिया कि असली शिवसेना कौन है। शिंदे ने ठाकरे परिवार पर विकास परियोजनाओं को रोकने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि महायुति सरकार ने क्लस्टर डेवलपमेंट और पुनर्विकास परियोजनाओं को तेजी से लागू किया।

शिवसेना ने गठबंधन पर उठाए सवाल

एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना ने उद्धव और राज ठाकरे के गठबंधन पर सवाल उठाते हुए कहा, अगर इन लोगों के पास असल में इतनी ताकत है तो वे हालिया निकाय चुनाव में बुरी तरह से क्यों हारे? कांग्रेस न उद्धव ठाकरे के साथ है और न ही शरद पवार के साथ, इसलिए इन्हें किसी की जरूरत है, जैसे डूबते को तिनके का सहारा। इसी तरह से उद्धव ठाकरे, राज ठाकरे का समर्थन चाहते हैं। मुझे नहीं लगता इससे बहुत फायदा होगा।

'कांग्रेस कभी मनसे के साथ गठबंधन नहीं करेगी'

उद्धव और राज ठाकरे के गठबंधन पर प्रतिक्रिया देते हुए कांग्रेस नेता विजय वडेट्टिवार ने कहा, हालिया निकाय चुनाव में कांग्रेस, जो महाविकास अघाड़ी गठबंधन में बड़े भाई की भूमिका में है, सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी और गठबंधन की दोनों पार्टियों से ज्यादा सफल रहे। अगर दोनों भाईयों ने साथ आने का फैसला किया है तो हम इससे खुश हैं। हम उन्हें बधाई देते हैं, लेकिन कांग्रेस पार्टी कभी भी मनसे के साथ नहीं जुड़ेगी। हम शिवसेना यूबीटी और एनसीपी एसपी के साथ खड़े रहेंगे। महाराष्ट्र के लिए मराठी लोग क्या फैसला करते हैं, ये उन पर है।

होटलों और प्रतिष्ठानों का गहन निरीक्षण खाद्य एवं औषधि प्रशासन मंत्री नरहरि जिरवाल के निर्देश

नए साल से पहले खाद्य एवं औषधि प्रशासन अलर्ट पर

मुंबई। नए साल के आगमन, जश्न और 31 दिसंबर को देखते हुए, यह ज़रूरी है कि होटलों, रेस्टोरेंट और खाद्य प्रतिष्ठानों में तैयार किया जाने वाला खाना साफ, सुरक्षित और पौष्टिक हो। इसके लिए, खाद्य सुरक्षा अधिकारियों को अपने अधिकार क्षेत्र के तहत आने वाले रेस्टोरेंट, होटलों और खाद्य प्रतिष्ठानों का गहन निरीक्षण करना चाहिए, खाद्य एवं औषधि प्रशासन और विशेष सहायता विभाग मंत्री नरहरि जिरवाल ने निर्देश दिया।

नागरिकों के स्वास्थ्य के लिए होटलों में साफ-सफाई का विशेष महत्व है और इस संबंध में होटल मालिकों के बीच जागरूकता पैदा की जानी चाहिए और उन्हें शिक्षित किया जाना चाहिए। निरीक्षण के दौरान, एक्सपायर्ड कच्चे माल का उपयोग, खाद्य पदार्थों में खाने योग्य और न खाने योग्य रंगों का उपयोग, साथ ही स्वच्छता मानकों का पालन सख्ती से जांचा जाएगा। इसके लिए, मंत्री जिरवाल ने बताया कि खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग ने पूरे राज्य में एक बड़ा अभियान चलाया है।

'नए साल का स्वागत, संकल्प होटल स्वच्छता' पहल

उत्कृष्ट होटलों के लिए पुरस्कार और प्रोत्साहन

अच्छे स्वच्छता और खाद्य सुरक्षा मानकों का पालन करने वाले होटल प्रतिष्ठानों को प्रोत्साहित करने के लिए, जिला और राज्य स्तर पर उत्कृष्ट होटलों को पुरस्कार दिए जाएंगे। जिला स्तरीय पुरस्कार संबंधित जिले के पालक मंत्री द्वारा 26 जनवरी, 2026 को प्रदान किए जाएंगे, जबकि राज्य स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले होटलों को मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री द्वारा सम्मानित किया जाएगा, मंत्री नरहरि जिरवाल ने बताया।

मंत्री जिरवाल की अवधारणा के तहत, 26 दिसंबर से 15 जनवरी तक पूरे राज्य में एक विशेष पहल 'नए साल का स्वागत, होटल स्वच्छता का संकल्प' लागू की जा रही है। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि इस अभियान की विस्तृत रिपोर्ट मंत्री कार्यालय को प्रस्तुत की जाए।

जेजुरी में भंडारे से 2,200 किलो स्टॉक जब्त

जेजुरी नगर परिषद चुनाव के नतीजों के बाद जीत के जश्न के दौरान एक गोदाम में विस्फोट होने से एक बड़ी दुर्घटना हुई। गोदाम में आग नहीं लगी, आग तेल या किसी अन्य कारण से लग सकती थी।

दो दिन का 'ठाणे ग्रंथोत्सव 2025' 28 और 29 दिसंबर को वाशी नवी मुंबई में होगा

साहित्य प्रेमियों को शामिल होने का न्योता

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

नवी मुंबई। महाराष्ट्र सरकार के हायर और टेक्निकल एजुकेशन डिपार्टमेंट, महाराष्ट्र स्टेट के लाइब्रेरी डायरेक्टर, मुंबई, डिस्ट्रिक्ट लाइब्रेरी ऑफिसर ऑफिस, ठाणे, ठाणे डिस्ट्रिक्ट लाइब्रेरी एसोसिएशन और प्रो. माणिकराव कीर्तने लाइब्रेरी, वाशी नवी मुंबई ने मिलकर 28 और 29 दिसंबर 2025 को साहित्य मंदिर ऑडिटोरियम, वाशी सेक्टर 6 में 'ठाणे ग्रंथोत्सव - 2025' का आयोजन किया है। साहित्य प्रेमियों का मनोरंजन अलग-अलग प्रोग्राम और बुक एग्जीबिशन के ज़रिए किया जाएगा।

रविवार, तारीख 28 दिसंबर 2025 को सुबह 10.00 बजे, पूर्व लाइब्रेरी डायरेक्टर ए. भू. मेश्राम, जाने-माने लेखक बुक फेस्टिवल का उद्घाटन राजीव श्रीखंडे की अध्यक्षता में होगा। इस मौके पर ठाणे डिस्ट्रिक्ट कलेक्टर डॉ. श्रीकृष्ण पांचाल, लाइब्रेरी डायरेक्टर ए.एम. गडेकर, कोंकण डिविजनल लाइब्रेरी एसोसिएशन के प्रेसिडेंट श्री दिलीप कोरे, प्रो. माणिकराव कीर्तने लाइब्रेरी के प्रेसिडेंट श्री सुभाष कुलकर्णी, साहित्य परिषद के वाइस प्रेसिडेंट कवि अरुण म्हात्रे और ठाणे डिस्ट्रिक्ट लाइब्रेरी एसोसिएशन के प्रेसिडेंट श्री चांगदेव काले आदि खास मेहमान के तौर पर मौजूद रहेंगे। डिस्ट्रिक्ट लाइब्रेरी ऑफिसर प्रशांत पाटिल ठाणे बुक फेस्टिवल के इनवाइटर हैं।

उद्घाटन से पहले, सुबह 8 बजे नवी मुंबई म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के एडिशनल कमिश्नर श्री सुनील पवार के शुभ हाथों से 'ग्रंथादिंदी' होगी और उद्घाटन प्रोग्राम के बाद, लोकमत के पूर्व एडिटर सुकृत खांडेकर 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और लाइब्रेरीज़' पर एक लेक्चर देंगे, मैथमैटिशियन डॉ. विवेक पाटकर और निर्मल सामंत इस प्रभावशाली सिंपोजियम में हिस्सा लेंगे।

तत्पश्चात, 'किताबी कीड़ा' विषय पर संगोष्ठी में सुप्रसिद्ध साहित्यकार गणेश मतकरी, पंकज भोसले एवं मकरंद जोशी के बीच 'पुस्तक चर्चा' होगी। दोपहर 3 से 5 बजे तक सरकारी परिपत्रों का क्रियान्वयन एवं पुस्तकालय अधिकारियों व पुस्तकालयाध्यक्षों की टिप्पणियां आयोजित की गई हैं।

ठाणे पुस्तक महोत्सव के दूसरे दिन 'पठन संस्कृति : कल, आज और कल' संगोष्ठी में अरविंद पाटकर, किरण येले, अनंत देशमुख आदि अपने साहित्यिक विचार व्यक्त करेंगे। प्रातः 11.30 से 01.00 बजे तक संदीप जंगम 'गोष्टा महाराष्ट्राची' संग्रह का पाठ करेंगे। चूंकि यह वर्ष कवि नारायण सुर्वे की जन्मशती है, इसलिए प्रसिद्ध कवि अरुण म्हात्रे की अध्यक्षता में दोपहर 3 से 4.30 बजे तक आयोजित विशेष कवि सम्मेलन 'काव्यांजलि' में नारायण लांडगे पाटिल भाग लेंगे। शाम 4.30 से 5.30 बजे तक ग़ज़ल लेखक श्री सुनीता रामचंद्र, सुप्रिया हलबे, दिलीप जांभाले 'गजलसंध्या' प्रस्तुत करेंगे। शाम 6 बजे ठाणे जिले के आदर्श लाइब्रेरियन और बेहतरीन पाठकों को विशेष रूप से सम्मानित किया जाएगा। इसमें पढ़ने की संस्कृति के लिए लगातार काम कर रहे चांगदेव काले, श्री विद्याधर थानेकर, श्री विनायक गोखले, श्री सुभाष कुलकर्णी आदि को सम्मानित किया जाएगा।

सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया ने देशभर में विविध स्मरणीय कार्यक्रमों के साथ मनाया 115वां स्थापना दिवस

मुंबई। भारत के प्रथम स्वदेशी बैंक, सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया ने देशभर में विविध स्मरणीय एवं जनकल्याणकारी कार्यक्रमों के साथ अपना 115वां स्थापना दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया। इस अवसर पर भारत सरकार के वित्त मंत्रालय के वित्तीय सेवा विभाग के सचिव एम. नागराजू, आईएएस, मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

समारोह को संबोधित करते हुए एम. नागराजू ने कहा कि सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया के 115वें स्थापना दिवस समारोह का हिस्सा बनना उनके लिए गौरव का विषय है। उन्होंने देश की बैंकिंग प्रणाली को सुदृढ़ करने तथा समावेशी आर्थिक विकास को समर्थन देने में बैंक की ऐतिहासिक और महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया। उन्होंने वित्तीय समावेशन के विस्तार और ग्राहक-केंद्रित सेवाएं प्रदान करने के लिए बैंक के निरंतर प्रयासों की सराहना की।

नागराजू ने बैंक के संस्थापक सोराबजी पोचखानावाला के कथन का उल्लेख करते हुए कहा, 'एक अच्छे बैंक के लाभ केवल उसके बैंकिंग हॉल की चार दीवारों तक सीमित नहीं होते, बल्कि वे व्यापार, उद्योग और आर्थिक गतिविधि की प्रत्येक शाखा तक व्यापक रूप से विस्तारित होते हैं।' उन्होंने कहा कि सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया वास्तव में भारत की विकास यात्रा का अभिन्न हिस्सा रहा है। बैंक के ऋण पोर्टफोलियो में 72 प्रतिशत आरएएम (रिटेल, कृषि एवं एमएसएमई) हिस्सेदारी आम आदमी की सेवा के प्रति इसकी प्रतिबद्धता को दर्शाती है। साथ

ही, उन्होंने बैंक के व्यवसाय और लाभप्रदता में हुए उल्लेखनीय सुधार की भी सराहना की।

इससे पूर्व, विशिष्ट ग्राहकों तथा विभिन्न बैंकों के वरिष्ठ अधिकारियों की गरिमामय उपस्थिति में मुख्य अतिथि का स्वागत करते हुए सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी कल्याण कुमार ने एम. नागराजू के तीन दशकों से अधिक के विशिष्ट प्रशासनिक करियर पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि सचिव, वित्तीय सेवा विभाग के रूप में नागराजू ने भारत के बैंकिंग, बीमा और वित्तीय समावेशन ढांचे को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। कल्याण कुमार ने 115वें स्थापना दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उनकी उपस्थिति पर प्रसन्नता व्यक्त की।

कल्याण कुमार ने बताया कि सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया अपने व्यापक अखिल भारतीय नेटवर्क के माध्यम से देश की आर्थिक गतिविधियों को सशक्त बनाने में निरंतर योगदान दे रहा है। बैंक के 21,492 टच पाइंट्स हैं, जिनमें 4,556 शाखाएं शामिल हैं। इनमें से 65.14 प्रतिशत शाखाएं ग्रामीण एवं अर्ध-शहरी क्षेत्रों में स्थित हैं। बैंक का कुल व्यवसाय 7,37,938 करोड़ है, जिसमें कुल जमाओं में कासा की हिस्सेदारी 46.83 प्रतिशत है।

उन्होंने स्थापना दिवस सप्ताह के दौरान आयोजित सामाजिक उत्तरदायित्व एवं सततता पर केंद्रित पहलों का भी उल्लेख किया। इनमें 'फिट रहे, स्वस्थ रहे', 'पेड़ लगाएं, जीवन बचाएं', 'स्वच्छ स्वस्थ भारत', 'सेवा ही संकल्प' और 'सेंट इंटेलिका' जैसे कार्यक्रम शामिल हैं। इन पहलों के अंतर्गत देशभर में 25,000 से अधिक पौधे लगाए गए। इस अवसर पर बैंक द्वारा कई ग्राहक-अनुकूल उत्पादों का शुभारंभ किया गया। साथ ही, ग्राहक सेवा एवं शिकायत निवारण पर आधारित एक हैंडबुक का औपचारिक विमोचन मुख्य अतिथि एम. नागराजू द्वारा किया गया। कार्यक्रम के अंत में सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया के कार्यपालक निदेशक श्री एम. वी. मुरली कृष्णा ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया और 115वें स्थापना दिवस समारोह में सहभागिता एवं मार्गदर्शन के लिए एम. नागराजू के प्रति आभार व्यक्त किया।

कैबिनेट ने दिल्ली मेट्रो की फेज V (A) परियोजना के हिस्से के रूप में तीन नए कॉरिडोर को मंजूरी दी

मुंबई। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने दिल्ली मेट्रो के फेज-V (S) परियोजना के हिस्से के रूप में तीन नए कॉरिडोर को मंजूरी दी है: 1. आर.के. आश्रम मार्ग से इंद्रप्रस्थ (9.913 किमी), 2. एरोसिटी से आई.जी.डी. एयरपोर्ट टी-1 (2.263 किमी) और 3. तुगलकाबाद से कालिंदी कुंज (3.9 किमी)। यह 16.076 किलोमीटर लंबी परियोजना राष्ट्रीय राजधानी के भीतर कनेक्टिविटी को और बेहतर बनाएगी। दिल्ली मेट्रो के फेज-IV (S) की कुल लागत 12014.91 करोड़ रुपये है, जिसे भारत सरकार, दिल्ली सरकार और अंतरराष्ट्रीय वित्त पोषण एजेंसियों द्वारा वित्तपोषित किया जाएगा।

सेंट्रल विस्टा कॉरिडोर सभी कर्तव्य भवनों को कनेक्टिविटी प्रदान करेगा, जिससे इस क्षेत्र के कार्यालय जाने वालों और आगंतुकों को सीधे ऑफिस तक पहुंचने में आसानी होगी। इस कनेक्टिविटी से दैनिक आधार पर लगभग 60,000 कार्यालय जाने वाले कर्मचारियों और 2 लाख आगंतुकों को लाभ होगा। ये कॉरिडोर प्रदूषण और जीवाश्म ईंधन के उपयोग को और कम करेंगे, जिससे जीवन जीने की सुगमता में वृद्धि होगी।

विवरण:

आर.के. आश्रम मार्ग - इंद्रप्रस्थ सेक्शन, बॉटनिकल गार्डन - आर.के. आश्रम मार्ग कॉरिडोर का विस्तार होगा। यह सेंट्रल विस्टा क्षेत्र को मेट्रो कनेक्टिविटी प्रदान करेगा, जिसका वर्तमान में पुनर्विकास किया जा रहा है। एरोसिटी - आईजीडी एयरपोर्ट टर्मिनल 1 और तुगलकाबाद - कालिंदी कुंज सेक्शन, एरोसिटी-तुगलकाबाद कॉरिडोर का विस्तार होंगे। यह विस्तार हवाई अड्डे की कनेक्टिविटी को राष्ट्रीय राजधानी के दक्षिणी हिस्सों जैसे तुगलकाबाद, साकेत, कालिंदी कुंज आदि क्षेत्रों के साथ मजबूत करेगा। इन विस्तारों में

कुल 13 स्टेशन शामिल होंगे, जिनमें से 10 स्टेशन भूमिगत और 03 स्टेशन एलिवेटेड होंगे। पूरा होने के बाद, कॉरिडोर-1 यानी आर.के. आश्रम मार्ग से इंद्रप्रस्थ (9.913 किमी) पश्चिमी, उत्तरी और पुरानी दिल्ली की सेंट्रल दिल्ली के साथ कनेक्टिविटी में सुधार करेगा। वहीं अन्य दो कॉरिडोर-एयरोसिटी से आईजीडी एयरपोर्ट टी-1 (2.263 किमी) और तुगलकाबाद से कालिंदी कुंज (3.9 किमी)– दक्षिण दिल्ली को साकेत, छतरपुर आदि के माध्यम से घरेलू हवाई अड्डे टर्मिनल-1 से जोड़ेंगे, जिससे राष्ट्रीय राजधानी के भीतर कनेक्टिविटी में जबरदस्त वृद्धि होगी।

फेज-IV (ए) परियोजना के ये मेट्रो विस्तार मध्य दिल्ली और घरेलू हवाई अड्डे तक दिल्ली मेट्रो नेटवर्क की पहुंच बढ़ाएंगे, जिससे अर्थव्यवस्था को और अधिक मजबूती मिलेगी। मजेंटा लाइन और गोल्डन लाइन के ये विस्तार सड़कों पर भीड़भाड़ को कम करेंगे। इस प्रकार, मोटर वाहनों के कारण होने वाले प्रदूषण को कम करने में मदद मिलेगी।

आरके आश्रम मार्ग - इंद्रप्रस्थ सेक्शन पर जो स्टेशन बनेंगे, वे हैं: आर.के. आश्रम मार्ग, शिवाजी स्टेडियम, सेंट्रल सेक्रेटेरिएट, कर्तव्य भवन, इंडिया गेट, वॉर मेमोरियल - हाई कोर्ट, बड़ौदा हाउस, भारत मंडपम, और इंद्रप्रस्थ।

तुगलकाबाद - कालिंदी कुंज सेक्शन के स्टेशन सरिता विहार डिपो, मदनपुर खादर और कालिंदी कुंज होंगे, जबकि एयरोसिटी स्टेशन को आगे आईजीडी टी-1 स्टेशन से जोड़ा जाएगा।

फेज-IV का निर्माण कार्य, जिसमें 111 किमी लंबाई और 83 स्टेशन शामिल हैं, वर्तमान में प्रगति पर है। आज की स्थिति के अनुसार, फेज-IV के (3 प्राथमिकता वाले) कॉरिडोर का लगभग 80.43 प्रतिशत सिविल निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। फेज-IV के इन तीनों प्राथमिकता वाले कॉरिडोर के दिसंबर 2026 तक चरणों में पूरा होने की संभावना है। आज, दिल्ली मेट्रो प्रतिदिन औसतन 65 लाख यात्रियों को सर्विस देती है। अब तक की सर्वाधिक यात्रा का रिकॉर्ड 8 अगस्त 2025 को 81.87 लाख दर्ज किया गया है। दिल्ली मेट्रो समयपालन, विश्वसनीयता और सुरक्षा जैसे एमआरटीएस के मुख्य मानकों में उत्कृष्टता का प्रतीक बनकर शहर की जीवनरेखा बन गई है। वर्तमान में दिल्ली और एनसीआर में डीएमआरसी द्वारा लगभग 395 किमी लंबाई वाली कुल 12 मेट्रो लाइनों का संचालन किया जा रहा है, जिनमें 289 स्टेशन शामिल हैं। दिल्ली मेट्रो भारत का सबसे बड़ा मेट्रो नेटवर्क है और दुनिया के सबसे बड़े मेट्रो नेटवर्कों में से भी एक है।

नियमों के अनुसार न्यू टोटलाडोह पुनर्वास गांव में विस्थापित लोगों को सुविधाएं प्रदान करें - आशीष जायसवाल

मुंबई। राहत और पुनर्वास राज्य मंत्री एडवोकेट आशीष जायसवाल ने इस मामले में मंत्रालय में हुई एक बैठक में निर्देश दिए कि पेंच अभयारण्य में न्यू टोटलाडोह गांव में पुनर्वास के कारण विस्थापित लोगों को नियमों के अनुसार सभी सुविधाएं प्रदान की जाएं।

यह बताते हुए कि न्यू टोटलाडोह गांव को सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अनुसार विस्थापित किया गया था, राज्य मंत्री जायसवाल ने कहा कि वडंबा में विस्थापित ग्रामीणों को कोई सुविधा नहीं मिली है। उन्हें केवल वित्तीय मुआवजे के बदले जमीन दी गई है। उन्हें नागरिक सुविधाएं प्रदान करना आवश्यक है। राज्य मंत्री जायसवाल ने यह भी निर्देश दिया कि कानून के अनुसार उन्हें सुविधाएं प्रदान करने के लिए कार्रवाई की जानी चाहिए।

इस बीच, सांगली जिले के बाढ़ प्रभावित गांव कनेगांव के पुनर्वास पर भी एक बैठक हुई। उस समय, एक समयबद्ध कार्यक्रम तैयार किया जाना चाहिए और इस मुद्दे को हल किया जाना चाहिए। जिला कलेक्टर को इस शर्त पर जमीन का स्वामित्व मूल मालिक के पास रखने का प्रस्ताव देना चाहिए कि गांव पोस्ट में पुरानी जमीन के निवासी इसका उपयोग नहीं कर सकते हैं। राज्य मंत्री जायसवाल ने यह भी निर्देश दिया कि जिन लोगों ने पैसे दिए हैं और पलायन करने के लिए तैयार हैं, उन्हें जमीन आवंटित करने का काम एक महीने के भीतर पूरा किया जाना चाहिए।

नवनीत राणा के ज्यादा बच्चे पैदा करने वाले बयान पर सियासत, कांग्रेस बोली- ये पागलपन खत्म होना चाहिए

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई। भाजपा नेता नवनीत राणा ने मंगलवार को अपने एक बयान में आरोप लगाया कि हिंदुस्तान को पाकिस्तान बनाने की साजिश रची जा रही है। उन्होंने हिंदुओं से तीन-चार बच्चे पैदा करने की अपील की। भाजपा नेता की इस अपील पर अब सियासत शुरू हो गई है। कांग्रेस पार्टी ने भाजपा नेता के बयान की आलोचना करते हुए कहा कि भाजपा और आरएसएस की पागलपन वाली सोच अब खत्म होनी चाहिए।

कांग्रेस सांसद मणिकम टैगोर ने नवनीत राणा के बयान पर कहा, 'हमें संख्या को लेकर वैज्ञानिक आधार पर सोचना चाहिए, न कि कोई अंधविश्वास रखना चाहिए। भारत की बढ़ती जनसंख्या चिंताजनक है। जो राज्य जनसंख्या नियंत्रित नहीं कर पा रहे हैं, उन्हें परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। भाजपा और आरएसएस की ये पागलपन वाली सोच खत्म होनी चाहिए।'

नवनीत राणा ने क्या कहा था

नवनीत राणा ने महाराष्ट्र के अमरावती में मीडिया से बात करते हुए कहा, "मैं सभी हिंदुओं से अपील करती हूं कि अगर वे (मुस्लिम) 19 बच्चे पैदा कर रहे हैं तो हमें कम से कम 3-4 बच्चे तो पैदा करने चाहिए। ये लोग भारत को पाकिस्तान बनाने की राह पर हैं।"

भाजपा नेता राणा ने आगे कहा कि ये लोग ज्यादा बच्चे पैदा करके भारत को पाकिस्तान जैसा बनाने की योजना बना रहे हैं। तो हम सिर्फ एक बच्चे से क्यों संतुष्ट रहें? हमें भी तीन से चार बच्चे पैदा करने चाहिए।

लोगों ने पहचान लिया कौन असली, कौन नकली, एकनाथ शिंदे ने महायुति की जीत पर पूरा भरोसा जताया

मुंबई। बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) चुनाव नजदीक आने के साथ ही, महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने हाल ही में संपन्न स्थानीय निकाय चुनावों में गठबंधन की निर्णायक जीत के बाद महायुती की जीत पर विश्वास जताया।

स्थानीय निकाय चुनावों के परिणामों का हवाला देते हुए, उपमुख्यमंत्री शिंदे ने विपक्षी शिवसेना यूबीटी पर परोक्ष रूप से निशाना साधते हुए कहा कि परिणाम स्पष्ट रूप से दिखाते हैं कि लोगों ने पहचान लिया है कि कौन असली है और कौन नकली।

पत्रकारों से बात करते हुए उपमुख्यमंत्री ने कहा नगर परिषदों और नगरपालिकाओं के हालिया चुनावों में महायुति गठबंधन ने बहुमत हासिल किया है। कुछ जगहों पर हमने अलग-अलग चुनाव लड़ा और कुछ जगहों पर साथ मिलकर, लेकिन अंतिम परिणाम देखने पर पता चलता है कि 75-80% सीटों पर महायुति को जीत मिली है। जनता ने साफ कर दिया है कि असली कौन है और नकली कौन... वे लोग सिर्फ कुर्सी के लिए राजनीति कर रहे हैं। आगामी चुनावों में महायुति ही जीतेगी क्योंकि महायुति काम कर रही है, विकास कर रही है, इसलिए मैं विश्वास के साथ कह सकता हूं कि मुंबई नगर निगम में महायुति ही जीतेगी।

स्थानीय निकाय चुनाव 15 जनवरी को होने वाले बहुप्रतीक्षित राजनीतिक मुकाबले की तैयारी का संकेत देते हैं, जब बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी), पुणे नगर निगम और अन्य कई स्थानीय निकाय चुनावों सहित अनेक नगर निगमों के चुनाव होंगे। बीएमसी और अन्य निकायों के लिए मतदान 15 जनवरी को निर्धारित है, और मतगणना 16 जनवरी को होगी।

गौरतलब है कि कई दशकों तक अविभाजित शिवसेना बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) में एक प्रमुख राजनीतिक शक्ति रही है, और अक्सर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ गठबंधन में नगर निकाय का संचालन करती रही है।

सम्पादकीय

रेगिस्तान की आहट और अरावली का संकट, क्या चंद खनिजों के लिए दांव पर लग गई करोड़ों लोगों की सांसें?

पिछले कुछ समय से देश में खनन के औचित्य और इसके पर्यावरण पारिस्थितिकी पर पड़ने वाले प्रभाव को लेकर कई सवाल उठे हैं, लेकिन यह पूरा मसला विकास बनाम प्रकृति के संरक्षण के द्वंद्व में उलझ कर रह जाता है। इसमें कोई दोराय नहीं कि विकास की दिशा को बाधित करना प्रतिगामी हो सकता है, लेकिन सवाल यह है कि अगर प्रकृति के बेलगाम दोहन की कीमत पर दुनिया प्रगति का रास्ता अपनाती है, तो उसका हासिल क्या होगा।

अरावली पर्वत-शृंखला को लेकर हाल ही में आए अदालती आदेश के आलोक में एक बार फिर यह बहस जोर पकड़ रही है कि अगर कोई प्राकृतिक संरचना एक बड़ी आबादी और इलाके के लिए जीवन-रेखा तथा सुरक्षा की एक मजबूत दीवार के रूप में मौजूद है, तो उसके संरक्षण के मुद्दे पर किसी जागरूक समाज की प्रतिक्रिया क्या होनी चाहिए। गौरतलब है कि हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय ने यह व्यवस्था दी कि आसपास की जमीन से कम से कम सौ मीटर ऊंचे जमीन के हिस्से को ही अरावली पहाड़ी के तौर पर माना जाएगा।

अरावली को लेकर अदालत की इस नई परिभाषा के बाद यह आशंका खड़ी हो गई है कि अगर सौ मीटर से कम ऊंचाई वाली पहाड़ियों पर खनन, निर्माण और व्यावसायिक गतिविधियों के रास्ते खुलेंगे, तो इसके बाद समूचे इलाके के पारिस्थितिकी तंत्र पर गंभीर पर्यावरणीय प्रभाव सामने आ सकते हैं। दरअसल, राजस्थान, हरियाणा, गुजरात से लेकर दिल्ली तक के सैकड़ों किलोमीटर के इलाके में फैली अरावली पर्वत श्रृंखला को समूचे उत्तर भारत में पर्यावरण को संतुलित रखने की दृष्टि से एक प्राकृतिक दीवार की तरह देखा जाता है।मगर पिछले कुछ दशकों से अरावली क्षेत्र को जिस तरह पत्थर, रेत और खनिज संसाधनों की मांग पूरी करने के लिए खनन का केंद्र बना दिया गया है, क्या उसके गंभीर खमियाजों का अंदाजा नहीं लगाया जा सकता? हालांकि इस मसले पर उठे सवालों और विरोध के बाद केंद्रीय पर्यावरण मंत्री ने कहा कि खनन गतिविधि अरावली के कुल क्षेत्र में से केवल '0.19 फीसद हिस्से' में ही करने की इजाजत होगी। मगर खनन का दरवाजा एक बार खुल जाने के बाद यहीं तक सीमित रहेगा, इसकी क्या गारंटी है?

पिछले कुछ दशकों के दौरान जैसे-जैसे अरावली क्षेत्र में लोगों की गतिविधियां बढ़ी हैं, अपनी सुविधा और स्वार्थ में इस इलाके की प्राकृतिक संरचना को होने वाले नुकसान के सवाल की घोर अनदेखी हुई है। निर्बाध तरीके से बलुआ पत्थर, चूना पत्थर, संगमरमर और धात्विक खनिजों की निकासी ने अरावली की पहाड़ियों और जंगलों पर विपरीत असर डाला और अब आसपास के शहरों की आबोहवा तथा भूजल के स्तर की हालत देखी जा सकती है।

कुछ प्रत्यक्ष और घातक परिणामों के बावजूद आखिर अरावली के संरक्षण का सवाल सरकार की नजर में महत्त्वपूर्ण नहीं है तो इसके क्या कारण हैं? माना जाता है कि पश्चिमोत्तर भारत में भूजल का स्तर फिर से बहाल करने, रेगिस्तान बनने से रोकने और लोगों की रोजी-रोटी बचाने के लिए अरावली जरूरी है। इसलिए पर्यावरण विशेषज्ञ अरावली को उसके पर्यावरणीय, भूगर्भीय और जलवायु संबंधी महत्त्व की नजर से देखने और आंकने की जरूरत पर जोर देते रहे हैं।

सच यह है कि एक ओर दुनिया भर में पारिस्थितिकी तंत्र और उसकी सुरक्षा के लिए हर स्तर पर चिंता जताई जा रही है, तो दूसरी ओर विकास के नाम पर चलने वाली कुछ कवायदों के पर्यावरण पर असर को लेकर कई तरह की आशंकाएं भी उभर रही हैं।

देश को समर्पित हिमालयी व्यक्तित्व अटल बिहारी वाजपेयी - डॉ. नरेश बंसल, राज्यसभा सांसद और राष्ट्रीय सह-कोषाध्यक्ष ,भारतीय जनता पार्टी

हार नहीं मानूंगा,रार नहीं ठानूंगा,काल के कपाल पर ,लिखता-मिटाता हूँ, गीत नया गाता हूँ।– अटल बिहारी वाजपेयी

भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी की जन्म शताब्दी महज एक स्मृति-उत्सव नहीं है, यह राष्ट्रीय आत्मनिरीक्षण का क्षण है।आज जब देश अपने लोकप्रिय नेता अटल बिहारी वाजपेयी का जन्म शताब्दी वर्ष मना रहा है, 140 करोड़ भारतीय एक ऐसे नेतृत्व की परंपरा पर गौरान्वित महसूस कर रहे हैं जिसने नैतिक साहस को लोकतांत्रिक संयम, दृढ़ता को सहानुभूति और दूरदर्शिता को विनम्रता के साथ जोड़ा।

अटल जी उन दुर्लभ राजनेताओं में से एक थे जिनके लिए राजनीति जनसेवा का एक पवित्र साधन थी। उनका नेतृत्व दिखावटी नहीं था; बल्कि प्रेरक था। उनका मानना था कि अधिकार विश्वसनीयता से आना चाहिए और शक्ति जवाबदेही पर आधारित होनी चाहिए। एक प्रतिबद्ध विचारक होते हुए भी, उन्होंने कभी भी विचारधारा को संवाद पर हावी नहीं होने दिया। उनके लिए संसदीय लोकतंत्र एक प्रक्रियात्मक दायित्व नहीं बल्कि एक नैतिक जिम्मेदारी थी।

प्रधानमंत्री के रूप में, अटल जी ने यह सिद्ध किया कि सशक्त नेतृत्व और मानवीय शासन एक साथ चल सकते हैं। उनके कार्यकाल में भारत ने लोकतांत्रिक मूल्यों में दृढ़ रहते हुए वैश्विक मंच पर आत्मविश्वास से अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। उनके नेतृत्व ने विश्व को दिखाया कि भारत बिना जल्दबाजी किए दृढ़ संकल्पित हो सकता है, और बिना आक्रामक हुए मुखर हो सकता है। उनके विचार में, शक्ति का अर्थ तभी सार्थक होता है जब वह शांति और स्थिरता के लिए अपनी सार्थकता प्रतिस्थापित करता हो।

पोखरण परमाणु परीक्षण रणनीतिक दृढ़ संकल्प का प्रतीक था , जबकि शांति के लिए उनके प्रयासों ने उनकी कुशल राजनेता की भूमिका को अभिभूत किया। मानवीय मूल्यों के सशक्त प्रहरी , अटल जी मानना था कि भारत को सशक्त होने के साथ-साथ उत्तरदायी भी होना आवश्यक है ।

विकास के प्रति उनका दृष्टिकोण भी उतना ही महत्वपूर्ण था। अटल जी समझते थे कि राष्ट्रीय प्रगति तभी सार्थक होती है जब वह समावेशी हो। अवसंरचना, ग्रामीण संपर्क और दूरसंचार के क्षेत्र में शुरू की गई महत्वपूर्ण पहलों का उद्देश्य केवल संपत्ति अर्जन नहीं था, बल्कि लोगों, बाजारों और अवसरों को आपस में जोड़ना था। सड़कों, संपर्क और प्रौद्योगिकी पर उनकी प्राथमिकताओं ने दूरस्थ क्षेत्रों को राष्ट्रीय मुख्यधारा में एकीकृत करने में मदद की और भारत के विकास को एक नया आधार दिया।

नीति और शासन के अलावा, अटल जी का सबसे बड़ा योगदान भारत को एक सभ्यतागत लोकतंत्र के रूप में समझना था। उनका मानना था कि भारत की शक्ति उसकी विविधता, वाद-विवाद करने की क्षमता और एकता खोए बिना मतभेदों को आत्मसात करने की क्षमता में निहित है। उनका राष्ट्रवाद आत्मविश्वास से भरा था, लेकिन कभी भी बहिष्कारवादी नहीं था; दृढ़ होते हुए भी सहानुभूतिपूर्ण था।

उत्तराखंड के लिए अटल जी की विरासत बेहद व्यक्तिगत और परिवर्तनकारी है। 9 नवंबर, 2000 को उत्तराखंड (तब उत्तरांचल) का शांतिपूर्ण गठन लोगों की लंबे समय से पोषित आकांक्षा की पूर्ति थी। यह महज प्रशासनिक पुनर्गठन नहीं था; यह राजनीतिक संवेदनशीलता और राष्ट्रीय दूरदर्शिता का महायज्ञ था क्यूँकि अटल जी समझते थे कि भूगोल शासन को आकार देता है, और जनमानस की आकांक्षाओं की पूर्ति के लिए आवश्यक है जन-जन के दिल की धड़कनों से जुड़ना ।

उनकी प्रतिबद्धता राज्य बनने के साथ ही समाप्त नहीं हुई ;उन्होंने यह सुनिश्चित किया कि नवगठित राज्य को विशेष दर्जा और आर्थिक विकास को गति देने के लिए एक समर्पित औद्योगिक पैकेज मिले। उत्तराखंड के आध्यात्मिक और पारिस्थितिक महत्व को पहचानते हुए, उनकी सरकार ने उत्तरकाशी जैसे क्षेत्रों में तीर्थयात्रियों की सुरक्षा और पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए विशेष आर्थिक सहायता भी प्रदान की। ये निर्णय विकास के प्रति उनकी समग्र समझ को दर्शाते हैं - एक ऐसी समझ जो पारिस्थितिकी, संस्कृति और आजीविका का सम्मान करती है।

उत्तराखंड के साथ अटल जी का रिश्ता नीतिगत संबंधों से कहीं बढ़कर था। उन्हें यहाँ के पहाड़ों, नदियों और आध्यात्मिक ऊर्जा से गहरा लगाव था। 1984 में चुनाव में हार के बाद उन्होंने हरिद्वार और गंगोत्री की पहाड़ियों में शरण ली और वहाँ की शांति से शक्ति प्राप्त की। बहुत कम नेता किसी क्षेत्र की आत्मा से इतनी गहराई से जुड़ पाते हैं।

आज जब हम कहते हैं, 'अटल जी ने बनाया, मोदी जी संवारेंगे ,' तो यह तुलना का नारा नहीं, बल्कि निरंतरता की अनुभूति है। अटल जी द्वारा रखी गई कनेक्टिविटी, बुनियादी ढांचा और राष्ट्रीय एकता की नींव को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में मजबूत और विस्तारित किया जा रहा है। दूरदृष्टि की यह निरंतरता समावेशी और महत्वाकांक्षी विकास के प्रति भारतीय जनता पार्टी की अटूट प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है।

जन्म शताब्दी वर्ष, विशेष रूप से युवा भारतीयों के लिए, राजनीति को एक महान कर्तव्य के रूप में पुनः स्थापित करने का एक महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करता है। अटल जी का जीवन यह सिखाता है कि नेतृत्व संख्या के बारे में नहीं, बल्कि दूरदर्शिता के बारे में है; टकराव के बारे में नहीं, बल्कि आम सहमति के बारे में है; व्यक्तिगत स्वार्थ के बारे में नहीं, बल्कि उद्देश्यगत ईमानदारी के बारे में है।

सार्वजनिक जीवन में रहने वालों के लिए, उनकी यात्रा इस बात की याद दिलाती है कि सत्ता को हमेशा जवाबदेही के साथ संतुलित किया जाना चाहिए। राष्ट्र के लिए, यह इस विश्वास को मजबूत करता है कि प्रगति और मूल्य प्रतिस्पर्धी विचार नहीं हैं, बल्कि पूरक हैं।

अटल बिहारी वाजपेयी जी ने एक बार लिखा था कि अंधेरे से डरना नहीं चाहिए क्योंकि यह केवल अपने भीतर ही जीवित रहता है। जैसे-जैसे भारत आत्मविश्वास और आकांक्षा के साथ आगे बढ़ रहा है, उनके शब्द और कार्य आगे के मार्ग को प्रशस्त करते रहेंगे।

2025 में अटल बिहारी वाजपेयी का जन्मशताब्दी वर्ष है । आइये! उस दूरदर्शी नेता, कवि, वक्ता और रणनीतिकार को नमन करें जिन्होंने भारत को एक सशक्त और विकसित राष्ट्र बनाने के लिए इतिहासिक और साहसिक निर्णय लिए और 'भारत के सर्वश्रेष्ठ संसद सदस्य ' का मान अर्जित किया ।

अटल जी का व्यक्तित्व आगे बढ़ने की प्रतिबद्धता , मजबूत होते हुए भी करुणामय होने की भावना से प्रेरित था। वह विचार आज भी उतना ही प्रासंगिक है जितना उनके समय में था, और यह आने वाले वर्षों में भी भारत का मार्गदर्शन करता रहेगा।

दीप जले, अंधेरा छटे,सत्य पथ पर देश बढ़े,?अटल विचार, अटल संकल्प,?युग-युग भारत का पथ गढ़े।– अटल बिहारी वाजपेयी

भारतीय राजनीति का ध्रुव तारा : कविता, करुणा और कर्तव्य के भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी

प्रोफ़ेसर डॉ दयानंद तिवारी
प्रवक्ता भाजपा,
मुंबई, महाराष्ट्र

25 दिसंबर भारतीय लोकतंत्र और साहित्य–दोनों की स्मृति में एक विशिष्ट तिथि है। यह वह दिन है जब सत्ता और संवेदना, राजनीति और कविता, नीति और नैतिकता–एक ही व्यक्तित्व में साकार होते हैं। इसी दिन 1924 में ग्वालियर की पावन भूमि पर जन्मे अटल बिहारी वाजपेयी भारतीय राजनीति के ऐसे ध्रुव बने, जिनकी ओर हर विचारधारा, हर पीढ़ी और हर लोकतांत्रिक चेतना सम्मान से देखती है। वे केवल प्रधानमंत्री नहीं थे; वे राजनीति में मनुष्यता, संवाद और शालीनता के पर्याय थे।

अटल जी का व्यक्तित्व बहुआयामी था–ओजस्वी वक्ता, दूरदर्शी राजनेता, संवेदनशील कवि और नैतिक सार्वजनिक जीवन का आदर्श। संसद में उनका भाषण केवल सत्ता-पक्ष या विपक्ष का वक्तव्य नहीं होता था, बल्कि वह लोकतंत्र का शास्त्र होता था। विरोधी भी जब अटल जी बोलते थे, तो मौन होकर सुनते थे। यह सम्मान पद का नहीं, व्यक्तित्व और विचार का था। उन्होंने असहमति को कभी शत्रुता नहीं बनने दिया; वे संवाद के पक्षधर थे, विभाजन के नहीं।

राजनीति में उनका सफ़र संघर्षों से भरा रहा। लंबे समय तक विपक्ष में रहकर भी उन्होंने कटुता को औज़ार नहीं बनाया। सत्ता मिली तो अहंकार नहीं आया; सत्ता गई तो निराशा नहीं आई। प्रधानमंत्री के रूप में उन्होंने राष्ट्र को आत्मविश्वास दिया–पोखरण परमाणु परीक्षणों से लेकर 'जय जवान, जय किसान' के साथ 'जय विज्ञान' का उद्घोष–हर निर्णय में राष्ट्रहित सर्वोपरि रहा। पर उनका राष्ट्रवाद कभी आक्रामक नहीं हुआ; वह सभ्य, संतुलित और मानवीय था।

अटल जी को समझने के लिए उनकी कविता को समझना अनिवार्य है। उनकी राजनीति की आत्मा उनकी कविता में बसती है। वे स्वयं कहते हैं–

'हार नहीं मानूँगा,
रार नहीं ठानूँगा,
काल के कपाल पर
लिखता-मिटाता हूँ,
गीत नया गाता हूँ।'

इन पंक्तियों में केवल कवि का आत्मविश्वास नहीं, बल्कि एक राष्ट्रनेता का अडिग संकल्प झलकता है। आपातकाल, जेल-जीवन और राजनीतिक उतार-चढ़ाव–इन सबने उनकी कविता को और अधिक सघन, और अधिक सच्चा बनाया।

उनकी कविता करुणा से उपजी है। सत्ता के शिखर पर बैठकर भी वे समाज के अंतिम व्यक्ति की पीड़ा महसूस करते थे–

'दूर कहीं कोई रोता है,
तन पर कँपकँप करता मन,
साथी है केवल सूनापन।'

यह करुणा उनकी राजनीति की भी आत्मा थी। वे जानते थे कि लोकतंत्र केवल संख्या का खेल नहीं, बल्कि संवेदना का अनुशासन है। आत्मालोचन राजनीति में दुर्लभ गुण है, पर अटल जी ने यह साहस भी दिखाया। वैचारिक भ्रम और राजनीतिक भूलों को स्वीकार करने की ईमानदारी उन्होंने सार्वजनिक रूप से निभाई–

'क्षमा करो बापू!
हमसे भूल हुई,
स्वप्नों को सच मान बैठे,
मंज़िल भूल गए।'

यह कविता भारतीय राजनीति में नैतिक साहस का अद्वितीय उदाहरण है–जहाँ नेता अपनी भूल स्वीकार करता है और उससे सीखने का संकल्प भी लेता है।

हिंदी भाषा के प्रति अटल जी का प्रेम केवल भावनात्मक नहीं, वैचारिक था। संसद में उनका पहला भाषण हिंदी में होना केवल भाषाई आग्रह नहीं, बल्कि सांस्कृतिक आत्मविश्वास का उद्घोष था। अंतरराष्ट्रीय मंचों पर हिंदी में विचार रखकर उन्होंने सिद्ध किया कि मातृभाषा में अभिव्यक्ति संवाद को कमज़ोर नहीं, बल्कि सशक्त बनाती है। भाषा उनके लिए राष्ट्रीय अस्मिता की आत्मा थी।

जेल-जीवन की पीड़ा उन्होंने शब्दों में ढाली–

'एक बरस बीत गया,
झुलसता जेठ मास,
शरद चाँदनी उदास,
अंतर गीत गया।'

फिर भी वे निराशा के कवि नहीं थे। वे आशा और विश्वास के कवि थे–

'रखो भरोसा,
टूटे सपनों को जोड़ेंगे,
अंधकार के गढ़ तोड़ेंगे।'

लोकतंत्र में उनकी अटूट आस्था थी–वे मानते थे कि अंधकार कितना भी घना हो, संवाद का दीपक बुझना नहीं चाहिए।

अटल जी के वाक्य आज भी लोकतंत्र का पाथेय हैं–

'लोकतंत्र केवल शासन की प्रणाली नहीं, बल्कि जीवन जीने का तरीका है।'

'विपक्ष लोकतंत्र की शोभा होता है, शत्रु नहीं।'

'राष्ट्रवाद का अर्थ किसी से घृणा नहीं, अपने देश से प्रेम है।'

'युद्ध समाधान नहीं, संवाद ही मार्ग है।'

'ईमानदारी राजनीति की सबसे बड़ी पूँजी है।'

आज, जब सार्वजनिक जीवन में कटुता और असहिष्णुता बढ़ रही है, अटल बिहारी वाजपेयी का जीवन हमें संयम, सहमति और संवाद का मार्ग दिखाता है। वे सिखाते हैं कि राजनीति सेवा हो सकती है–सिर्फ सत्ता नहीं; कविता राष्ट्रचेतना बन सकती है–सिर्फ भाव नहीं। उनके जन्मदिन पर यह स्मरण आवश्यक है कि भारतीय राजनीति का यह ध्रुव तारा केवल अतीत नहीं, भविष्य की भी दिशा है।

कवि को नमन,
नेता को स्मरण,
और भारत रत्न राष्ट्रपुरुष को शत्-शत् श्रद्धा।

पड़ोस में ही हैं, बिगाड़ लो जो बिगाड़ सकते हो

पड़ोस में ही रहते हैं हम, गूदे भर का जोड़ लगा लो और बिगाड़ लो जो बिगाड़ सकते हो...हालिया आई फिल्म धुरंधर की शुरुआत कंधार हाईजैक प्रकरण से होती है और जहां अपहरणर्ताओं में से एक भारतीय अधिकारी को टशन के साथ खुला चैलेंज करता नजर आता है। भारत के खिलाफ पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद की यह सबसे मुखर अभिव्यक्ति थी, जिसमें एक पाकिस्तानी आतंकवादी सिर्फ एक अधिकारी नहीं, पूरे भारत देश को चैलेंज करता दिखा। पाकिस्तान वैसे तो आतंकियों का सबसे महफूज पनाहगाह है, इस बात से तो पूरी दुनिया वाकिफ है। लेकिन जब बारी बदला लेने की हो तो भारत कई मौकों पर इजरायल को भी पीछे छोड़ता नजर आया। ऐसे में आज आपको कंधार अपहण की कहानी सुनाते हैं और साथ में बताते हैं कि विमान अपरहरण को अंजाम देने वाले आतंकियों में से कितनों से भारत ने बदला ले लिया है और कितने गुनहगार अभी शेष बचे हुए हैं।

24 दिसंबर 1999 नेपाल की राजधानी काठमांडू का त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा क्रिसमस से एक दिन पहले की सर्द शाम को इंडियन एयरलाइंस की फ्लाइट आईसी814 दिल्ली के लिए रवाना होने के लिए तैयार हो रही थी। दूसरी ओर आतंकवादी समूह हरकत उल मुजाहदीन के पांच सदस्य इब्राहिम अथहर, शाहिद अख्तर सईद, सन्नी अहमद काजी, मिस्त्री जहूर इब्राहिम और शकीर काठमांडू हवाई अड्डे पर इस फ्लाइट के लिए चेक इन कर रहे थे। इन अपहरणकर्ताओं ने खुद के लिए चीफ, डॉक्टर, बर्गर, भोला और शंकर जैसे कोड नामों का इस्तेमाल किया था। इंडियन एयरलाइंस के इस विमान में 11 चालक दल के सदस्यों समेत 190 यात्री सवार थे। फ्लाइट के कैप्टन थे देवी शरण और उनके साथ थे फर्स्ट ऑफिसर राजेंद्र कुमार और फ्लाइट इंजीनियर अनिल कुमार जागिया। इन अपहरणकर्ताओं के लिए टिकट तीन अलग-अलग टूर एजेंसियों के जरिए झूठे नामों के तहत बुक किए गए थे और 13 दिसंबर को बुकिंग बदल दी गई थी। अपनी 1 घंटा 20 मिनट की एक छोटी सी उड़ान में जी विमान दिल्ली पहुंचने वाला था। विमान ने भारतीय समय अनुसार 4:00 बजे काठमांडू हवाई अड्डे से उड़ान भरी। लगभग 39 मिनट बाद जब विमान इंडियन एयर स्पेस में दाखिल हुआ और विमान में ड्रिंक्स परोसी जा रही थी। ठीक तभी मास्क पहने हुआ एक शख्स अपने हाथ में रिवाल्वर और ग्रेनेड लिए हुए कॉकपिट में दाखिल हुआ। कुछ ही समय में इन अपहरणकर्ताओं ने विमान के पायलटों समेत पूरे विमान में यात्रियों को काबू कर लिया। उन्होंने फ्लाइट में पुरुष यात्रियों को महिलाओं से अलग करना शुरू कर दिया और फ्लाइट में यात्री एक दूसरे से अलग हो गए। इस बीच पायलट ने अपहरणकर्ताओं से नजर बचाकर एक इमरजेंसी ट्रांसपाउंडर दबाया। जिससे 4:56 पर दिल्ली के एयर ट्रैफिक कंट्रोल तक यह जानकारी पहुंच गई कि काठमांडू से दिल्ली आने वाली इंडियन एयरलाइंस की फ्लाइट संख्या आईसी814 में कुछ गड़बड़ी है।

अपहरणकर्ताओं की शुरुआती मांग तो काफी लंबी-चौड़ी थी, लेकिन आखिर में वे भारत की जेल में बंद तीन प्रमुख आतंकवादियों- मसूद अजहर, अहमद उमर सईद शेख और मुश्ताक अहमद जरगर की रिहाई पर मान गए। आठ दिनों की तनावपूर्ण वार्ता के बाद भारत सरकार ने इन तीनों को रिहा कर दिया, जिसके बदले अपहरणकर्ताओं ने यात्रियों को मुक्त किया।

शाहिद अख्तर सैयद उन पांच अपहरणकर्ताओं में से एक था जो 24-31 दिसंबर 1999 को हुई इंडियन एयरलाइंस की फ्लाइट आईसी814 के अपहरण में शामिल थे। आतंकी पाकिस्तान स्थित आतंकवादी समूह हरकत-उल-मुजाहिदीन से जुड़ा था। हाईजैक के बाद वह पाकिस्तान भाग गया और जैश में शामिल हो गया। 13 दिसंबर 2001 को भारतीय संसद पर हमले में वह एक फिदायीन आतंकी के रूप में शामिल था। दिल्ली पुलिस और संसद सुरक्षा बलों ने उसे गोली मारकर मार गिराया।

1 मार्च 2022 की तारीख को वहां सबकुछ रूटीन जैसा चल रहा था। पाकिस्तान की आर्थिक राजधानी कराची के अख्तर कॉलोनी के दुकान में शांति थी मानों तूफान से पहले की शांति। मोटरसाइकिल सवार एक दुकान के चक्कर काटते नजर आते हैं। दुकान को देखकर ये प्रतीत होता है कि कोई गोदाम है। हवा में बाइक के घुड़घुड़ाने की आवाज और पेट्रोल की गंध घुलने लगती है। मोटरसाइकिल सवार हाथों में दो हथियार लिए फर्नीचर के गोदान के भीतर दाखिल होते हैं और फिर ट्रिगर दबता है और गोली टारगेट के शरीर के आर-पार हो जाती है। बाइक जैसे धुंआं गायब हुआ था वैसे ही गायब हो जाती है। मीडिया से छन कर खबर आई कि मारा गया शख्स जहूर मिस्त्री उर्फ जाहिद अखुंद है। धीरे-धीरे तस्वीर साफ होती गई और फिर पता चला कि ये अखुंद नाम से बिजनेसमैन बनकर कराची में रह रहा शख्स कोई और नहीं बल्कि कंधार विमान अपहरण में शामिल आतंकी जहूर मिस्त्री था। आपको याद होगा कि इंडियन एयर लाइंस के आईसी 814 विमान को 24 दिसंबर 1999 को नेपाल से अपहरण कर लिया गया था। इस विमान को अफगानिस्तान के कंधार में ले जाया गया था। इस हाइजैकिंग में शामिल जहूर मिस्त्री को अज्ञात हमलावरों ने गोली मार दी थी। जहूर वह अपहरणकर्ता था जिसने हाईजैक के दौरान एक यात्री रुपिन कत्याल की क्रूर हत्या की थी। रुपिन अपनी पत्नी के साथ हनीमून से लौट रहे थे, जब अपहरणकर्ताओं ने उन्हें चाकू से मार डाला था।

मई 2025 को पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में ऑपरेशन सिंदूर के तहत जैश-ए-मोहम्मद के ऑपरेशनल हेड और आईसी-814 अपहरण के मास्टरमाइंड अब्दुल रऊफ अजहर को ढेर कर दिया। जाब प्रांत में भारतीय सशस्त्र बलों ने बहावलपुर और मुरीदके में हमले किए और जैश और लश्कर के मुख्यालयों को नष्ट कर दिया। ये दोनों आतंकी संगठन कई सालों से भारत को नुकसान पहुंचा रहे हैं। अधिकारियों ने बताया कि मारे गए लोगों में जैश-ए-मोहम्मद का ऑपरेशनल प्रमुख अब्दुल रऊफ अजहर भी शामिल है, जो आईसी-814 अपहरण का मास्टरमाइंड और अंतरराष्ट्रीय जिहादी नेटवर्क का केंद्रीय व्यक्ति था। अब्दुल रऊफ अजहर संयुक्त राष्ट्र द्वारा घोषित आतंकवादी मसूद अजहर का भाई था। आईसी-814 अपहरण की साजिश रचने में रऊफ अजहर की भूमिका ने सीधे तौर पर उमर सईद शेख की रिहाई में मदद की, जो अल-कायदा का एक प्रमुख सदस्य था, जिसने वॉल स्ट्रीट जर्नल के एक अमेरिकी-यहूदी पत्रकार डैनियल पर्ल का अपहरण कर उसकी हत्या कर दी थी।

ऑपरेशन सिंदूर में हाईजैक में प्रमुख भूमिका निभाने वाले मोहम्मद यूसुफ अजहर की भी मौत हो गई। अजहर हाईजैक में प्रमुख भूमिका निभाने वाले लोगों में शामिल था, जिन्होंने दिसंबर 1999 में काठमांडू से दिल्ली जाते समय इंडियन एयरलाइंस के विमान आईसी814 का अपहरण किया था। विमान को हरकत-उल-मुजाहिदीन के पांच आतंकवादियों ने अपहरण कर लिया और तालिबान के नियंत्रण वाले अफगानिस्तान ले गए। विमान में यात्रियों की अदला-बदली के तहत मसूद अजहर को रिहा करना पड़ा। अपनी रिहाई के बाद, मसूद अजहर ने जैश की स्थापना की, जिसने बाद में भारतीय धरती पर कई हमले किए, जिनमें 2001 का संसद हमला और 2016 का संसद हमला शामिल है। 2001 के हमले के बाद पाकिस्तान में प्रतिबंध के बावजूद, जैश देश में काम करना जारी रखता है।

इब्राहिम अथर को अपहरणकर्ताओं के मुख्य नेता के रूप में पहचाना गया, जिसे इस दौरान अक्सर 'चीफ' के कोडनेम से जाना जाता था। अपहरणकर्ताओं ने मिलकर भारतीय सरकार पर दबाव डाला कि वह बंधकों के बदले भारतीय जेलों से तीन आतंकवादियों को रिहा कर दे। इब्राहिम अथर की मौत या गिरफ्तारी की पुष्टि करने वाली कोई विश्वसनीय सार्वजनिक रिपोर्ट नहीं है। अन्य अपहरणकर्ताओं की तरह, वह भी अपहरण संकट के बाद फरार रहा और इंटरपोल के रेड नोटिस और भारतीय जांच का विषय था। रिपोर्ट्स के अनुसार, वह पाकिस्तान में छिपा है, संभवतः पंजाब या खैबर पख्तूनख्वा में। सनी अहमद काज़ी उन पांच आतंकवादियों में से एक था जिन्होंने 24 दिसंबर 1999 को इंडियन एयरलाइंस की फ्लाइट आईसी814 का अपहरण किया था। सनी अहमद काज़ी उन पांच सशस्त्र अपहरणकर्ताओं में से एक था जिन्होंने विमान पर कब्ज़ा कर लिया था। अपहरण के दौरान, आतंकवादियों ने जेल में बंद आतंकवादियों की रिहाई की मांग की और यात्रियों और चालक दल को एक सप्ताह तक बंधक बनाकर रखा। विमान के अंदर, अपहरणकर्ताओं ने एक-दूसरे को संबोधित करने के लिए कोड नामों का इस्तेमाल किया। यात्रियों के बयानों और बाद की जांच रिपोर्टों के अनुसार, अपहरण के दौरान सनी अहमद काज़ी को 'बर्गर' कोड नाम से जाना जाता था। बाद में भारतीय अधिकारियों ने अपहरणकर्ताओं के लिए इंटरपोल रेड नोटिस जारी किया और सीबीआई (केंद्रीय जांच ब्यूरो) ने उन्हें वांछित अपराधियों की सूची में शामिल रखा। कुछ स्रोतों में उसे खैबर पख्तूनख्वा में छिपा बताया गया है।

भारतीय सरकार के आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, शाकिर सुक्कुर का जन्म स्थान पाकिस्तान का सुक्कुर शहर था। अपहरण के दौरान, आतंकवादियों ने एक-दूसरे से कोड नामों का इस्तेमाल किया। विमान में शाकिर को 'शंकर' कोड नाम से पुकारा जाता था - बंधकों ने उसे दूसरों से बात करते समय इसी नाम का इस्तेमाल करते हुए सुना था। बंधकों को मुक्त कराने के बाद, शाकिर और अन्य अपहरणकर्ता रिहा किए गए आतंकवादियों के साथ कंधार से चले गए। इस बात की पुष्टि करने वाला कोई भी सार्वजनिक रिकॉर्ड मौजूद नहीं है कि अपहरण के बाद शाकिर को कभी गिरफ्तार किया गया, मारा गया या न्याय के कटघरे में लाया गया।

माघ मेले में मोटर बोट प्रतिबंध के खिलाफ नाविकों का उबाल

मोटर बोट संचालन शुरू करने, टेंडर प्रथा खत्म करने और लाइसेंस जारी करने की मांग

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। माघ मेले में संगम क्षेत्र में मोटर बोट संचालन पर मेला प्रशासन द्वारा लगाए गए प्रतिबंध के खिलाफ अब नाविक मजदूर कल्याण समिति द्वारा संचालित मोटर बोट संचालक संघ खुलकर विरोध में उतर आया है। बुधवार को संघ के पदाधिकारियों ने इलेक्ट्रॉनिक मीडिया क्लब के नारद सभागार में प्रेस वार्ता कर सरकार और मेला प्रशासन पर गंभीर सवाल खड़े किए।

प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए मोटर बोट संचालक संघ के महासचिव जितेंद्र निषाद 'बजरंगी' ने कहा कि माघ मेला, कुंभ और महाकुंभ जैसे आयोजनों में निषाद समाज सदियों से संगम की सेवा करता आ रहा है, लेकिन आज उसी समाज को उसके पारंपरिक रोजगार से वंचित किया जा रहा है। उन्होंने मांग की कि संगम पर मोटर बोट संचालन तत्काल शुरू किया जाए और ई-टेंडर व टेंडर प्रणाली को पूरी तरह समाप्त किया जाए, क्योंकि टेंडर प्रथा से भ्रष्टाचार और माफिया को बढ़ावा मिलता है।

महासचिव ने कहा कि उत्तर प्रदेश के अन्य जिलों में मोटर बोट बिना किसी टेंडर व्यवस्था के संचालित हो रही हैं, फिर प्रयागराज में ही ऐसा भेदभाव क्यों। यदि सरकार मोटर बोट संचालकों को लाइसेंस जारी कर दे तो निषाद समाज के हजारों नाविकों को सीधे रोजगार मिलेगा और बिचौलियों की भूमिका समाप्त हो जाएगी। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि वर्तमान व्यवस्था में संगम पर आने वाले श्रद्धालुओं से मनमाना पैसा वसूला जा रहा है, जिसका लाभ

मजदूरों को नहीं मिल रहा।

संघ ने सुझाव दिया कि सरकार स्वयं किराया तय करे, उसका नियंत्रण अपने हाथ में रखे और लाइसेंस अथवा टोकन प्रणाली लागू करे, जिससे श्रद्धालुओं को राहत मिले और नाविकों को पूरी मजदूरी प्राप्त हो सके। इसके साथ ही गोताखोरों के कार्य को भी निषाद समाज को सौंपने की मांग की गई। बजरंगी ने कहा कि मेला क्षेत्र में संविदा पर रखे जाने वाले कई गोताखोर न तो प्रशिक्षित होते हैं और न ही अनुभवी, जबकि निषाद समाज के लोग पीढ़ियों से यह काम करते आ रहे हैं, फिर भी उन्हें नाममात्र की मजदूरी देकर हक से वंचित किया जा रहा है।

संघ पदाधिकारियों ने बताया कि मंगलवार को उन्होंने मेला प्राधिकरण के खिलाफ धरना देकर एसडीएम के माध्यम से मेला अधिकारी को ज्ञापन भी सौंपा था, लेकिन अब तक कोई ठोस आश्वासन नहीं मिला। पत्रकारों के सवालों के जवाब में महासचिव ने निषाद समाज से जुड़े प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री संजय निषाद पर भी निशाना साधते हुए कहा कि वे समाज के नेता नहीं, बल्कि अपने राजनीतिक स्वार्थ के लिए काम कर रहे हैं। मोटर बोट संचालक संघ ने स्पष्ट चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगें नहीं मानी गईं तो वे संवैधानिक तरीके से आंदोलन, धरना-प्रदर्शन और जनआंदोलन करेंगे। साथ ही जल्द ही उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात कर इस समस्या के समाधान की मांग करेंगे। संघ ने यह भी कहा कि यदि सरकार ने निषाद समाज की आवाज नहीं सुनी तो आने वाले चुनावों में समाज अपनी ताकत का एहसास वोट के जरिए कराएगा।

नाविकों की इस भावनात्मक अपील के साथ यह सवाल अब और गहराता जा रहा है कि संगम की सेवा करने वाला निषाद समाज आखिर कब तक अपने ही हक के लिए संघर्ष करता है?

थरवई में 24 प्रतिशत मतदाता घटे, मृतकों का सत्यापन पूरा

मंत्र भारत संवाददाता

थरवई (प्रयागराज)। थरवई क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय जगदीशपुर पूरे चंदा में बुधवार को विधानसभा मतदाता पुनरीक्षण सूची के सत्यापन के लिए नायब तहसीलदार नवाबगंज धीरज कुमार पटेल पहुंचे। सत्यापन के दौरान गांव पंचायत में मतदाताओं की संख्या में 24 प्रतिशत की कमी सामने आई।जांच में मृत मतदाताओं की संख्या 171 पाई गई, जिनका सत्यापन मौके पर किया गया। गांव पंचायत में कुल मतदाताओं की संख्या 3145 दर्ज है। सत्यापन के बाद मृत मतदाताओं की सूची ग्राम पंचायत भवन पर चस्पा कर दी गई, इस दौरान ग्राम प्रधान योगेश तिवारी, प्रधानाध्यापक अतुल मौर्य, वेदमनी पांडे, संगीता, देवी मंजू देवी सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। नायब तहसीलदार ने बीएलओ को निर्देश दिए कि पुनरीक्षण कार्य पूरी पारदर्शिता और सावधानी के साथ किया जाए।

कोहरे के कारण डंपर नहर में गिरा, दो घायल

मंत्र भारत संवाददाता

थरवई (प्रयागराज)। थरवई थाना क्षेत्र के पंडिला बाजार के समीप बुधवार भोर घने कोहरे के कारण एक डंपर अनियंत्रित होकर पुलिया की रेलिंग तोड़ते हुए नहर में जा गिरा। हादसे में डंपर चालक व खलासी घायल हो गए।

जानकारी के अनुसार डंपर गोंडा जिलेमें गिट्टी खाली करके प्रयागराज की ओर जा रहा था। घना कोहरा होने के कारण चालक को आगे का रास्ता साफ दिखाई नहीं दिया, जिससे डंपर पुलिया से टकराकर नहर में गिर गया। दुर्घटना में चालक रंजीत पाल (40) निवासी बडगोहना कला, थाना करछना तथा खलासी बुद्ध सेन निवासी संसारपुर, थाना कोरांव को चोटें आईं।

घटना की सूचना डायल 112 पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों घायलों को नजदीकी अस्पताल में उनका उपचार कराया गया। दोपहर बाद क्रेन की मदद से डंपर को नहर से बाहर निकाला गया।

सराय चंडी काशीपुर मेला ग्राउंड में आज विशाल हिंदू सम्मेलन

मंत्र भारत संवाददाता

थरवई (प्रयागराज)। थरवई क्षेत्र के सरायचंडी जयंतीपुर काशीपुर मेला ग्राउंड पर गुरुवार को दोपहर 1 बजे से विशाल हिंदू सम्मेलन का आयोजन किया गया है। सम्मेलन को लेकर क्षेत्र में तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जगतगुरु स्वामी राजकुमानंद जी महाराज होंगे, जबकि मुख्य वक्ता के रूप में शिव प्रकाश स्थाई अधिवक्ता उच्च न्यायालय उपस्थित रहेंगे। सम्मेलन की अध्यक्षता वेद प्रकाश मिश्रा प्रधानाचार्य करेंगे।

आयोजक मंडल के अनुसार सम्मेलन में समाज, संस्कृति और राष्ट्र से जुड़े विषयों पर विचार रखे जाएंगे। कार्यक्रम की जानकारी त्र्यंबकम मिश्रा ने दी। आयोजकों ने अधिक से अधिक संख्या में लोगों से सम्मेलन में पहुंचने की अपील की है।

मुक्त विश्वविद्यालय में अटल जन्मोत्सव की पूर्व संध्या पर राष्ट्रीय संगोष्ठी

अटल बिहारी ने भारत को वैश्विक परिदृश्य में नई पहचान दिलाई - प्रोफेसर तेज प्रताप सिंह

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के अटल बिहारी बाजपेयी सुशासन पीठ के तत्वावधान में भारतरत्न एवं पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेयी जी के 101वें जन्मोत्सव के अवसर पर बुधवार को अटल जी की वैश्विक दृष्टि विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

संगोष्ठी के मुख्य वक्ता प्रोफेसर तेज प्रताप सिंह, आचार्य, राजनीतिशास्त्र विभाग, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी ने अपने उद्बोधन में अटल जी के व्यक्तित्व, कृतित्व और वैश्विक दृष्टि पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि अटल जी एक पॉलिटीशियन से ज्यादा एक स्टेट्समैन थे। उन्होंने बताया कि अटल जी ने अपने 65 वर्ष के राजनीतिक जीवन में से लगभग 57 वर्ष विपक्ष में एक सक्रिय भूमिका का निर्वाहन किया जो उनके शांत एवं धैर्यशील व्यक्तित्व का परिचायक है। उन्होंने कहा कि अटल जी ने विश्व में गुटनिरपेक्ष नीति का पुनः प्रतिनिधित्व किया। प्रोफेसर सिंह ने बताया कि अटल जी एक सहृदय प्रधानमंत्री थे परन्तु राष्ट्रहित में

आवश्यकता पड़ने पर उन्होंने कड़े निर्णय भी लिए। उनके द्वारा लिए गए निर्णयों ने भारत को वैश्विक परिदृश्य में एक नई पहचान दिलाई जो आज मुखर रूप से प्रदर्शित होती है।

संगोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने कहा कि किसी भी राष्ट्र या संस्था का निर्माण व्यक्ति आश्रित होता है। भारत राष्ट्र के निर्माण में भारतरत्न श्री अटल बिहारी बाजपेयी जी अपने नाम के ही अनुरूप अटल आश्रय की भूमिका का निर्वहन किया। उन्होंने कहा कि यह अटल जी की विश्व दृष्टि थी जिसने भारत को स्थिर राष्ट्र के रूप में स्थापित किया। उन्होंने अटल जी की काव्य लेखन को राष्ट्र प्रेम से प्रेरित बताते उनकी कविताओं की तुलना राष्ट्रकवि दिनकर जी की कविताओं से की। इसी क्रम में उन्होंने अटल जी को क्षमा, धैर्य एवं साहस की प्रतिमूर्ति बताते हुए राष्ट्र सेवा में उनके योगदान के प्रति कृतज्ञता प्रकट की।

इससे पूर्व कार्यक्रम अटल जी पर एक डाक्यूमेंट्री वृत्तचित्र को देखकर उनके व्यक्तित्व एवं कृत्तित्व को याद किया गया। कार्यक्रम का संचालन समाज विज्ञान विद्याशाखा के सहायक निदेशक एवं सहायक आचार्य डॉ त्रिविक्रम तिवारी ने एवं धन्यवाद ज्ञापन विश्वविद्यालय के कुलसचिव श्री विनय कुमार ने किया। संगोष्ठी के संयोजक अटल सुशासन पीठ के सह निदेशक प्रोफेसर आनन्दानन्द त्रिपाठी ने अतिथियों का स्वागत एवं विषय प्रवर्तन किया। संगोष्ठी में विश्वविद्यालय के समस्त विद्याशाखाओं के निदेशक आचार्य, सहआचार्य, सहायक आचार्य, शोधार्थी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। 25 दिसंबर को पूर्वाह्न 8:45 बजे सरस्वती परिसर स्थित अटल प्रेक्षागृह में अटल जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कार्यक्रम का आयोजन किया गया है

जिला कारागार का अधिकारियों ने किया निरीक्षण

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले के जिला जज, सीजेएम, जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक द्वारा संयुक्त रूप से जिला कारागार का निरीक्षण किया । इस दौरान भोजनालय, बैरकों तथा बन्दियों का गहन निरीक्षण किया गया । जेल अधीक्षक सिद्धार्थनगर द्वारा बताया गया कि नियमित रूप से उनके व जेल स्टाफ द्वारा जेल की चेकिंग की जाती है । जिला कारागार सिद्धार्थनगर मे निरीक्षण के समय सभी व्यवस्थाएं सन्तोषजनक पायी गयी । जेल के अंदर कोई भी प्रतिबंधित सामग्री ना जाए इसके लिए संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए । साथ ही जिला कारागार में आने वाले प्रत्येक नये कैदियों का जेल चिकित्सकों द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण कराया जाए । पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा जिला कारागार अधीक्षक को निर्देशित किया गया कि नियमित रूप से कारागार का निरीक्षण करते रहे व निरूद्ध बन्दियों पर विशेष सतर्क दृष्टि रखे एवं आवश्यकतानुसार समय-समय पर कारागार मे निरूद्ध बन्दियों की गतिविधियों के सम्बन्ध मे जानकारी देते रहें।

उपकरण पाकर दिव्यांग बच्चों के चेहरे पर फैली मुस्कान

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। राज्य परियोजना निदेशक, समग्र शिक्षा उत्तर प्रदेश, लखनऊ के आदेशों के क्रम में जनपद प्रयागराज के यमुनापार क्षेत्र के समस्त विकास खंडों के दिव्यांग बच्चों हेतु जनपद स्तरीय दिव्यांग उपकरण वितरण शिविर का आयोजन बीआरसी जसरा में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि उपजिलाधिकारी बारा प्रेरणा गौतम एवं विशिष्ट अतिथि जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अनिल कुमार द्वारा माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया। कार्यक्रम की विस्तृत रूपरेखा एवं उद्देश्य पर प्रकाश जिला समन्वयक समेकित शिक्षा विकास पाण्डेय द्वारा डाला गया।इस अवसर पर 231 दिव्यांग बच्चों को उनकी आवश्यकता के अनुसार ट्राई साइकिल, व्हीलचेयर, हियरिंग एड, कैलिपर्स, सीपी चेयर, रोलेटर एवं बैसाखी आदि सहायक उपकरण वितरित किए गए। उपकरण वितरण में एलिम्को कानपुर की टीम, विशेष रूप से रामानंद कुमार द्वारा सराहनीय सहयोग प्रदान किया गया। समाजसेवी रमाशंकर

प्रजापति का सहयोग उल्लेखनीय रहा।उन्होंने दिव्यांग बच्चों के सामाजिक समावेशन, जागरूकता एवं पुनर्वास के प्रयासों को सराहते हुए भविष्य में भी हर संभव सहयोग देने का आश्वासन दिया।मुख्य अतिथि प्रेरणा गौतम ने अपने संबोधन में कहा कि शासन की योजनाओं का वास्तविक लाभ अंतिम पंक्ति के पात्र व्यक्ति तक पहुँचे, यही हमारा संकल्प है। दिव्यांग बच्चों के सर्वांगीण विकास हेतु प्रशासन हर संभव सहयोग प्रदान करेगा।उप जिलाधिकारी बारा द्वारा भविष्य में ऐसे कार्यक्रमों को और अधिक प्रभावी ढंग से संचालित करने हेतु पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया गया।जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अनिल कुमार ने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप प्रत्येक दिव्यांग बच्चे को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ना हमारी प्राथमिकता है। समेकित शिक्षा के अंतर्गत संचालित सभी योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक बच्चों तक पहुँचाया जाएगा।जिला समन्वयक समेकित शिक्षा विकास पाण्डेय ने अपने वक्तव्य में कहा कि 'दिव्यांग बच्चे किसी भी दृष्टि से सामान्य बच्चों से कम नहीं हैं। आवश्यकता है उनके अभिभावकों को जागरूक करने की, ताकि दिव्यांग प्रमाण पत्र बनवाकर बच्चे शासन की योजनाओं का समुचित लाभ प्राप्त कर सकें।कार्यक्रम का आयोजन खंड शिक्षा अधिकारी जसरा अखिलेश वर्मा की देखरेख में किया गया। उन्होंने कहा कि खंड स्तर पर दिव्यांग बच्चों की पहचान, सहायता एवं पुनर्वास हेतु ऐसे शिविर अत्यंत उपयोगी सिद्ध हो रहे हैं।कार्यक्रम का सफल संचालन कंपोजिट विद्यालय सुजौना के सहायक अध्यापक भारतेन्द्र त्रिपाठी द्वारा किया गया। इस अवस बीआरसी स्टाफ एवं जनपद के सभी स्पेशल एजुकेटर्स का विशेष सहयोग रहा।उपकरण पाकर दिव्यांग बच्चों के चेहरों पर खुशी साफ झलक रही थी, जिससे कार्यक्रम की सार्थकता सिद्ध हुई।

आईजीआरएस की शिकायत पर डीएम ने किया स्थलीय निरीक्षण

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले में आईजीएस की पर प्राप्त शिकायत शिवशंकर पुत्र स्व0 भारत साकिन विनयका टोला बड़हराडीह, मधुकरपुर सिद्धार्थनगर के संयुक्त आराजी गाटा संख्या 508 व 519 की मिट्टी शिकायतकर्ता के बिना अनुमति के उनके चाचा द्वारा मिट्टी ठेकेदार को बेचे जाने का शिकायत किया गया था। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन द्वारा उक्त शिकायत का मौके पर जाकर स्थलीय निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान दोनों पक्ष उपस्थित थे। जिलाधिकारी द्वारा हल्का लेखपाल एवं कानूनगो से आवश्यक जानकारी प्राप्त किया गया। जिलाधिकारी द्वारा शिकायतकर्ता को अवगत कराया कि आपस में मारपीट न करें, प्रकरण बंटवारा से सम्बंधित है उपजिलाधिकारी के कोर्ट में धारा 116 का वाद दाखिल कर अनुतोष(लाभ) प्राप्त करें। जिलाधिकारी ने उपजिलाधिकारी नौगढ़ को निर्देश दिया कि इस प्रकरण को प्राथमिकता के आधार पर सुनवाई किया जाये। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी के साथ नायब तहसीलदार नौगढ़, हल्का लेखपाल एवं कानूनगो उपस्थित थे।

लाइन सभागार में सैनिक सम्मेलन में डीआईजी ने लिया हिस्सा और थाने का किया निरीक्षण

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जनपद में पुलिस उपमहानिरीक्षक, बस्ती परिक्षेत्र बस्ती संजीव त्यागी द्वारा पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थनगर डॉ0 अभिषेक महाजन के साथ पुलिस लाइन सभागार में सैनिक सम्मेलन किया गया। सम्मेलन के दौरान पुलिसकर्मियों की व्यक्तिगत, पारिवारिक एवं विभागीय समस्याओं को गंभीरता से सुनकर उनके शीघ्र व न्यायोचित निस्तारण हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिया गया।डीआईजी बस्ती द्वारा सम्मेलन में उपस्थित पुलिसकर्मियों से संवाद करते हुए अनुशासन, कर्तव्यनिष्ठा एवं जनसेवा को सर्वोपरि रखने हेतु बताया गया । उन्होंने कहा कि पुलिसकर्मियों का मनोबल एवं कल्याण सर्वोच्च प्राथमिकता है और उनकी समस्याओं के समाधान के लिए विभाग सदैव संवेदनशील है । साथ ही उत्कृष्ट कार्य करने वाले पुलिसकर्मियों की सराहना कर उन्हें प्रोत्साहित किया गया।

तत्पश्चात थाना कोतवाली सिद्धार्थनगर का औचक निरीक्षण किया गया । निरीक्षण के दौरान थाना कार्यालय, मालखाना, साइबर हेल्पडेस्क, मिशन शक्ति केन्द्र, सीसीटीएनएस कार्यालय, बंदीगृह थाना

परिसर आदि का निरीक्षण किया गया एवं थाना कार्यालय के अभिलेखों का निरीक्षण कर सभी प्रविष्टियां अद्यावधिक करने, कार्यालय/थाना परिसर की साफ सफाई प्रतिदिन कराने, लंबित विवेचनाओं/एहकामातों के समयबद्ध निस्तारण कराने, मिशन शक्ति केन्द्र व साइबर सेल के कार्यो मे विशेष रुचि लेकर त्वरित कार्यवाही करने तथा थाना परिसर में खड़े माल मुक़दमाती, लावारिस आदि वाहनों का निस्तारण ऑपरेशन क्लीन के तहत कराने हेतु संबंधित को निर्देशित किया गया । निरीक्षण केदौरान प्रशान्त कुमार प्रसाद अपर पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थनगर, विश्वजीत सौरयान सहायक पुलिस अधीक्षक/क्षेत्राधिकारी सदर व दुर्गा प्रसाद प्रभारी निरीक्षक सिद्धार्थनगर व अन्य अधिकारी/कर्मचारीगण मौजूद रहे।

कड़ाके की ठंड से बचने के लिए जिलाधिकारी ने दिव्यांग को दिए कंबल

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले के जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन अपने कक्ष में जनसुनवाई कर रहे थे। जनसुनवाई के दौरान एक दिव्यांग व्यक्ति अपनी शिकायत लेकर जिलाधिकारी के पास पहुंचा। अत्यधिक ठंड होने के कारण जिलाधिकारी द्वारा दिव्यांग व्यक्ति को कम्बल दिया गया तथा सम्बंधित अधिकारी को शिकायत का त्वरित निस्तारण कराने का निर्देश दिया गया। जिलाधिकारी ने समस्त उपजिलाधिकारी को निर्देश दिया कि अत्यधिक ठंड के दृष्टिगत सभी निःशुल्क रैन बसेरों का निरीक्षण करें तथा गरीबों व असहाय व्यक्तियों में कम्बल का वितरण करायें। प्रमुख जगहों पर अलाव जलवायें।

महावीर मार्ग से संगम तट तक बढ़ी कटान, अफसर परेशान

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। नौ दिन बाद शुरू हो रहे माघ मेले की तैयारियों को बुधवार को अफसरों ने देखा तो महावीर मार्ग से संगम तट तक की कटान ने उन्हें परेशान कर दिया। किसी भी स्नान पर्व के दिन यही घाट सबसे अधिक भीड़ वाले होते हैं। सिंचाई विभाग ने यहां पर 30 फीट के दायरे में बोरियां रखी थीं, जिसे व्यवस्थित नहीं किया गया था। कटान बढ़ने के कारण बोरिया डूब गईं। अफसरों ने तत्काल इसे व्यवस्थित करने और कटान रोकने के निर्देश दिए। पुलिस आयुक्त जोगेंद्र कुमार, डीएम मनीष कुमार वर्मा, मेलाधिकारी ऋषिराज, नगर आयुक्त सीलम सांई तेजा, अपर पुलिस आयुक्त डॉ. अजय पाल शर्मा बुधवार को मेला क्षेत्र पहुंचे।

संत-महात्माओं को विद्युत, पेयजल, शौचालय, साफ-सफाई अन्य सुविधाओं की उपलब्धता की स्थिति व अन्य व्यवस्थाओं को देखा। उन्होंने सेक्टर-चार में महावीर पांटून पुल के पास गंगा कटान कटान का निरीक्षण सिंचाई विभाग के अभियंता को निर्देश दिया कि इस पर काम करें। इसके बाद अफसर

कंट्रोल एंड कमांड सेंटर पहुंचे और यहां पर सीसीटीवी कैमरों को देखा। कंट्रोल रूम में ऐसे अफसरों को तैनात करने के निर्देश दिए, जिन्हें कंप्यूटर की जानकारी हो। जो शहर के अलग-अलग स्थानों पर लगाए गए कैमरों को देखकर उसकी स्थिति के बारे में जानकारी रखें और अफसरों को अग्रसारित करें, जिससे भीड़ वाले दिन परेशानी न हो। कंट्रोल रूम में बने रेडियो कक्ष में थाने, चौकियों एवं स्वास्थ्य सुविधाओं की अद्यतन लिस्ट भी चस्पा कराने के निर्देश दिए। इसके पहले भीड़ प्रबंधन पर पुलिस अफसरों के साथ बैठक भी की। इस दौरान एडीएम सिटी सत्यम मिश्र व एसपी मेला नीरज पांडेय मौजूद रहे।

भिवंडी मनपा चुनाव में इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों पर विज्ञापन के लिए पूर्व प्रमाणन अनिवार्य

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी-निजामपुर शहर महानगरपालिका की सार्वत्रिक चुनाव 2025-26 के मद्देनजर राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों द्वारा प्रचार और प्रसार के लिए विभिन्न माध्यमों का उपयोग किया जाएगा। इस दौरान आदर्श आचार संहिता का पालन सुनिश्चित करने के लिए राज्य निर्वाचन आयोग महाराष्ट्र द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों पर प्रसारित होने वाले सभी विज्ञापनों के लिए पूर्व प्रमाणन अनिवार्य कर दिया गया है।

राज्य निर्वाचन आयोग की 9 अक्टूबर 2025 की अधिसूचना 'निर्वाचन प्रयोजनार्थ प्रसारमाध्यम संनियंत्रण व विज्ञापन प्रमाणन आदेश 2025' के तहत भिवंडी महानगरपालिका की ओर से आवश्यक कार्यवाही की जाएगी। इसके तहत महानगरपालिका स्तर पर मीडिया प्रमाणन एवं संनियंत्रण समिति का गठन किया गया है।यह समिति चुनाव अधिकारी एवं आयुक्त अनमोल सागर की अध्यक्षता में गठित की गई है। समिति में पुलिस उपायुक्त शशिकांत बोराटे, उपायुक्त (निर्वाचन) विक्रम दराडे और संबंधित निर्वाचन निर्णय अधिकारी सदस्य के रूप में शामिल हैं, जबकि जनसंपर्क अधिकारी श्रीकांत परदेशी को सदस्य सचिव नियुक्त किया गया है।निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान यदि कोई राजनीतिक दल या उम्मीदवार दूरदर्शन, उपग्रह चैनल, केबल टीवी, यूट्यूब चैनल, केबल नेटवर्क, आकाशवाणी, निजी एफएम चैनल, सिनेमा हॉल, सार्वजनिक स्थलों पर ऑडियो-वीडियो डिस्प्ले, ई-अखबार, बल्क एसएमएस, वॉयस एसएमएस, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म या वेबसाइट जैसे किसी भी इलेक्ट्रॉनिक माध्यम के जरिए विज्ञापन प्रसारित या प्रकाशित करना चाहता है, तो उसे पहले समिति से अनुमति यानी पूर्व प्रमाणन लेना होगा। बिना पूर्व प्रमाणन के किसी भी प्रकार का विज्ञापन प्रसारित या प्रकाशित नहीं किया जा सकेगा।

विज्ञापन के पूर्व प्रमाणन के लिए प्रस्तावित प्रसारण या प्रकाशन की तारीख से कम से कम पांच कार्यदिवस पहले 'परिशिष्ट-4' के अनुसार आवेदन करना अनिवार्य होगा। आवेदन पत्र भिवंडी निजामपुर शहर महानगरपालिका मुख्यालय के दूसरे तल पर स्थित कक्ष क्रमांक 211 में मीडिया मॉनिटरिंग कक्ष में उपलब्ध रहेगा। वहीं आवश्यक दस्तावेजों के साथ आवेदन जमा करना होगा। आवेदन के साथ विज्ञापन की इलेक्ट्रॉनिक प्रति दो पेन ड्राइव में, साथ ही राजनीतिक दल के पदाधिकारी या उम्मीदवार द्वारा सत्यापित दो मुद्रित प्रतियां भी जमा करनी होंगी। चुनावी विज्ञापन पर किया गया खर्च यदि राजनीतिक दल द्वारा किया गया है तो उसे पार्टी के चुनावी खर्च में और यदि उम्मीदवार द्वारा किया गया है तो उम्मीदवार के चुनाव खर्च में शामिल करना अनिवार्य होगा।

निर्वाचन आयोग के निर्देशों के अनुसार कुछ प्रकार की सामग्री वाले विज्ञापनों का प्रसारण पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। इनमें संविधान या कानूनों का उल्लंघन, धर्म-जाति-भाषा के आधार पर वैमनस्य फैलाने वाली सामग्री, धार्मिक स्थलों के चित्र, हिंसा को बढ़ावा, कानून-व्यवस्था को चुनौती, मानहानि, देश की एकता और संप्रभुता को नुकसान पहुंचाने वाली बातें, रक्षा बलों से जुड़ी सामग्री, झूठे आरोप, निजी जीवन में हस्तक्षेप, अश्लीलता और नैतिकता के विरुद्ध सामग्री शामिल है। ऐसे किसी भी विज्ञापन का पूर्व प्रमाणन नहीं किया जाएगा।

चुनाव विज्ञापन से जुड़े सभी भुगतान चेक, ड्राफ्ट या ऑनलाइन माध्यम से ही किए जाएंगे। किसी भी स्थिति में नकद भुगतान स्वीकार नहीं किया जाएगा। मराठी, हिन्दी और अंग्रेजी के अलावा अन्य भाषा में तैयार विज्ञापन के लिए उस विज्ञापन की दो इलेक्ट्रॉनिक प्रतियों के साथ उसका मराठी, हिन्दी या अंग्रेजी में सत्यापित अनुवाद और नोटराइज्ड शपथपत्र प्रस्तुत करना आवश्यक होगा। चुनाव विभाग के अनुसार, आवेदन प्राप्त होने के तीन कार्यदिवस के भीतर समिति उस पर निर्णय लेगी। यदि समिति विज्ञापन में किसी प्रकार के संशोधन या बदलाव का सुझाव देती है तो उसका पालन करना संबंधित दल या उम्मीदवार के लिए अनिवार्य होगा। बिना पूर्व प्रमाणन वाले विज्ञापनों का किसी भी माध्यम द्वारा प्रसारण या प्रकाशन नहीं किया जा सकेगा।गौरतलब है कि भिवंडी निजामपुर शहर महानगरपालिका का मतदान 15 जनवरी 2026 को होना है। चुनाव को स्वतंत्र, निष्पक्ष, पारदर्शी और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए राज्य निर्वाचन आयोग ने सभी राजनीतिक दलों, उम्मीदवारों और प्रचार माध्यमों से निर्धारित नियमों का सख्ती से पालन करने की अपील की है।

भिवंडी मनपा चुनाव के दूसरे दिन 556 नामांकन फार्म बिके, 1 नामांकन दाखिल

भिवंडी। भिवंडी निजामपुर शहर महानगरपालिका की सार्वत्रिक चुनाव प्रक्रिया के तहत नामांकन दाखिल करने की प्रक्रिया दूसरे दिन भी जारी रही। बुधवार, 24 दिसंबर को विभिन्न निर्वाचन अधिकारी कार्यालयों में कुल 556 नामांकन फार्मों की बिक्री हुई, जबकि 1 उम्मीदवार ने अपने नामांकन पत्र दाखिल किए। चुनाव विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार, सात निर्वाचन अधिकारी कार्यालयों में नामांकन फार्मों की बिक्री हुई। निर्वाचन अधिकारी

क्रमांक 4 के कार्यालय में सबसे अधिक 147 फार्म बिके। इसके अलावा निर्वाचन अधिकारी क्रमांक 3 में 70, क्रमांक 7 में 79, क्रमांक 5 में 78, क्रमांक 6 में 41, क्रमांक 2 में 91 और निर्वाचन अधिकारी क्रमांक 1 के कार्यालय में 50 फार्मों की बिक्री दर्ज की गई।

नामांकन दाखिल करने के मामले में दूसरे दिन 1 नामांकन पत्र दाखिल किए गए, जो निर्वाचन अधिकारी क्रमांक 6 के कार्यालय में जमा हुए। शेष निर्वाचन कार्यालयों में इस दिन कोई नामांकन दाखिल नहीं किया गया।

गौरतलब है कि नामांकन प्रक्रिया के पहले दिन 496 उम्मीदवारों ने नामांकन फार्म भरे थे। इसके साथ ही अब तक दो दिनों में कुल 1,052 नामांकन फार्मों की बिक्री हो चुकी है। पालिका चुनाव को लेकर राजनीतिक दलों के साथ-साथ संभावित उम्मीदवारों की सक्रियता बढ़ती जा रही है। चुनावी प्रक्रिया आगे बढ़ने के साथ आने वाले दिनों में नामांकन दाखिल करने वालों की संख्या में इजाफा होने की संभावना जताई जा रही है।

भिवंडी में आचार संहिता के दौरान 8.28 लाख रुपये नकद जब्त

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी निजामपुर शहर महानगरपालिका की सार्वत्रिक चुनाव प्रक्रिया के तहत लागू आदर्श आचार संहिता के दौरान निगरानी दल ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 8.28 लाख रुपये की नकद राशि जब्त की है। यह कार्रवाई 23 दिसंबर की शाम नदीनाका परिसर में की गई।

चुनाव विभाग से मिली जानकारी के अनुसार, स्थिर निगरानी दल ने शाम 6.38 बजे जांच के दौरान एक चार पहिया वाहन किया सेल्टॉस कार क्रमांक एमएच 48 डीडी 9324) को रोका। वाहन की तलाशी लेने पर उसमें 8 लाख 28 हजार 900 रुपये की नकद राशि पाई गई। जांच के दौरान संबंधित व्यक्तियों से नकदी के संबंध में पूछताछ की गई, लेकिन वे न तो कोई संतोषजनक जवाब दे सके और न ही वैध दस्तावेज प्रस्तुत कर पाए। इसके बाद दो पंचों की मौजूदगी में पंचनामा कर नकद राशि जब्त कर ली गई। आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए यह राशि निजामपुर पुलिस थाने के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक को सौंप दी गई है।

यह कार्रवाई आचार संहिता पथक प्रमुख एवं अतिरिक्त आयुक्त विठ्ठल डाके के मार्गदर्शन में की गई। इस दौरान सहायक पथक प्रमुख समीर जवरे और शाकीब खर्बे के साथ पथक प्रमुख गौतम आनंद भालेराव, पुलिस हवलदार मारोती भागोजी भारती, निखिल सालवे, एजाज शेख और मनोज गुज्जा मौजूद थे। नगरपालिका चुनाव के मद्देनजर प्रशासन द्वारा आचार संहिता के पालन को लेकर निगरानी सख्त कर दी गई है। चुनाव विभाग ने स्पष्ट किया है कि नियमों के उल्लंघन पर इसी तरह सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

भिवंडी मनपा चुनाव में उम्मीदवारों के बीच PA की मांग बढ़ी...

एक- दो पीए से भी समय पर नहीं हो पा रहा काम

भिवंडी।भिवंडी महानगरपालिका चुनाव का बिगुल बजते ही शहर का सियासी माहौल पूरी तरह गरमा गया है। चुनाव आयोग द्वारा अधिसूचना जारी किए जाने के साथ ही इच्छुक उम्मीदवारों की गतिविधियां तेज हो गई हैं। नामांकन प्रक्रिया से पहले विभिन्न प्रकार की एनओसी (अनापत्ति प्रमाण पत्र) और दस्तावेज जुटाने की अनिवार्यता ने उम्मीदवारों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। इसका सीधा असर यह देखने को मिल रहा है कि पालिका के अलग-अलग विभागों में सुबह से शाम तक उम्मीदवारों और उनके समर्थकों की भीड़ लगी हुई है। चुनाव आयोग द्वारा संपत्ति कर, पानी कर, निर्माण विभाग, अग्निशमन, स्वास्थ्य, नगर रचना विभाग सहित कई विभागों से एनओसी अनिवार्य किए जाने के कारण उम्मीदवारों को लगातार दफ्तरों के चक्कर काटने पड़ रहे हैं।,खासकर पहली बार चुनाव लड़ने वाले इच्छुक उम्मीदवारों के लिए यह प्रक्रिया काफी जटिल साबित हो रही है। इस बीच एक नया चलन भी सामने आया है। धनाढ्य और प्रभावशाली उम्मीदवारों ने अपने चुनावी प्रबंधन को सुचारू रूप से चलाने के लिए पर्सनल असिस्टेंट की नियुक्ति शुरू कर दी है। ये PA उम्मीदवारों के लिए दस्तावेज तैयार करने, फॉर्म भरने, विभागों में फाइल जमा करने, अधिकारियों से समन्वय रखने और समय पर एनओसी हासिल करने की जिम्मेदारी निभा रहे हैं।

हालांकि, काम का दबाव इतना अधिक है कि एक PA भी उम्मीदवार के लिए नाकाफी साबित हो रहा है। ऐसे में कुछ उम्मीदवारों ने अतिरिक्त PA या सहायक रखने शुरू कर दिए हैं। सूत्रों के अनुसार, चुनावी सीजन को देखते हुए अनुभवी PA की मांग अचानक बढ़ गई है और कई जगहों पर इनके पारिश्रमिक में भी इजाफा हुआ है।

पालिका परिसर में सक्रिय लोगों का कहना है कि इस बार चुनावी प्रक्रिया पहले की तुलना में अधिक कागजी और तकनीकी हो गई है। हर विभाग की अपनी शर्तें और समयसीमा होने के कारण उम्मीदवारों को संगठित ढंग से काम करना पड़ रहा है। इसी वजह से पेशेवर ढंग से काम करने वाले PA और चुनावी मैनेजरों की भूमिका अहम हो गई है। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि आने वाले दिनों में जैसे-जैसे नामांकन की अंतिम तारीख नजदीक आएगी, उम्मीदवारों की भागदौड़ और बढ़ेगी। इसके साथ ही PA , चुनावी सलाहकार और दस्तावेज विशेषज्ञों की मांग भी और तेज होने की संभावना है। कुल मिलाकर, भिवंडी मनपा चुनाव ने न केवल सियासी सरगर्मी बढ़ाई है, बल्कि इससे जुड़ी एक नई 'चुनावी अर्थव्यवस्था' को भी जन्म दे दिया है, जिसमें PA और चुनावी सहयोगियों की भूमिका अब बेहद महत्वपूर्ण होती जा रही है।

नारपोली में धारदार हथियार के साथ तड़ीपार आरोपी गिरफ्तार, पुलिस ने किया हथियार जब्त

निषेधाज्ञा के उल्लंघन का मामला, गंभीर धाराओं में केस दर्ज

भिवंडी। नारपोली इलाके में पुलिस ने धारदार हथियार लेकर सार्वजनिक स्थान पर घूम रहे एक तड़ीपार युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ शस्त्र अधिनियम और महाराष्ट्र पुलिस अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार, चौथानी कंपाउंड, पानी टंकी के पास नारपोली क्षेत्र में आरोपी रमजानअली इसा अहमद अंसारी उर्फ गुड्डू जिलेबी (34) संदिग्ध अवस्था में देखा गया। सूचना के आधार पर मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने उसे रोका और तलाशी के दौरान उसके पास से करीब 500 रुपये कीमत का लोहे का धारदार चाकू बरामद किया। जांच में सामने आया कि आरोपी के खिलाफ पहले से निषेधाज्ञा (बंदी आदेश) लागू थी, इसके बावजूद वह सार्वजनिक स्थान पर हथियार लेकर घूम रहा था, जिससे आम नागरिकों में भय का माहौल बन सकता था। पुलिस का कहना है कि आरोपी की गतिविधियां कानून-व्यवस्था के लिए खतरा थीं। इस मामले में नारपोली पुलिस स्टेशन में भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के साथ शस्त्र अधिनियम की धारा 4 और 25 तथा महाराष्ट्र पुलिस अधिनियम की धारा 142 के तहत अपराध दर्ज किया गया है। पुलिस ने हथियार जब्त कर आरोपी को हिरासत में ले लिया है। फिलहाल मामले की आगे की जांच जारी है।

पानीपुरी खाने गई 16 वर्षीय लड़की लापता

भिवंडी। शहर के एक पोश इलाके से 16 साल की एक लड़की के लापता होने का मामला सामने आया है। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया है। इस संबंध में शांतीनगर पुलिस स्टेशन में अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ अपहरण का मामला दर्ज किया गया है।

पुलिस के अनुसार, शिकायतकर्ता अपहृत की मॉ ने शांतिनगर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज करवाई है कि 4 दिसंबर 2025 की शाम करीब 7 बजे 'पानीपुरी' खाने के लिए गई थी। काफी देर तक लड़की वापस नहीं लौटी तो परिजनों ने आसपास तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। शिकायत के आधार पर अज्ञात आरोपी के खिलाफ बीएनएस की धारा 137(2) के तहत अपराध दर्ज कर लिया गया है। पुलिस टीम ने इलाके के सीसीटीवी फुटेज खंगालने के साथ-साथ स्थानीय लोगों से पूछताछ शुरू कर दी है। बच्ची की सुरक्षित बरामदगी के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं।

भिवंडी में बिजली चोरी का बड़ा मामला

दो अलग-अलग मामलों में एफआईआर दर्ज

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी। भिवंडी क्षेत्र में बिजली चोरी के दो गंभीर मामले सामने आए हैं। शांति नगर पुलिस स्टेशन में विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 135 के तहत अलग-अलग आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है।

पहले मामले में टोरेंट पॉवर कंपनी के एक्जीक्यूटिव अधिकारी किशोर दादाराव पगारे व उनकी टीम ने जांच के दौरान पाया कि बंगालपुरा निवासी शहिद अली मजिदी और अब्दुल रहेमान असगर अली ने अपने आर्थिक लाभ के लिए सेक्शन पीलर व मीटर से छेड़छाड़ कर अवैध रूप से बिजली का उपयोग किया। जांच में सामने आया कि दोनों ने करीब 6,024 यूनिट बिजली की चोरी की, जिससे बिजली कंपनी को 1,67,823.16 रुपये का नुकसान हुआ, दूसरे मामले में, गुलजार नगर, ग्यासूद्दीन अपार्टमेंट के उपभोक्ता सत्तार अब्बास शेख, समीर सत्तार शेख ने बिना अधिकृत कनेक्शन के सीधे बिजली लाइन से अवैध रूप से विद्युत आपूर्ति ली। इस प्रकरण में लगभग 4,039 यूनिट बिजली की चोरी का अनुमान लगाया गया है। जिससे लगभग 83459.46 रूपये का नुकसान हुआ है।

शिकायत टोरेंट पॉवर कंपनी व्यवस्थापक हितेश अशोक कुमार सुतार द्वारा दर्ज कराई गई है। दोनों मामलों में पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ विद्युत अधिनियम के तहत अपराध पंजीबद्ध कर लिया है। फिलहाल मामलों की जांच जारी है और आगे की कार्रवाई की जा रही है।

भिवंडी कोर्ट परिसर में हंगामा, गांजा तस्करी के आरोपी ने पेशी के दौरान मचाया उत्पात

पुलिस से धक्का-मुक्की और धमकी, दो आरोपी गिरफ्तार

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी। भिवंडी कोर्ट परिसर में उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब गांजा तस्करी के आरोप में गिरफ्तार आरोपी को पुलिस अदालत में पेश करने लाई थी। शांतिनगर पुलिस द्वारा हिरासत में लिया गया आरोपी कोर्ट परिसर के बाहर अचानक उग्र हो गया और हंगामा करने लगा। इस दौरान आरोपी ने पुलिसकर्मियों से धक्का-मुक्की की और सरकारी काम में बाधा डालने का प्रयास किया। पुलिस के अनुसार, 22 दिसंबर को शांतिनगर पुलिस ने गांजा तस्करी के आरोप में नरेश अनिल गोयल (19) निवासी हनुमान नगर, कामतघर, अभिषेक देशमुख और हाशिम शब्बीर सैदू (38) निवासी सरपंच इरफान शेख का घर, महापोली गांव, भिवंडी को गिरफ्तार किया था। तीनों आरोपियों को औपचारिक पेशी के लिए भिवंडी अदालत लाया गया था।बताया जा रहा है कि जैसे ही पुलिस टीम आरोपियों को कोर्ट परिसर के बाहर लेकर पहुंची, उसी दौरान नरेश अनिल गोयल ने शोर-शराबा शुरू कर दिया। आरोपी ने पुलिसकर्मियों से बहस की, गाली-गलौज की और लोगों की भीड़ इकट्ठा करने की कोशिश की। इस दौरान कुछ समय के लिए अदालत परिसर के बाहर तनाव का माहौल बन गया।एफआईआर के मुताबिक, आरोपी ने पुलिस कर्मचारियों को धक्का दिया और जान से मारने की धमकी भी दी। आरोपी के हंगामे के चलते कुछ देर के लिए अदालत परिसर की व्यवस्था प्रभावित हुई। मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने स्थिति को संभालते हुए आरोपी को नियंत्रित किया और उसे अदालत के भीतर पेश किया।इससे पहले पुलिस द्वारा की गई तलाशी में नरेश अनिल गोयल के पास से 25 ग्राम और हाशिम शब्बीर सैयद के पास से 59 ग्राम गांजा बरामद किया गया था। जब्त किए गए गांजे की अनुमानित कीमत करीब 8,500 रुपये बताई गई है।शांतिनगर पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 132, 352, 351(2), 3(5) के साथ एनडीपीएस एक्ट 1985 की धारा 8(क), 20(ख)(अ) और क्रिमिनल अमेंडमेंट एक्ट की धारा 7 के तहत मामला दर्ज किया है।पुलिस सूत्रों का कहना है कि अदालत परिसर की सुरक्षा व्यवस्था से किसी भी तरह का समझौता नहीं किया जाएगा। नशे के कारोबार और कानून व्यवस्था भंग करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। मामले की जांच सहायक पुलिस निरीक्षक योगेश गायकर कर रहे है।

कोपर में इंटरनेट विवाद ने लिया हिंसक रूप

दो आरोपियों के खिलाफ गंभीर धाराओं में मामला दर्ज

भिवंडी। भिवंडी क्षेत्र के कोपर इलाके में इंटरनेट कनेक्शन को लेकर हुए विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। इस मामले में नारपोली पुलिस स्टेशन में दो आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार, शिकायतकर्ता केशव शिवराम पारित (48), जो पेशे से कांट्रैक्टर हैं, अपने परिवार के साथ कोपर इलाके में रहते हैं। 23 दिसंबर की दोपहर करीब 2.30 बजे उनके घर में इंटरनेट कनेक्शन को लेकर विवाद शुरू हुआ। आरोप है कि इसी दौरान राकेश भरत पाटील और अरविंद सीताराम पाटील ने जबरन इंटरनेट का उपयोग करने का विरोध करने पर शिकायतकर्ता के साथ गाली-गलौज की और मारपीट की। आरोप है कि राकेश पाटील ने शिकायतकर्ता के सिर पर मुक्का मारकर उन्हें घायल किया, जबकि लोहे की रॉड से सिर पर वार कर जान से मारने की नीयत से हमला किया गया। घटना के दौरान शिकायतकर्ता के बेटे और भाई के साथ भी हाथापाई की गई। घटना के बाद घायल शिकायतकर्ता को उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया। मामले की सूचना मिलते ही नारपोली पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ मारपीट, जानलेवा हमला, सहित गंभीर धाराओं में अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच जारी है और आरोपियों से पूछताछ की जा रही है।

गोदाम का ताला तोड़कर तीन लाख रुपये के खिलौने चोरी

भिवंडी। नारपोली पुलिस थाना क्षेत्र में गोदाम चोरी की एक घटना सामने आई है। अज्ञात चोरों ने गोदाम का ताला तोड़कर करीब 3 लाख 2 हजार रुपये मूल्या खिलौने चुरा लिया। इस मामले में पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार शिकायतकर्ता ओमप्रकाश मदनलाल अग्रवाल (64) व्यवसाय से जुड़े हैं। उनका गोदाम भिवंडी के हरिहर कंपाउंड, दापोडा रोड स्थित गाला नंबर 201 से 206 में है।घटना 7 दिसंबर की रात करीब 7 बजे से 8 दिसंबर की सुबज 11 बजे के बीच की बताई जा रही है। इस दौरान अज्ञात चोरों ने गोदाम का शटर लॉक तोड़कर अंदर प्रवेश किया और वहां रखे खिलौने चुरा लिया। चोरी किए गए माल की कीमत करीब 3 लाख 2 हजार रुपये आंकी गई है।घटना की जानकारी मिलने के बाद पीड़ित ने नारपोली पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 305(ए), 331(3) और 331(4) के तहत अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज किया है,फिलहाल पुलिस गोदाम परिसर और आसपास के इलाकों में लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच कर रही है। साथ ही पुराने चोरी के मामलों से भी इस घटना को जोड़कर जांच की जा रही है।

बीएमसी चुनाव साथ लड़ेंगे मनसे और शिवसेना-यूबीटी, उद्धव बोले- मराठी लोग अब चूके तो खत्म हो जाएंगे

मुंबई। महाराष्ट्र की सियासत में ठाकरे बंधुओं ने एक बड़ा फैसला लेकर सबको चौंका दिया है। 20 साल बाद उद्धव-राज ठाकरे एक साथ चुनाव लड़ने जा रहे हैं। शिवसेना (यूबीटी) और मनसे मिलकर बीएमसी चुनाव लड़ेंगे। बुधवार को दोनों भाईयों ने संयुक्त प्रेस वार्ता

करके इसका एलान किया। घोषणा से पहले उद्धव ठाकरे और एमएनएस प्रमुख राज ठाकरे ने अपने परिवारों के साथ शिवाजी पार्क में बालासाहेब ठाकरे के स्मारक पर श्रद्धांजलि अर्पित की।

उद्धव ने भाजपा के नारे की तर्ज पर मराठियों से किया आह्वान

उद्धव ठाकरे ने कहा कि हम साथ रहने के लिए ही एकजुट हुए हैं। मुंबई या महाराष्ट्र पर किसी ने टेढ़ी नजर डाली, तो उसकी सियासत खत्म कर देंगे, यह शपथ लेकर हम साथ आए हैं। विधानसभा चुनाव के वक्त भाजपा ने यह गलत प्रचार किया था कि कटेंगे, तो बटेंगे। इसी पर अब हम मराठी लोगों से यह कहना चाहते हैं कि अगर अब चूक गए, तो खत्म हो जाओगे। अगर आपस में फूट पड़ी, तो पूरी तरह खत्म हो जाओगे। मराठी माणूस किसी के आड़े नहीं आता, लेकिन अगर कोई उसके रास्ते में आ गया, तो वह उसे वापस नहीं जाने देता।

राज ने कहा- इस गठबंधन का महाराष्ट्र को इंतजार था

राज ठाकरे ने कहा कि किसी भी दल से महाराष्ट्र बड़ा है। हम अभी कोई आंकड़ा नहीं बताएंगे। समय आने पर इसकी घोषणा की जाएगी। बहुत दिनों से महाराष्ट्र जिसका इंतजार कर रहा था, उस शिवसेना-मनसे के बीच आज आखिरकार गठबंधन हो गया है।

अघाड़ी पर उद्धव का तंज

महाविकास अघाड़ी के सवाल पर उद्धव ने चुटकी ली। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने तो जाहिर कर ही दिया है। अब हम और क्या बोलें कि टूट गया है, टूट गया है? ...क्या अघाड़ी अब भी कायम है, इस पर भी उद्धव ने तंज कसते हुए कहा कि हां, सारे दल तो बाहर हो गए हैं, फिर भी आप कह सकते हैं कि महाविकास अघाड़ी अटूट है।

'इस पल का लंबे समय से था इंतजार', बोले एमएनएस नेता

गठबंधन के एलान पर एमएनएस नेता यशवंत किल्लेदार ने कहा कि दो भाई एक साथ आ रहे हैं और हम इस पल का लंबे समय से इंतजार कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आज जो हो रहा है वह हमारे लिए खुशी की बात है। किल्लेदार ने कहा, 'दोनों भाई बालासाहेब ठाकरे के स्मृति स्थल पर आएंगे और उसके बाद एक प्रेस कॉन्फ्रेंस करेंगे। वे वहीं गठबंधन की घोषणा करेंगे। दोनों पार्टियों के कार्यकर्ता बहुत उत्साहित हैं।'

'भाजपा को सबक सिखाने के लिए हुए एकजुट', बोले संजय राउत

शिवसेना (यूबीटी) के नेता ने कहा, '20 वर्षों तक ठाकरे बंधुओं का साथ नहीं रहा और महाराष्ट्र को इसका बहुत नुकसान उठाना पड़ा। अब भाजपा को सबक सिखाने और मुंबई में चल रही लूट को रोकने के लिए उद्धव और राज ठाकरे एकजुट हुए हैं। हम मुंबई की 10 नगर निगमों में एक साथ चुनाव लड़ेंगे।' गठबंधन को लेकर संजय राउत ने कहा कि उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे आज चुनावी गठबंधन की घोषणा करने के लिए एकजुट होंगे। उन्होंने कहा, 'यह महाराष्ट्र और मराठी जनता के लिए खुशी का क्षण है। बालासाहेब ठाकरे ने यहीं के मूल निवासियों के लिए शिवसेना की स्थापना की थी।'

कांग्रेस ने गठबंधन के एलान पर खड़े किए सवाल

बीएमसी चुनाव के लिए शिवसेना (यूबीटी) और एमएनएस के गठबंधन पर कांग्रेस नेता अतुल लोंढे ने कहा कि आज खबर आई है कि अजित पवार और शरद पवार गठबंधन करने जा रहे हैं। उन्होंने सवाल खड़े करते हुए कहा कि क्या इसका मतलब यह है कि महायुति में फूट पड़ गई है?

'महाराष्ट्र के लिए ऐतिहासिक दिन', बोले शिवसेना (यूबीटी) विधायक

इस गठबंधन के एलान पर शिवसेना (यूबीटी) विधायक सचिन अहीर ने कहा कि महाराष्ट्र की राजनीति में यह एक ऐतिहासिक दिन है, जब ठाकरे परिवार एक साथ आ रहे हैं। उन्होंने कहा, 'महाराष्ट्र के लिए इसकी बहुत जरूरत है। यह आशा की किरण है। आज दोपहर गठबंधन का एलान किया जाएगा। भाजपा के विरोधियों को एकजुट होना चाहिए।'

भिवंडी में पावरलूम कारखाने में भीषण आग, लाखों का नुकसान.

सिलेंडर फटने से फायर ब्रिगेड कर्मचारी घायल

भिवंडी।भिवंडी शहर के सिद्धार्थ नगर, खोनी गांव स्थित ज्योति टेक्सटाइल के तीन पावरलूम कारखानों में मंगलवार देर शाम करीब सवा पांच बजे भीषण आग लग गई। आग की लपटें देखते ही देखते पूरे कारखाने में फैल गईं, जिससे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। इस हादसे में कारखानों में लगी पावरलूम मशीनें, तैयार कपड़ा, धागा और अन्य कच्चा माल जलकर खाक हो गया। प्रारंभिक आकलन के अनुसार आग में लाखों रुपये का नुकसान हुआ है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार आग बुझाने के दौरान एक सिलेंडर में विस्फोट हो गया। इस घटना में फायर ब्रिगेड के कर्मचारी कांतिलाल गुज्जर गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें तुरंत भिवंडी के सरकारी स्वर्गीय इंदिरा गांधी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है। जानकारी के मुताबिक ज्योति टेक्सटाइल के इन पावरलूम कारखानों में धागा वार्पिंग, कोट-मंजिला पार सहित धागे से संबंधित विभिन्न प्रक्रियाएं की जाती थीं। यहां धागे को प्रोसेस कर पावरलूम मशीनों के जरिए कपड़े का उत्पादन किया जाता था। आग की तीव्रता इतनी अधिक थी कि कुछ ही देर में तीनों कारखाने पूरी तरह जलकर तबाह हो गए।घटना की सूचना मिलते ही भिवंडी निजामपुर शहर महानगर पालिका की फायर ब्रिगेड की दो दमकल गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया और उसे आसपास के इलाकों में फैलने से रोका। राहत की बात यह रही कि इस हादसे में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई।फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका है। संबंधित विभाग द्वारा मामले की जांच की जा रही है।

उधार की किट से लेकर सबसे महंगा खिलाड़ी बनने तक, इंस्पायर करने वाला है विवेक लाकड़ा का सफर

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। युवा गोलकीपर विवेक लाकड़ा ने वित्तीय कठिनाइयों से जूझते हुए सीनियर खिलाड़ियों से खेल की किट उधार लेने से लेकर आगामी हॉकी इंडिया लीग में सबसे महंगे और सबसे अधिक मांग वाले जूनियर खिलाड़ी बनने तक लंबा सफर तय किया है। उन्हें श्राची बंगाल वॉरियर्स ने 23 लाख रुपये में अपनी टीम से जोड़ा है।

कुछ ही दिन पहले 18 साल के हुए लाकड़ा ओडिशा के प्रसिद्ध हॉकी केंद्र सुंदरगढ़ के रहने वाले हैं, हालांकि वह स्वीकार करते हैं कि यह खेल उनकी पहली पसंद नहीं था। उनके पिता हॉकी के धुर प्रशंसक थे और उन्होंने ही अपने बेटे का इस खेल से परिचय कराया। लाकड़ा ने कहा, 'मुझे इतनी बड़ी रकम मिलने की उम्मीद नहीं थी क्योंकि मेरा आधार मूल्य दो लाख रुपए था। नीलामी के दौरान मैं बस यही सोच रहा था कि कोई भी टीम मुझे खरीद ले। जब बोली लगी तो मैं अपने दोस्तों के साथ इसे देख रहा था। मेरी बोली 23 लाख रुपये लगी और सबसे पहले मैंने अपने पापा को इसके बारे में बताया। परिवार में सभी लोग खुश हैं क्योंकि

हम कुछ आर्थिक समस्याओं से गुजर रहे थे।' उन्होंने कहा, 'शुरू में मुझे हॉकी उतनी पसंद नहीं थी। मेरी रुचि फुटबॉल और क्रिकेट में ज्यादा थी। लेकिन मेरे पापा को हॉकी का बहुत शौक था। उन्होंने मुझे एक कोच से मिलवाया जो अब इस दुनिया में नहीं हैं। उन्होंने मुझे खेल की बुनियादी चीजों और इस खेल से जुड़े अवसरों के बारे में बताया।'

परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण उनके लिए यह सफर हालांकि आसान नहीं रहा और उन्हें सीनियर खिलाड़ियों से पुरानी गोलकीपिंग किट उधार लेनी पड़ती थी। उन्होंने 2016 में हॉकी खेलना शुरू किया था। लाकड़ा ने कहा, 'पहले मैं जूनियर स्तर के शिविर में गया और फिर मैंने राउरकेला के स्पोर्ट्स हॉस्टल में दाखिला लिया, लेकिन वहां गोलकीपिंग किट जैसी सुविधाएं ज्यादा नहीं थीं। इसलिए मैं कुछ महीनों तक स्ट्राइकर के रूप में खेला। स्टोर रूम में सीनियर खिलाड़ियों की कुछ किट पड़ी थीं, लेकिन वे काफी पुरानी हो चुकी थीं। मैंने किसी तरह सिलाई करके उन्हें ठीक किया और फिर गोलकीपिंग करनी शुरू कर दी।'

उन्होंने कहा, 'लेकिन उसके बाद लॉकडाउन लग गया। जब मैं लॉकडाउन के बाद वापस आया तो एक सीनियर खिलाड़ी ने मुझे अभ्यास के लिए अपनी पुरानी किट दे दी। फिर मैं ओडिशा की टीम के साथ 'एक्सपोजर टूर' पर मलेशिया गया। खेलो इंडिया खेला, जहां हम उपविजेता रहे और अगले साल चैंपियन बने। मैं भारतीय जूनियर टीम के साथ जर्मनी में चार देशों के टूर्नामेंट में भी खेलने गया।'

रोहित शर्मा ने जयपुर में ठोका शतक गौतम गंभीर पर फूटा फैंस का गुस्सा

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में बुधवार का दिन भारतीय घरेलू क्रिकेट के लिए यादगार बन गया। विजय हजारे ट्रॉफी में रोहित शर्मा ने शानदार शतक लगाकर न सिर्फ मुंबई की आसान जीत सुनिश्चित की, बल्कि अपने फैंस को भी भावनात्मक पल दे दिए। इस मुकाबले के दौरान स्टेडियम में मौजूद हजारों दर्शकों का जोश देखते ही बनता था। रोहित की ऐतिहासिक पारी के बीच, फैंस ने भारत के हेड कोच गौतम गंभीर को लेकर भी नाराज़गी जताई, जिसने माहौल को और गर्म कर दिया।

करीब सात साल बाद विजय हजारे ट्रॉफी में लौटे रोहित शर्मा ने सिक्किम के खिलाफ अपने इरादे शुरू से ही साफ कर दिए। 237 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए उन्होंने आक्रामक बल्लेबाज़ी की और मात्र 62 गेंदों में अपना सबसे तेज लिस्ट ए शतक पूरा किया। यह रोहित के घरेलू करियर की सबसे प्रभावशाली पारियों में से एक मानी जा रही है। मुंबई ने उनके दमदार

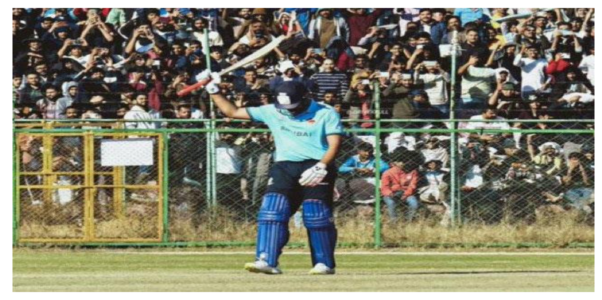

प्रदर्शन की बदौलत सिर्फ 30.3 ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया।

रोहित शर्मा आखिर तक टिके रहे और 94 गेंदों में 155 रन बनाकर नाबाद लौटे। उनकी इस पारी में दमदार चौके-छक्कों की भरमार थी, जिसने सिक्किम के गेंदबाज़ों को पूरी तरह बैकफुट पर धकेल दिया। जैसे ही रोहित पवेलियन लौटे, पूरा स्टेडियम तालियों और नारों से गूंज उठा। यह साफ दिख रहा था कि फैंस अपने पसंदीदा बल्लेबाज़ को दोबारा उसी रंग में देखकर बेहद खुश थे। सवाई मानसिंह स्टेडियम में करीब 12000 दर्शक मौजूद थे, जो रोहित शर्मा के हर शॉट पर झूम रहे थे। उनकी पारी के बाद स्टैंड्स से एक सुर में नारा गूंजा, 'दाल बाटी चूरमा, रोहित शर्मा सूरमा।' यह स्थानीय अंदाज में लगाया गया नारा सोशल मीडिया पर भी तेजी से वायरल हो गया और रोहित की लोकप्रियता का एक और उदाहरण बन गया।

रोहित के समर्थन के साथ-साथ जयपुर की भीड़ ने भारत के हेड कोच गौतम गंभीर को भी निशाने पर लिया। स्टेडियम में 'गंभीर किधर है, देख रहा है ना?' जैसे तंज भरे नारे सुनाई दिए। फैंस का यह गुस्सा लंबे समय से चली आ रही उस धारणा से जुड़ा है, जिसमें माना जा रहा है कि गंभीर की कोचिंग में रोहित शर्मा को टेस्ट टीम से बाहर होना पड़ा। इस साल की शुरुआत में यह चर्चा तेज़ थी कि सीनियर भारतीय खिलाड़ियों को राष्ट्रीय टीम में वापसी के लिए घरेलू क्रिकेट में अपनी फॉर्म साबित करनी होगी। रोहित शर्मा की यह पारी उसी बहस को और हवा देती दिखी।

भारत दौरे पर खुलकर बोले बावुमा कोच कोंराड की टिप्पणी पर दी प्रतिक्रिया

जोहान्सबर्ग **(एजेंसी)**। दक्षिण अफ्रीका के कप्तान टेम्बा बावुमा ने भारत दौरे के दौरान हुई 'अप्रिय' टिप्पणियों पर खुलकर अपने विचार साझा किए। उन्होंने बताया कि उन्हें जसप्रीत बुमराह और ऋषभ पंत की ओर से हुई माफी मिली, जबकि टीम के कोच शुकरी कॉनराड को अपने प्रसिद्ध 'ग्रॉवल' बयान के लिए बेहतर शब्द चुनने चाहिए थे।

दक्षिण अफ्रीका का यह दौरा बिना किसी बड़े विवाद के पूरा हुआ। सीरीज में दो टेस्ट, तीन वनडे और पांच टी20 मैच खेले गए। टीम ने लंबे समय बाद भारत में टेस्ट में जीत दर्ज की, जबकि सफेद गेंद के मुकाबलों में उन्हें हार का सामना करना पड़ा। बावुमा ने बताया, 'मैदान पर एक घटना हुई थी जिसमें उन्होंने मेरे बारे में कुछ कहा। अंततः वरिष्ठ खिलाड़ियों, ऋषभ पंत और जसप्रीत बुमराह, ने आकर माफी मांगी। जब माफी दी गई, मैं इसके बारे में पूरी तरह अनजान था और मुझे हमारे मीडिया मैनेजर से पुष्टि करनी पड़ी।' उन्होंने कोलकाता में हुए पहले टेस्ट के दौरान हुई घटना का जिक्र किया, जिसमें बुमराह और पंत ने उन्हें 'बौना' कहकर बुलाया था। बावुमा ने कहा, 'मैदान पर जो होता है वही रहता है, लेकिन आप इसे भूलते नहीं। इसे प्रेरणा और मोटिवेशन के तौर पर इस्तेमाल किया जाता है, कोई रंजिश नहीं रहती।'

बावुमा ने कॉनराड के दूसरे टेस्ट (गुवाहाटी) में दिए गए बयान पर भी चर्चा की। कॉनराड ने कहा था कि टीम भारतीय टीम को झुकाना चाहती थी, जिसे कुछ लोगों ने नस्लीय अर्थ वाली टिप्पणियों से जोड़कर देखा। बावुमा ने कहा कि उनके कोच को बेहतर शब्द चुनने चाहिए थे, और बाद में कॉनराड ने माफी भी मांगी। उन्होंने बताया, 'शुकरी ने वनडे सीरीज के बाद इस मुद्दे को सुलझाया और सही कहा कि उन्हें बेहतर शब्द चुनने चाहिए थे।' बावुमा ने आगे कहा, 'मैं भारत में कठिन सीरीज की उम्मीद कर रहा था और यही अनुभव मिला। मानसिक रूप से कुछ घाव अभी भी हैं, लेकिन पिछला अनुभव बताता है कि यह कितना चुनौतीपूर्ण होने वाला है।'

रुपया शुरुआती कारोबार में 12 पैसे की बढ़त के साथ 89.51 प्रति डॉलर पर

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। रुपया बुधवार को शुरुआती कारोबार में 12 पैसे की बढ़त के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 89.51 पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा बाजारों के लिए करीब तीन लाख करोड़ रुपये की पर्याप्त नकदी की घोषणा के बाद रुपये ने मजबूत शुरुआत की।

अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 89.56 पर खुला। फिर थोड़ा मजबूत होकर 89.51 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से 12 पैसे की बढ़त

दर्शाता है। रुपया शुरुआती कारोबार में अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले 89.65 तक भी पहुंचा।

रुपया मंगलवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 89.63 पर बंद हुआ था। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.07 प्रतिशत की गिरावट के साथ 97.87 पर रहा।

घरेलू शेयर बाजार के मोर्चे पर सेंसेक्स शुरुआती कारोबार 63.82 अंक चढ़कर 85, 588.66 अंक पर जबकि निफ्टी 32.80 अंक की बढ़त के साथ 26, 209.95 अंक पर पहुंच गया।

अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड 0.02 प्रतिशत की बढ़त के साथ 62.39 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर रहा। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) मंगलवार को बिकवाल रहे थे और उन्होंने शुद्ध रूप से 1, 794.80 करोड़ रुपये के शेयर बेचे।

क्रिकेटर यश दयाल को लगा झटका, पॉक्सो कोर्ट ने रेप केस में जमानत याचिका खारिज की

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारतीय क्रिकेटर यश दयाल को कानूनी मोर्चे पर गंभीर झटका लगा है। जयपुर की पॉक्सो कोर्ट ने नाबालिग लड़की से जुड़े कथित रेप मामले में उनकी अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी है। अदालत ने साफ किया कि मौजूदा सबूतों और जांच की स्थिति को देखते हुए यह नहीं कहा जा सकता कि आरोपी को झूठा फंसाया गया है। इस फैसले के बाद यश दयाल की मुश्किलें बढ़ गई हैं और मामले ने क्रिकेट जगत में भी हलचल मचा दी है।

जयपुर मेट्रोपॉलिटन कोर्ट (पॉक्सो कोर्ट-3) की जज अलका बंसल ने अपने आदेश में कहा कि केस डायरी और रिकॉर्ड पर मौजूद सामग्री यह संकेत देती है कि आरोपी की भूमिका की जांच आवश्यक है। अदालत के अनुसार, अब तक की जांच में ऐसे तथ्य सामने आए हैं जो यश दयाल की संलिप्तता की संभावना दिखाते हैं। इसलिए इस चरण पर उन्हें अग्रिम ज़मानत का संरक्षण देना उचित नहीं है। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि पॉक्सो जैसे संवेदनशील कानूनों के मामलों में प्रारंभिक सबूतों को गंभीरता से परखा जाना चाहिए।

जयपुर के सांगानेर सदर पुलिस स्टेशन में दर्ज ईंई के

अनुसार, नाबालिग शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया है कि यश दयाल ने उसे क्रिकेट करियर में आगे बढ़ाने का भरोसा देकर अपने प्रभाव में लिया। आरोप है कि इसके बाद उसे भावनात्मक रूप से ब्लैकमेल किया गया और करीब ढाई साल तक बार-बार शारीरिक शोषण किया गया। शिकायत में यह भी कहा गया है कि कथित घटनाएं जयपुर और कानपुर के विभिन्न होटलों में हुईं, जहां दोनों के ठहरने के रिकॉर्ड मौजूद बताए जा रहे हैं।

जांचकर्ताओं का कहना है कि पीड़िता के मोबाइल फोन से कई अहम डिजिटल सबूत बरामद हुए हैं। इनमें चैट मैसेज, फोटो, वीडियो और कॉल रिकॉर्ड शामिल हैं। इसके अलावा होटल में ठहरने से जुड़े दस्तावेज भी जांच का हिस्सा हैं। पुलिस का मानना है कि ये सभी सबूत पॉक्सो कानून के तहत केस को मजबूत करते हैं और इन्हें नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

देश के शीर्ष सात शहरों में 2025 में कार्योलय पर पट्टे पर देने की मांग में 6 फीसदी की वृद्धि

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। देश के शीर्ष सात शहरों में घरेलू एवं विदेशी कंपनियों की बेहतर मांग से कार्यालय स्थान को पट्टे पर देने की मांग छह प्रतिशत बढ़कर 7.15 करोड़ वर्ग फुट हो गई है। रियल एस्टेट सलाहकार कंपनी कोलियर्स इंडिया ने बुधवार को कहा कि प्रौद्योगिकी तथा बैंकिंग, वित्तीय सेवाएं एवं बीमा क्षेत्रों में वृद्धि से अगले वर्ष भी कार्यालय स्थानों की मांग मजबूत रहने का अनुमान है। आंकड़ों के अनुसार 2025 में 'ग्रेड ए' कार्यालय स्थानों को पट्टे पर देने की मांग के सात प्रमुख शहरों में 7.15 करोड़ वर्ग फुट तक पहुंच गई जबकि कैलेंडर वर्ष 2024 में यह 6.72 करोड़ वर्ग फुट थी। मुंबई और हैदराबाद में मांग में गिरावट आई।

हालांकि चेन्नई, बेंगलुरु, पुणे, कोलकाता और दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में मांग में वृद्धि दर्ज की गई। कोलियर्स इंडिया के प्रबंध निदेशक (कार्यालय सेवा) अर्पित मेहरोत्रा ने कहा, "भारत का कार्यालय बाजार लगातार बढ़ रहा है और हर गुजरते साल नए रिकॉर्ड बना रहा है।" रियल एस्टेट सलाहकार के अनुसार, 'ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर' (जीसीसी) कार्यालयों की मांग के प्रमुख चालकों में से एक के रूप में उभरे हैं। प्रतिभाशाली मानव संसाधन की उपलब्धता और बेहद किफायती किराए पर 'प्रीमियम' कार्यालय स्थान उपलब्ध होने के कारण विदेशी कंपनियां भारत में जीसीसी स्थापित कर रहे हैं।

स्मार्टफोन खरीदना होगा महंगा, चिप की भारी किल्लत से 40 फीसदी तक बढ़ सकते हैं दाम

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। नए साल में भारत का स्मार्टफोन बाजार दोहरे दबाव में आ सकता है। एक तरफ वैश्विक स्तर पर मेमरी चिप की भारी किल्लत बनी हुई है, वहीं दूसरी ओर बढ़ती लागत के चलते कंपनियों को फोन की कीमतें बढ़ानी पड़ सकती हैं। काउंटरपॉइंट रिसर्च के मुताबिक, जून 2026 की तिमाही तक मेमरी चिप की कीमतों में 40 फीसदी तक उछाल आ सकता है, जिससे स्मार्टफोन की कुल लागत 8 से 15 फीसदी तक बढ़ने की आशंका है।

इस बढ़ी हुई लागत का पूरा या आंशिक बोझ ग्राहकों पर डाला जा सकता है, जिससे स्मार्टफोन की मांग पर असर पड़ना तय माना जा रहा है। काउंटरपॉइंट रिसर्च के निदेशक तरुण पाठक ने कहा कि संशोधित अनुमानों के अनुसार 2026 में बाजार की गिरावट काफी गंभीर हो सकती है।

उनके मुताबिक, 10, 000 रुपए तक की कीमत वाले एंट्री-लेवल स्मार्टफोन सेगमेंट में शिपमेंट वॉल्यूम 15 फीसदी से ज्यादा घट सकता है। यह सेगमेंट कुल स्मार्टफोन शिपमेंट में करीब 18 फीसदी की हिस्सेदारी रखता है। वहीं, सभी श्रेणियों को मिलाकर कुल शिपमेंट में औसतन 3 से 5 फीसदी की गिरावट का अनुमान है।

स्मार्टफोन की कुल लागत में मेमरी चिप की हिस्सेदारी 12 से 16 फीसदी होती है। ऐसे में मेमरी की कीमत बढ़ने का सबसे ज्यादा

असर सस्ते फोन पर पड़ेगा, जबकि मिड और प्रीमियम सेगमेंट पर इसका प्रभाव अपेक्षाकृत कम रहेगा। यह स्थिति इसलिए भी चिंताजनक है क्योंकि पिछले दो साल से स्मार्टफोन शिपमेंट लगभग स्थिर बना हुआ है। साल 2025 में शिपमेंट 15.3 करोड़ यूनिट रहने का अनुमान है, जो 2024 के लगभग बराबर है।

हालांकि मूल्य के लिहाज से बाजार 2025 में करीब 9 फीसदी की वृद्धि के साथ बंद हो सकता है, क्योंकि उपभोक्ताओं का झुकाव प्रीमियम स्मार्टफोन की ओर बढ़ रहा है लेकिन तरुण पाठक का कहना है कि 2026 में 5 से 9 फीसदी तक की मूल्य वृद्धि प्रीमियमाइजेशन के बजाय बढ़ती उत्पादन लागत के कारण होगी।

मोबाइल कंपनियां भी इस चुनौती को स्वीकार कर रही हैं। श्याओमी इंडिया के चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर सुधीन माथुर ने कहा कि मेमरी की बढ़ती कीमतों के चलते मूल्य वृद्धि करना अपरिहार्य हो गया है और कई कंपनियां पहले ही ऐसा कर चुकी हैं। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि ईएमआई विकल्प के कारण उपभोक्ताओं पर इसका असर कुछ हद तक सीमित रह सकता है।

वहीं, बड़े ब्रांड्स को सप्लाई करने वाली एक प्रमुख ईएमएस कंपनी के वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि एआई डेटा सेंटर्स द्वारा मेमरी क्षमता के बड़े पैमाने पर इस्तेमाल के चलते यह कमी पूरे 2026 तक बनी रह सकती है। लावा इंडिया के एक वरिष्ठ अधिकारी ने भी माना कि मेमरी संकट के कारण खासकर एंट्री-लेवल फोन महंगे होंगे और 2026 स्मार्टफोन इंडस्ट्री के लिए एक चुनौतीपूर्ण साल साबित हो सकता है।

हायर इंडिया की कमान भारतीय हाथों में, भारती-वारबर्ग के साथ बड़ा समझौता

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। एयरटेल की पेरेंट कंपनी भारती एंटरप्राइजेज ग्लोबल प्राइवेट इक्विटी फर्म वारबर्ग पिंकस के साथ मिलकर चाइनीज इलेक्ट्रॉनिक्स दिग्गज हायर के भारतीय कारोबार में बड़ी हिस्सेदारी खरीदने जा रही है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, हायर को अपनी भारतीय इकाई हायर अप्लायंसेज इंडिया में 49 फीसदी हिस्सेदारी बेचने के लिए चीन सरकार से मंजूरी मिल गई है।

सूत्रों के अनुसार, इस सौदे की औपचारिक घोषणा जल्द हो सकती है और इसके लिए कंपनी के मुख्यालय स्तर पर बैठकों का दौर जारी है। हायर इंडिया का मौजूदा वैल्यूएशन करीब ?15, 000 करोड़ आंका गया है।

हायर इंडिया, एलजी और सैमसंग के बाद भारत की तीसरी सबसे बड़ी कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी बन चुकी है। कंपनी ग्रेटर नोएडा और पुणे स्थित अपने मौजूदा दो मैन्युफैक्चरिंग प्लांट्स का विस्तार करने के साथ-साथ तीसरा नया प्लांट लगाने की भी योजना बना रही है। बाजार जानकारों का मानना है कि यह डील न सिर्फ सुनील मित्तल के कारोबारी साम्राज्य को मजबूती देगी, बल्कि भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स बाजार के समीकरण भी बदल सकती है।

मध्य रेल
सोलापुर मंडल
इंजिनिअरिंग कार्य

मंडल रेल प्रबंधक (कार्य) सोलापुर, भारत के राष्ट्रपति के लिये और उनकी ओर से निम्नलिखित कार्यों के लिये ई–निविदायें आमंत्रित करते है। **निविदा क्र.:** 29-2025-SrDENS **कार्य का नाम:** Supplying and stacking on Railway ground 65mm machine crushed stone ballast as per latest specification of RDSO/LKO of Feb-2023 with latest amendments including royalty and fees etc and loading the same into Railway hoppers/wagons etc as directed by ADEN at site at DUD depot. (Total 50,000 m3) **अनुमानित लागत:** Rs. 5,27,29,500/- **बयाना रक्कम:** Rs. 4,13,700/- **समापन की अवधि:** 18 Months **अनुरक्षण की अवधी:** NA **निविदा क्र.:** 31-2025-SrDENS **कार्य का नाम:** Rebuilding of 11 Bridges (Slab: 06, RCC Pipe: 03, Arch Br.: 02) and Extension of 06 Bridges (Arches: 05, Box: 01) in Mohol-Wadi Section. **अनुमानित लागत:** Rs. 8,41,79,258.56 **बयाना रक्कम:** Rs. 5,70,900/- **समापन की अवधि:** 12 Months **अनुरक्षण की अवधी:** 24 Months **निविदा क्र.:** 32-2025-SrDENS **कार्य का नाम:** (A) Replacement of pipe line of Kunnor pump house 300mm dia of length 9000M at Wadi under ADEN/KLBG sub division. (B) [i] Replacement of pipe line Bablad pump house to KLBG filter plant 200mm dia of length 4500M ADEN/KLBG sub division. [ii] Replacement of pipe line from Shahabad pump house to Shahabad filter plant 200mm dia of length 3650M ADEN/KLBG sub division. **अनुमानित लागत:** Rs. 7,03,14,264.82 **बयाना रक्कम:** Rs. 5,01,600/- **समापन की अवधि:** 12 Months **अनुरक्षण की अवधी:** 24 Months. **www.ireps.gov.in** इस वेब साईट पर टेंडर अपलोड करने का अंतिम दिनांक और समय: **12/01/2026 को 15.00 बजे तक।** **www.ireps.gov.in** इस वेब साईट पर टेंडर खुलने का दिनांक और समय: **12/01/2026 को 15.30 बजे.** निविदाकारों से निवेदन हैं की कोइ बदलाव / शुद्धिपत्र (यदि हो) के लिये **www.ireps.gov.in** पर टेंडर बंद होने की तारीख तक समय समय पर भेंट दे।

मं.रे.प्र.(कार्य), सोलपुर 74

अपने जानवरों को रेल लाइन से दूर रखे

ऐन-ना की किस्मत का क्या हुआ? आखिरी सीन के पीछे छिपा है गहरा रहस्य

नेटफ्लिक्स की द ग्रेट फ्लड एक तनावपूर्ण आपदा थ्रिलर के रूप में शुरू होती है, लेकिन धीरे-धीरे कुछ ज़्यादा परेशान करने वाली चीज़ में बदल जाती है। दुनिया को खत्म करने वाली बाढ़ से बचने की एक हताश लड़ाई, याददाश्त, मातृत्व और आर्टिफिशियल भावनाओं के बारे में एक लेयर्ड साइंस-फिक्शन कहानी में बदल जाती है। किम दा-मी ने एन-ना और पार्क हे-सू ने ही-जो का किरदार निभाया है, यह फिल्म एक ऐसी एंडिंग की ओर बढ़ती है जो जानबूझकर आसान जवाब देने से मना करती है।

आखिरी सीन तक, दर्शक यह सवाल करने लगते हैं कि क्या यह तबाही असली थी, क्या एन-ना अभी भी इंसान है, और क्या प्यार को भी बनाया जा सकता है। यहाँ द ग्रेट फ्लड की एंडिंग और इसका असली मतलब क्या है, इसकी एक साफ और आसान जानकारी दी गई है।

जाने-माने कोरियन एक्टर किम दा-मी, क्वोन यून-सांग और पार्क हे-सू स्टारर इस फिल्म को नेटफ्लिक्स पर बड़े पैमाने पर देखा गया, और इसे भारतीय क्रिटिक्स और दर्शकों

से भी पॉजिटिव रिस्पॉन्स मिला। अगर आपने अभी तक फिल्म नहीं देखी है, तो बेहतर समझने के लिए इसकी कहानी जानें। द ग्रेट फ्लड एक साइंस-फिक्शन सर्वाइवल थ्रिलर है जो एक माँ की बहादुरी को दिखाती है। फिल्म एक ऐसी महिला के इर्द-गिर्द घूमती है जो एक एआई रिसर्चर के तौर पर काम करती है और भविष्य की घटनाओं की भविष्यवाणी करने में दिलचस्पी रखती है। लेकिन उसकी ज़िंदगी का सबसे बड़ा टर्निंग पॉइंट तब आता है जब अचानक उसके शहर, सियोल, दक्षिण कोरिया में सुनामी आती है। पूरा शहर पानी में डूब जाता है और वह अपने बच्चे को बचाने की पूरी कोशिश करती है। विनाशकारी बाढ़ के बीच, वह एक बिल्डिंग में फंस जाती है और ज़िंदा रहने के लिए संघर्ष करती है।

द ग्रेट फ्लड काफी अशुभ तरीके से खत्म होती है, जो एक और महत्वपूर्ण थीम की पुष्टि करती है: कि ज़िंदा रहना, बड़े पैमाने पर, विवेक का मामला है, न कि सिर्फ ज़िंदा रहने के स्किल्स का टेस्ट। आखिरी एपिसोड में, इस आपदा को लाने वाला असली सुराग आखिरकार सामने आता है: बाढ़ सिर्फ प्रकृति का काम नहीं थी, बल्कि, यह माफी और कॉर्पोरेट चिंता की कमी का मामला था। लीड कैरेक्टर आखिर में भागने के बजाय फंसे हुए लोगों को निकालने का फैसला करता है, जिससे भारी नुकसान होता है लेकिन एक बड़ी आपदा टल जाती है। कुछ ज़रूरी किरदार बच नहीं पाते, जिससे यह बात साबित होती है कि यह सीरीज़ कभी भी आसान अंत नहीं देती। अधिकारियों को जनता की जांच के दायरे में लाया जाता है, और आखिर में यह दिखाया जाता है कि न्याय, भले ही देर से मिले।

कितनी पढ़ी-लिखी हैं कंटेंट क्रिएटर स्वीट जन्नत?

सोशल मीडिया पर बीते दिनों एक 19 वीडियो वायरल हुआ और लोगों के बीच चर्चा का विषय बन गया। ये किसी कपल का प्राइवेट वीडियो था और इसको लेकर सोशल मीडिया के अलग-अलग प्लेटफॉर्म पर बात होने लगी। हालांकि, इस वीडियो की सच्चाई क्या थी किसी को नहीं पता था लेकिन मेघालय की मेघायल की कंटेंट क्रिएटर स्वीट जन्नत सोशल मीडिया पर लोगों की ट्रोलिंग का शिकार बन गईं। उनके सोशल मीडिया अकाउंट्स पर लोगों ने मैसेज करना शुरू कर दिया और 19 मिनट का वीडियो मांगने लगे। मामला बढ़ता देख स्वीट जन्नत एक वीडियो शेयर कर सच बताया था। इसी बीच आइए जानते हैं कि मेघायल की कंटेंट क्रिएटर कितनी पढ़ी लिखी हैं।

सोशल मीडिया के अलग-अलग प्लेटफॉर्म पर बीत दिनों कई प्राइवेट वीडियो वायरल हो चुके हैं। अब एक 19।34 मिनट के प्राइवेट वीडियो ने हंगामा मचा दिया। इस वीडियो की सच्चाई को बिना जाने लोगों ने मेघायल की कंटेंट क्रिएटर स्वीट जन्नत की जमकर ट्रोलिंग की। वहीं, फैक्ट चेक में ये कपल का प्राइवेट वीडियो फेक पाया गया। उधर, स्वीट जन्नत ने एक वीडियो शेयर कर बताया था कि जो वीडियो वायरल हो रहा है, उसमें वह नहीं हैं। उनका कहना था कि वीडियो में लड़की अंग्रेजी में बात कर रही है जबकि वह 12वीं मुश्किल से पास की है, उनके लिए इंग्लिश बोलना दूर की बात है। इस तरह से स्वीट जन्नत की पढ़ाई के बारे में लोगों को पता चल गया है।

मध्य रेल
सोलापुर मंडल
सिग्नलिंग कार्य

ई–निविदा सूचना संख्या:
सोला–एन–टी–2025–26–32 दि. 22.12.2025

भारत के राष्ट्रपति की ओर से डी. आर. एम. (एस एंड टी) कार्यालय, मध्य रेलवे, सोलापुर निम्नलिखित कार्यों के लिए सक्षम, प्रतिष्ठित फर्मों। ठेकेदारों से रेलवे की ई–प्रोक्योरमेंट वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर ऑनलाइन ई–निविदाएं आमंत्रित करता है: **काम का नाम:** मध्य रेलवे के सोलापुर डिवीजन के दौंड–वाड़ी खंड में आर.ओ.बी/आर.यू.बी/सबवे कार्यों के निष्पादन के संबंध में एस एंड टी केबल/गियरों की सुरक्षा/स्थानांतरण। **निविदा संख्या:** सोला–एन–टी–2025–26–32 **कार्य की अनुमानित लागत:** Rs 92,44,103.52 **टेंडर फॉर्म की कीमत:** Nil, **जमा की जाने वाली धरोहर राशि:** Rs 1,84,900.00 **कार्य पूर्ण करने की अवधि:** 12 महीने **निविदा बंद होने का समय एंव दिनांक** **www.ireps.gov.in पर** 16.01.2026 at 15.30 Hrs., विवरण ireps में बेबसाइट में उपलब्ध हैं। शुद्धिपत्र / संशोधन यदि कोई हो तो केवल उपरोक्त ई–प्रोक्योरमेंट वेबसाइट पर अपलोड किया जाएगा। केवल ऑनलाइन निविदाएं ही स्वीकार की जाएंगी। मैनुअल /डाक/ ई–मेल, फैक्स, हस्तनिविदाएं स्वीकार नहीं की जाएंगी। निविदाताओं से अनुरोध है कि वे कंपनी के नाम के साथ तृतीय श्रेणी डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाण पत्र प्राप्त करें और इसे **www.ireps.gov.in** पर पंजीकृत करें। बयाना राशि (ईएमडी) का भुगतान नेट बैंकिंग या पेमेंट गेटवे के माध्यम से या बैंक गारंटी के रूप में स्वीकार किया जाएगा और मूल बैंक गारंटी निविदा दस्तावेज़ में निर्दिष्ट नामित अधिकारी को व्यक्तिगत रूप से बोलियाँ जमा करने की अंतिम तिथि से पहले (अर्थात बोलियाँ जमा करने की अंतिम तिथि को छोड़कर) जमा करनी होगी। अधिक जानकारी के लिए कृपया **www.ireps.gov.in** देखें।

DRM (S&T), Solapur 75

अपने जानवरों को रेल लाइन से दूर रखे

उत्तर रेलवे ने हिमाचल प्रदेश के धरमपुर में 373वां मैनेजमेंट डेवलपमेंट प्रोग्राम आयोजित किया

सभी डिवीजनों/विभागों के 42 प्रतिभागियों ने मैनेजमेंट डेवलपमेंट प्रोग्राम में भाग लिया

नई दिल्ली। उत्तर रेलवे के सीनियर सुपरवाइजरों के लिए मैनेजमेंट डेवलपमेंट प्रोग्राम 28 अगस्त 1985 को शुरू किया गया था। यह भारतीय रेलवे में मानव संसाधन विकास का एक ज़रूरी हिस्सा है; इसका मकसद सुपरवाइजरों के मैनेजेरियल स्किल्स को इस तरह से विकसित करना है कि वे अपने-अपने स्तर पर मैनेजमेंट के तरीकों में सकारात्मक बदलाव ला सकें और साथ ही मैनपावर प्रोडक्टिविटी बढ़ाने में भी योगदान दे सकें।

ये प्रोग्राम हर साल नियमित रूप से आयोजित किए जा रहे हैं। शुरू से अब तक, 373 श्३ इ कोर्स आयोजित किए जा चुके हैं और उत्तर रेलवे के सभी विभागों के 14534 सुपरवाइजरों को अब तक प्रशिक्षित किया जा चुका है। इसी कड़ी में, 373वां श्३इ 15.12.2025 से 19.12.2025 तक हिमाचल प्रदेश के धरमपुर में रेलवे सेफ्टी कैंप परिसर में आयोजित किया गया, जिसमें सभी डिवीजनों/विभागों के 42 प्रतिभागियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। पर्यावरण प्रबंधन, व्यक्तिगत प्रबंधन, नेतृत्व, अनुशासन और अपील नियम, स्थापना नियम, समय प्रबंधन आदि जैसे विभिन्न विषयों को शामिल किया गया, जिनकी प्रतिभागियों ने बहुत सराहना की। कार्यक्रम के दौरान रेलवे से संबंधित विषयों पर एक क्विज़ प्रतियोगिता सहित विभिन्न इंटरैक्टिव सत्र भी आयोजित किए गए।उत्तर रेलवे के सीनियर डिप्टी जनरल मैनेजर, श्री अरविंद नौटियाल ने समापन सत्र की अध्यक्षता की और सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए।

डॉ. अखिलेश तिवारी को पीवीएस का बेस्ट क्राइम रिपोर्टर अवॉर्ड 2025

खोजी पत्रकारिता से हिला दिया सिस्टम, पोंजी घोटाले पर निभाया अहम रोल

मुंबई : सत्ता, सिस्टम और संगठित अपराध के खिलाफ निडर कलम चलाने वाले नवभारत टाइम्स के वरिष्ठ पत्रकार डॉ. अखिलेश तिवारी को पत्रकार विकास संघ (पीवीएस) द्वारा बेस्ट क्राइम रिपोर्टर अवॉर्ड 2025 से सम्मानित किया जाएगा। 17 वर्षों की पत्रकारिता साधना पूरी कर 18वें वर्ष में प्रवेश कर रहे पीवीएस ने इस वर्ष यह सम्मान उस पत्रकार को देने का फैसला किया है, जिसने खोजी रिपोर्टिंग से पोंजी घोटाले की जड़ों को उखाड़ फेंका।

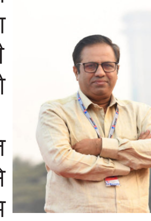

डॉ. तिवारी की सनसनीखेज और तथ्याधारित रिपोर्टिंग ने एजे इंटरप्राइजेज पोंजी स्कीम का पर्दाफाश किया, जिसमें अधिक रिटर्न का झांसा देकर सैकड़ों निवेशकों की गाढ़ी कमाई लूटी जा रही थी। रिपोर्ट प्रकाशित होते ही क्राइम ब्रांच हरकत में आई, वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर गठित 18 सदस्यीय विशेष टीम ने कार्रवाई करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया और करोड़ों रुपये की संपत्ति जब्त की। यह खुलासा साबित करता है कि जब पत्रकारिता ईमानदार होती है, तो कानून को भी कदम बढ़ाने पड़ते हैं।

मुंबई के घाटकोपर में जन्मे डॉ. अखिलेश तिवारी ने इसी शहर की गलियों से पत्रकारिता की बारीकियाँ सीखीं और आज 24 वर्षों की निरंतर और जमीनी पत्रकारिता के साथ हिंदी मीडिया में एक मजबूत पहचान बना ली है। मुंबई विश्वविद्यालय से एम.ए. और पीएचडी जैसी उच्च शैक्षणिक योग्यता के साथ वे आज भी फील्ड में उतरकर अपराध, भ्रष्टाचार और सत्ता के दुरुपयोग के खिलाफ मोर्चा खोले हुए हैं। अपने करियर की शुरुआत ‘उ से करते हुए डॉ. तिवारी ने कबूतरबाज़ी, धोखाधड़ी, आत्महत्या मामलों और मान्यता दत्त से जुड़े एबॉर्शन प्रकरण जैसी संवेदनशील खबरों को उजागर किया। स्टार न्यूज़ में रहते हुए उन्होंने मुन्ना बजरंगी की मुंबई गिरफ्तारी जैसी बड़ी खबर ब्रेक की, डी-कंपनी से जुड़े किरदारों के एक्सक्लूसिव इंटरव्यू लिए और मुस्तफा डोसा का जेल वैन से लिया गया इंटरव्यू राष्ट्रीय सुर्खियाँ बना।

सहारा समय में प्रीति जिंटा-नेस वाडिया विवाद पर रवि पुजारी का टेलीफोनिक इंटरव्यू हो या दैनिक नवभारत में बार बालाओं को पीएफ देने वाले बार मालिक की स्टोरी–डॉ. तिवारी की रिपोर्टिंग ने हमेशा सत्ता और सिस्टम को कटघरे में खड़ा किया। मुंबई मिरर में दादर रेलवे ट्रैक जाम की घटना को प्रमुखता से रिपोर्ट कर उन्होंने आम यात्रियों की आवाज़ को मंच दिया। ऊन्न9 भारतवर्ष और वर्तमान में नवभारत टाइम्स में उनकी हालिया खोजी रिपोर्टिंग–केईएम अस्पताल के एक प्रोफेसर पर पाँच इंटर्न डॉक्टरों द्वारा लगाए गए यौन शोषण के आरोप और एजे इंटरप्राइजेज पोंजी घोटाले का खुलासा–ने एक बार फिर साबित कर दिया कि डॉ. अखिलेश तिवारी का नाम आते ही सिस्टम में हलचल मच जाती है।

बी.कॉम, एम.ए., पीएचडी और वर्तमान में एलएलबी की पढ़ाई कर रहे डॉ. तिवारी का पत्रकारिता मंत्र साफ है–

‘तथ्य, साहस और ईमानदारी–यही असली पत्रकारिता है।’

पीवीएस का यह प्रतिष्ठित सम्मान शनिवार, 27 दिसंबर को मालाड (पश्चिम) लिंक रोड स्थित कांचपाड़ा के साईं पैलेस होटल में सुबह 11 बजे आयोजित भव्य समारोह में प्रदान किया जाएगा।

मध्य रेल के महाप्रबंधक विवेक कुमार गुप्ता द्वारा नागपुर मंडल के अंतर्गत अमला-नागपुर रेलखंड का किया गया विस्तृत सुरक्षा निरीक्षण

मुंबई। मध्य रेल के महाप्रबंधक विवेक कुमार गुप्ता ने नागपुर मंडल के अंतर्गत अमला-नागपुर रेलखंड का विस्तृत सुरक्षा निरीक्षण किया। इस निरीक्षण का उद्देश्य रेल संचालन की कार्यक्षमता, सुरक्षा मानकों तथा विभिन्न विकासात्मक एवं अनुरक्षण कार्यों की प्रगति की समीक्षा करना था। निरीक्षण के दौरान अमला स्टेशन पर उन्होंने स्टेशन भवन, स्टेशन परिसर, यात्रियों के लिए उपलब्ध सुविधाएं, प्रतीक्षालय, विशिष्ट अतिथि कक्ष, जलपान गृह, टिकट बुकिंग कार्यालय, आरक्षण काउंटर, रेल चालक एवं गार्ड के लिए क्रू लॉबी, क्रू विश्राम कक्ष, रेलवे सुरक्षा बल चौकी, बंद परिपथ दूरदर्शन निगरानी व्यवस्था, पैनल कक्ष, मार्ग रिले इंटरलॉकिंग प्रणाली, दुर्घटना राहत रेलगाड़ी, दुर्घटना राहत चिकित्सीय उपकरण, रेलवे आवास कॉलोनी तथा उपमंडलीय अस्पताल का गहन निरीक्षण किया। इसके अतिरिक्त प्वाइंट एवं क्रॉसिंग की स्थिति का परीक्षण करते हुए टर्नआउट संख्या 142बी एवं 143ए का भी निरीक्षण किया गया। अमला स्टेशन पर महाप्रबंधक ने क्रू बुकिंग लॉबी में रेल प्रबंधकों एवं लोको पायलटों से संवाद किया तथा टिकट जांच कर्मचारियों के कार्यों की समीक्षा की। साथ ही उन्होंने रेलवे सुरक्षा बल द्वारा अपराध की पहचान एवं रोकथाम तथा यात्रियों की सुरक्षा के लिए अपनाए गए नवीन एवं प्रभावी उपायों का अवलोकन किया। इसके पश्चात जौलखेड़ा-मुलताई रेलखंड पर कि.मी. 889.45 पर स्थित सीमित ऊंचाई भूमिगत मार्ग संख्या 264 का निरीक्षण किया गया। मुलताई स्टेशन पर स्टेशन परिसर, टिकट बुकिंग कार्यालय, इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग रिले कक्ष एवं विद्युत कक्ष का निरीक्षण किया गया, जहां सिग्नल एवं दूरसंचार विभाग द्वारा प्रस्तुति दी गई। इसके साथ ही वातानुकूलित प्रतीक्षालय, एक स्टेशन एक उत्पाद योजना के अंतर्गत भैरवी कला का प्रदर्शन, माल गोदाम, श्रमिक कक्ष तथा नागपुर मंडल से लोड की जाने वाली विभिन्न वस्तुओं के प्रदर्शन का भी अवलोकन किया गया। इसके बाद मुलताई-चिचोंडा रेलखंड पर स्थित पुल संख्या 912/1, जिसे वर्धा पुल के नाम से जाना जाता है, का निरीक्षण कर उसकी संरचनात्मक मजबूती एवं सुरक्षा से जुड़े पहलुओं की समीक्षा की गई। पांढुर्णा स्टेशन पर स्टेशन परिसर तथा विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का निरीक्षण किया गया, जिनमें मंडल में अपनाई गई सुरक्षा पहलों, तकनीकी प्रगति तथा सर्वोत्तम कार्यप्रणालियों का प्रदर्शन किया गया। पांढुर्णा स्थित टीआरडी डिपो एवं ट्रैक्शन उपकेंद्र में टावर वैगन संचालन की सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु उच्च वोल्टेज पहचान उपकरण का प्रदर्शन किया गया, साथ ही मंडल में सुरक्षा बढ़ाने के लिए अपनाई गई विभिन्न निगरानी व्यवस्थाओं तथा तार की ऊंचाई एवं झुकाव मापने के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित ओवरहेड उपकरण निगरानी प्रणाली का भी प्रदर्शन किया गया। इस अवसर पर महाप्रबंधक ने 2 गुणा 25 केवी ट्रैक्शन प्रणाली पर आधारित एक पुस्तिका का विमोचन किया। इसके पश्चात पांढुर्णा से काटोल के बीच विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण किया गया। साथ ही वक्र संख्या 34, कि.मी. 980/04-06 पर स्थित समपार संख्या 282ए9 (विशेष श्रेणी), कलांभा-काटोल रेलखंड पर इकाई संख्या 17 का निरीक्षण किया गया तथा काटोल से कलमेश्वर के बीच कि.मी. 981.73 से 1018.58 तक गति परीक्षण भी किया गया। नागपुर में महाप्रबंधक ने मंडलीय अस्पताल का निरीक्षण किया तथा शाखा अधिकारियों के साथ बैठक कर रेल मंत्री द्वारा सुरक्षा, अनुरक्षण, गुणवत्ता एवं प्रशिक्षण पर दिए गए विशेष बल को दोहराया। उन्होंने यूनियन प्रतिनिधियों से चर्चा की तथा मीडिया से संवाद कर उनके प्रश्नों का संतोषजनक उत्तर दिया। निरीक्षण के दौरान स्वच्छता की स्थिति, रेलगाड़ियों की समयपालन व्यवस्था तथा चल रहे अनुरक्षण एवं आधारभूत संरचना उन्नयन कार्यों की प्रगति की भी समीक्षा की गई। महाप्रबंधक ने माल ग्राहकों से संवाद कर माल लदान क्षमता बढ़ाने एवं गैर किराया राजस्व में वृद्धि के उपायों पर चर्चा की। इसके अतिरिक्त उन्होंने सांसद विवेक साहू, विधायक नीलेश उइके, विधायक योगेश पांडाग्रे, विधायक चंद्रशेखर देशमुख तथा जनजातीय कार्य मंत्रालय के राज्य मंत्री दुर्गादास उइके के प्रतिनिधि दीपक सालुजा से भेंट कर उनके द्वारा उठाए गए मुद्दों पर चर्चा की। पूरे निरीक्षण के दौरान महाप्रबंधक ने जमीनी स्तर पर कार्यरत अधिकारियों एवं कर्मचारियों से संवाद कर सुरक्षित रेल संचालन, आधारभूत संरचना की विश्वसनीयता तथा यात्रियों की सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने पर जोर दिया और भारतीय रेल की छवि को और सुदृढ़ करने के लिए आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया। इस अवसर पर नागपुर मंडल के मंडलीय रेल प्रबंधक विनायक गर्ग सहित मुख्यालय एवं मंडल के वरिष्ठ अधिकारी महाप्रबंधक के साथ उपस्थित रहे।

बर्फबारी के बीच बढ़ी मुसीबतः जम्मू-कश्मीर के 5 जिलों में हिमस्खलन का खतरा, प्रशासन सतर्क

श्रीनगर **(एजेंसी)**। जम्मू कश्मीर के ऊपरी इलाकों में हाल में हुई भारी बर्फबारी के मद्देनजर बुधवार को इस केंद्र शासित प्रदेश के पांच जिलों में हिमस्खलन की चेतावनी जारी की गयी। अधिकारियों ने बताया कि डोडा, गांदरबल, किश्तवाड़, पुंछ और रामबन जिलों के लिए कम खतरे वाली हिमस्खलन की चेतावनी जारी की गई है। उन्होंने बताया कि अगले 24 घंटों के दौरान इन जिलों से 2, 800 मीटर ऊपर हिमस्खलन होने की आशंका है। लोगों से हिमस्खलन की आशंका वाले इलाकों से बचने और सरकार की ओर से जारी परामर्श का पालन करने को कहा गया है। जम्मू कश्मीर के ज्यादातर ऊपरी इलाकों में इस हफ्ते हल्की से भारी बर्फबारी हुई है।

हिमस्खलन, ढलान से तेज़ी से नीचे गिरने वाले पदार्थ का एक बड़ा ढेर। हिमस्खलन आमतौर पर तब शुरू होता है जब ढलान पर मौजूद पदार्थ अपने आस-पास से अलग हो जाता है, यह पदार्थ फिर तेज़ी से इकट्ठा होता है और ढलान से नीचे और भी पदार्थ ले जाता है।

हिमस्खलन कई तरह के होते हैं, जिनमें चट्टानी हिमस्खलन (जो टूटी हुई चट्टानों के बड़े टुकड़ों से बनता है), बर्फीला हिमस्खलन (जो आमतौर पर ग्लेशियर के पास होता है), और मलबा हिमस्खलन (जिसमें कई तरह के बिना जमे हुए पदार्थ होते हैं, जैसे ढीले पत्थर और मिट्टी) शामिल हैं। बर्फीले हिमस्खलन, जो इस लेख का मुख्य विषय है, कई पहाड़ी इलाकों में एक आम घटना है।

साफ हवा नहीं दे पा रहे तो एयर प्यूरीफायर पर जीएसटी करें कम, हाई कोर्ट ने केंद्र से पूछे तीखे सवाल

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। दिल्ली उच्च न्यायालय ने शहर में बिगड़ते वायु प्रदूषण को लेकर केंद्र सरकार को कड़ी चेतावनी दी। न्यायालय ने सरकार से कहा कि या तो नागरिकों को स्वच्छ हवा की उपलब्धता सुनिश्चित करे या एयर प्यूरीफायर पर जीएसटी (जीएसटी) तुरंत कम करे। मुख्य न्यायाधीश डीके उपाध्याय और न्यायमूर्ति तुषार राव गेडेला की पीठ ने सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल के मद्देनजर जीएसटी प्रणाली के तहत उच्चतम 18इ कर को कम करना न्यूनतम आवश्यक कदम बताया। यह सुनवाई अधिवक्ता कपिल मदन की याचिका के बाद हुई, जिसमें उन्होंने न्यायालय से एयर प्यूरीफायर को ‘चिकित्सा उपकरण’ की श्रेणी में रखने और उन पर जीएसटी घटाकर 5इ करने का आग्रह किया था। याचिकाकर्ता ने कहा कि स्वच्छ आंतरिक वायु बनाए रखने के लिए एयर प्यूरीफायर आवश्यक हो गए हैं। वर्तमान उच्च कर के कारण ये आबादी के एक बड़े हिस्से के लिए अफोर्डेबल नहीं हैं, जिससे उन पर अनुचित और संवैधानिक रूप से अस्वीकार्य बोझ पड़ रहा है। अदालत ने संकट की गंभीरता पर जोर देते हुए सरकार से दिल्ली-एनसीआर के लगभग 3 करोड़ निवासियों को हुए नुकसान का आकलन करने को कहा। अदालत ने कहा कि यह न्यूनतम उपाय है जो आप कर सकते हैंष्ठ हर नागरिक को ताजी हवा चाहिए। अगर आप यह नहीं कर सकते, तो कम से कम जीएसटी (जीएसटी) कम करें। इसे आपातकाल की तरह लें।’ सरकार को दोपहर 2:30 बजे तक जवाब देने का समय दिया गया।

दिल्ली और आसपास के इलाकों में वायु प्रदूषण का स्तर लगातार खतरनाक बना हुआ है। बुधवार सुबह के आंकड़ों के अनुसार, नोएडा में एक्यूआई 355, दिल्ली में 349, गुरुग्राम में 316 और गाजियाबाद में 309 दर्ज किया गया। मध्य दिल्ली से प्राप्त तस्वीरों में गणतंत्र दिवस परेड के पूर्वाभ्यास के दौरान इंडिया गेट के पास कर्तव्य पथ पर घना कोहरा छाया हुआ दिखाई दे रहा था। पिछले सप्ताह दिल्ली में एक्यूआई 441 तक पहुंच गया था, जबकि उससे पिछले सप्ताह यह 461 तक पहुंच गया था - जो इतिहास में दिसंबर महीने का दूसरा सबसे खराब वायु गुणवत्ता वाला दिन था। ग्लोबल बर्डन ऑफ डिजीज के आंकड़ों के अनुसार, 2023 में शहर में हुई कुल मौतों में से लगभग 15इ का कारण खतरनाक वायु गुणवत्ता को माना गया है।

भारत के बयान के बाद तुरंत एक्शन में आया अमेरिका, बांग्लादेश पर जारी किया बड़ा अलर्ट

वाशिंगटन **(एजेंसी)**। जब पड़ोस में आग लगती है तो सबसे पहले असर सरहद पर पड़ता है यानी बॉर्डर पर पड़ता है और आज दक्षिण एशिया में यही आग बांग्लादेश से उठती दिखाई दे रही है। भारत आज सिर्फ एक देश नहीं बल्कि क्षेत्रीय स्थिरता की धुरी है और जब इस धुरी के आसपास कट्टरता, नफरत और हिंसा बढ़ने लगे तो पूरी दुनिया चौकन्ना हो जाती है। यही वजह है कि अब अमेरिका ने वो अलर्ट जारी कर दिया है जिसने बांग्लादेश ही नहीं बल्कि कई देशों को हिलाकर रख दिया। दरअसल मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अमेरिका ने बांग्लादेश को लेकर एक गंभीर एडवाइज़री जारी कर दी है। रिपोर्ट में यह भी कहा जा रहा है कि बांग्लादेश में यूनुस की अंतरिम सरकार कट्टरपंथी ताकतों को कंट्रोल करने में नाकाम होती दिख रही भारत विरोधी गतिविधियां अल्पसंख्यकों पर हमले और सड़कों पर बढ़ती उग्र भीड़ इन सब ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय को चिंता में डाल दिया है। इसी पृष्ठभूमि में अमेरिका की चेतावनी को बहुत गंभीर संकेत माना जा रहा है। ढाका स्थित अमेरिकी दूतावास की एडवाइज़री के मुताबिक

25 दिसंबर को बांग्लादेश नेशनल पार्टी यानी बीएनपी एक विशाल जनसभा करने जा रही है। यह जनसभा सुबह 11:00 बजे से हजरत शाह जलाल इंटरनेशनल एयरपोर्ट से लेकर गुलशन तक आयोजित होगी। इसमें बीएनपी के कार्यवाहक अध्यक्ष तारिक रहमान की वापसी को लेकर बड़ा प्रदर्शन किया जाएगा।

अमेरिकी दूतावास ने आशंका जताई है कि इतनी बड़ी भीड़ के चलते कानून व्यवस्था बिगड़ सकती है और किसी भी अपरी घटना की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता है। इस पूरे घटनाक्रम के बीच भारत ने भी एक और बड़ा सख्त कदम उठाया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक भारत ने बांग्लादेश में अपने दूतावास की विजा सेवाएं अस्थाई रूप से सस्पेंड कर दी। इससे सीधे तौर पर सुरक्षा कारणों पर जुड़ा फैसला बताया जा रहा है।

भारत ने बांग्लादेश के उच्चायुक्त रियाज हामिदुल्लाह को तलब किया और दोनों देशों के बीच संबंधों में आई तीव्र गिरावट के बीच, बांग्लादेशी छात्र नेता शरीफ उस्मान हादी की हत्या की गहन जांच की मांग की। नयी दिल्ली ने यह कदम ढाका में भारतीय उच्चायुक्त प्रणय वर्मा को बांग्लादेशी विदेश मंत्रालय में तलब किए जाने के कुछ घंटों बाद उठाया। वर्मा को नयी दिल्ली स्थित बांग्लादेश उच्चायोग के बाहर हुई अफसोसजनक घटनाओं को लेकर विरोध दर्ज कराने के लिए तलब किया गया था। पड़ोसी देश बांग्लादेश में हाल ही में हादी की हत्या कर दिए जाने के विरोध में यहां बांग्लादेश उच्चायोग के बाहर प्रदर्शन हुए हैं।

बाबुलनाथ मंदिर को राजस्व मंत्री से लीज़ की प्रति सौंपी गई

श्रद्धालुओं की सुविधाओं को लेकर ट्रस्टियों के साथ विस्तृत चर्चा

मुंबई। मुंबई स्थित आस्था के प्रमुख केंद्र श्री बाबुलनाथ मंदिर के लिए राज्य सरकार ने एक महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक निर्णय लिया है। राजस्व विभाग ने श्री बाबुलनाथ मंदिर चैरिटीज़ को नाममात्र एक रुपये की दर पर 30 वर्षों के लिए लीज़ (भाड़ेपट्टा) का नवीनीकरण प्रदान किया है। इस संबंध में जारी शासन निर्णय की आधिकारिक प्रति बुधवार सुबह राज्य के राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुळे ने मंदिर ट्रस्ट के विश्वस्तों को सौंपी। इस अवसर पर राजस्व मंत्री श्री बावनकुळे ने बताया कि मुख्यमंत्री श्री देवेंद्र फडणवीस के स्पष्ट निर्देशों के अनुसार राजस्व विभाग द्वारा यह निर्णय लिया गया है।

उन्होंने कहा कि बाबुलनाथ मंदिर में प्रतिदिन हजारों श्रद्धालु दर्शन हेतु आते हैं और उनकी सुविधा, सुरक्षा एवं सुचारु व्यवस्था सुनिश्चित करना सरकार की प्राथमिकता है। इस कार्यक्रम में मंत्री मंगलप्रभात लोढ़ा, विधायक एवं भाजपा प्रदेश कोषाध्यक्ष श्री मिहिर कोटेचा सहित मंदिर ट्रस्ट के विश्वस्त नितिनभाई ठक्कर, प्रदीपभाई श्रॉफ तथा जितुभाई ठक्कर उपस्थित रहे।

हिवाळी सत्र के दौरान मंदिर परिसर को 30 वर्षों की लीज़ पर देने का निर्णय लिया गया था। बाबुलनाथ मंदिर आने वाले श्रद्धालुओं के लिए पेयजल, स्वच्छता, कतार प्रबंधन, विश्राम स्थल एवं अन्य नागरिक सुविधाओं के विकास हेतु इस भूमि की आवश्यकता लंबे समय से महसूस की जा रही थी।

विधायक श्री मिहिर कोटेचा ने इस प्रस्ताव का लगातार पाठपुरावा किया, जबकि स्थानीय विधायक एवं मंत्री श्री मंगलप्रभात लोढ़ा ने भी इस विषय में सक्रिय रूप से अनुशंसा की थी। अंततः मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार यह भूमि अब विधिवत रूप से मंदिर ट्रस्ट को सौंप दी गई है।

यह भी स्पष्ट किया गया कि इस भूमि का उपयोग पूर्णतः श्रद्धालुओं की सेवा, सुविधा और धार्मिक उद्देश्यों के लिए ही किया जाएगा।

यदि आप चाहें तो मैं इसे और अधिक आक्रामक न्यूज़ टोन

सरकारी/शास्त्रीय भाषा

हेडलाइन-फोकस्ड ब्रेकिंग स्टाइल

संक्षिप्त संस्करण (150-200 शब्द)

में भी तुरंत रूपांतरित कर सकता

Facebook: https://www.facebook.com/profile.phpid=100063787346044 **Twitter:** https://twitter.com/mantrabharatt=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 **Mobile No:** 7007837917

मंत्र भारत : R.N.I. MAHHIN/ 2016/65841 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा AIS Printing solution प्लॉट नं0-A- 544 TTC इंडस्ट्रियल एरिया एमआईडीसी माहपे-नवी मुंबई, थाने 400709 से मुद्रित एवं शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012प्रकाशित एवं सम्पादित । कार्यालय : शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012 । फोन : 022-24706563 । कार्यकारी सम्पादक- योगेन्द्र चौधरी
E-Mail : editormantrabharat@gmail.com mantrabharatmumbai@gmail.com । सम्पादक : विनोद आर शर्मा, मोबाइल : 7007837917 । समूह सम्पादक : डॉ दयानन्द तिवारी। वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे के लिए मंत्र प्रधान कार्यालय क्षेत्र प्रयागराज/इलाहाबाद न्यायालय ही होगा। प्रधान कार्यालयः 80ए मेंहदौरी, तेलियरगंज, प्रयागराज-211004 (नोटः कानूनी पत्र व्यवहार का पता प्रधान कार्यालय ही होगा।)